केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

उसी व्यक्ति को आलोचना करने का अधिकार है.. जो 'सहायता' करने की भावना रखता हो

वर्ष : 16 अंक : 358 | उज्जैन, मंगलवार 09 जून 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

मानसून पर सुपर अल-नीनो का सायाः खतरे के निशान से ऊपर पहुंचा तापमान, भारत के लिए इस संकट का क्या है मतलब?

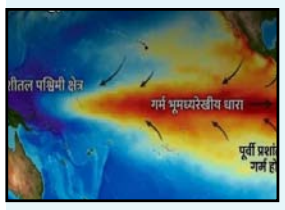

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश में इस समय भयंकर गर्मी पड़ रही है। मानसून अभी दक्षिण-पश्चिम तक पहुंच गया है। वहीं उत्तर भारत के लोगों को अभी भी मानसून का इंतजार है। भयंकर गर्मी से परेशान लोग बारिश की आस में हैं। मानसून के आने की उम्मीद के साथ ही एक ऐसा संकट प्रशांत महासागर में आ गया है, जो आने वाले समय में संकट पैदा कर सकता है। इस संकट का नाम है- अल नीनो। मौसम के एक नए अनुमान में एक चिंताजनक बात सामने आई है। प्रशांत महासागर में बन रहा अल नीनो अब तक का सबसे शक्तिशाली अल नीनो हो सकता है। इसे फिल्मों से लिया गया एक निकनेम भी दिया गया है- गॉडजिला अल नीनो। अल नीनो के बारे में सटीक जानकारी पाना मुश्किल है। प्रशांत महासागर में यह पानी का वह हिस्सा है, जिस पर वैज्ञानिक सबसे ज्यादा नजर रखते हैं। जिस तापमान पर अल-नीनो बनता है, यहां का पानी उस तापमान से भी ऊपर जा चुका है। यूरोपीय मौसम विशेषज्ञों को उम्मीद है कि प्रशांत महासागर के पानी का तापमान अभी और बढ़ेगा। ग्लोबल क्लाइमेट एजेंसियों ने अब आधिकारिक तौर पर अल नीनो की शुरुआत की घोषणा कर दी है। आशंका जताई जा रही है कि सितंबर तक इसके हालात और मजबूत हो जाएंगे। अल नीनो, अल नीनो सदर्न ऑसिलेशन नाम के एक विशाल क्लाइमेट सी-सॉ (उतार-चढ़ाव वाले चक्र) का एक हिस्सा है। ट्रॉपिकल पैसिफिक (उष्णकटिबंधीय प्रशांत क्षेत्र) को इस बात से समझें कि एक तरफ गर्म चरण है - अल नीनो। दूसरी तरफ ठंडा चरण है - ला नीना। आमतौर पर, ट्रेड विंड्स नाम की स्थिर हवाएं प्रशांत महासागर की सतह के गर्म पानी को एशिया की ओर धकेलती हैं। लेकिन अल नीनो के दौरान, ये हवाएं कमजोर पड़ जाती हैं। गर्म पानी वापस से पूर्व की ओर खिसक जाता है और महासागर अपनी गर्मी जमा करने की जगह बदल लेता है। वैज्ञानिक मध्य प्रशांत महासागर के एक हिस्से पर नजर रखते हैं जिसे नीनो 3.4 क्षेत्र कहा जाता है। यहां का तापमान सामान्य से लगभग 0.9 डिग्री सेल्सियस ऊपर पहुंच चुका है, जो 0.5 डिग्री के उस निशान को पार कर गया है जो अल नीनो का संकेत देता है।

भारत के पास अब 190 परमाणु हथियार, तेजी से बढ़ रही न्यूक्लियर ताकतः SIPRI की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत के परमाणु हथियारों की संख्या बढ़कर अब 190 हो गई है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की ताजा रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। पिछले साल भारत के पास अनुमानित 180 परमाणु हथियार थे। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत लगातार अपने परमाणु कार्यक्रम को आधुनिक बना रहा है और नई तकनीकों के जरिए रणनीतिक क्षमता मजबूत कर रहा है। SIPRI Yearbook 2026 के अनुसार दुनिया एक नए परमाणु प्रतिस्पर्धा के दौर में प्रवेश कर रही है। अमेरिका, रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान समेत सभी परमाणु संपन्न देश अपने हथियारों और डिलीवरी सिस्टम को तेजी से अपग्रेड कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का परमाणु आधुनिकीकरण मुख्य रूप से चीन को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। चीन लगातार अपने परमाणु भंडार का विस्तार कर रहा है और उसके पास अब करीब 620 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। वहीं पाकिस्तान भी अपने परमाणु कार्यक्रम को मजबूत कर रहा है। SIPRI के मुताबिक भारत एक साथ चीन और पाकिस्तान दोनों मोर्चों पर संतुलित रणनीतिक क्षमता बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। भारत अब नई पीढ़ी की परमाणु तकनीकों पर तेजी से काम कर रहा है। इनमें सबसे अहम है MIRV तकनीक। इसके जरिए एक ही बैलिस्टिक मिसाइल कई परमाणु वारहेड ले जा सकती है और अलग-अलग लक्ष्यों को निशाना बना सकती है। इसके अलावा भारत कैनिस्टराइज्ड मिसाइल सिस्टम भी विकसित कर रहा है, जिससे मिसाइलों को तेजी से लॉन्च किया जा सकेगा और उनकी सुरक्षा भी बढ़ेगी।

हितग्राही को बैंक से सब्सिडी और ऋण दिलाने में भी करें सहयोग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियाँ उसी साल वितरित करें, जिस वर्ष में वह देय हैं

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विभाग द्वारा उद्यम व स्वरोजगार योजना में दी जाने वाली सब्सिडी व ऋण सहायता सुलभ व समय में देकर उसके उपयोग की मॉनीटरिंग भी की जाये। विभाग अपनी विभागीय प्रक्रिया को पूर्ण कराने के अलावा संबंधित हितग्राही को बैंक से समुचित सब्सिडी/ऋण दिलाने में भी हितग्राही का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को सरकार द्वारा दी जा रही छात्रवृतियां उसी वर्ष तय तारीख तक आवश्यक रूप से वितरित कर दी जाये, जिस वर्ष में वह छात्रवृत्ति देय है। विभागीय अधिकारी इसके लिए स्कूल शिक्षा/उच्च शिक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों से बेहतर समन्वय करके काम करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रक्रिया का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को सहज, सुलभ व समय पर लाभ देना होना चाहिए। उद्देश्य पूर्ति के लिये किसी भी तकनीकी समस्या या अन्य प्रक्रियात्मक त्रुटियों का तत्काल समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की सभी प्रकार की वक्फ संपत्तियों की प्रविष्टियाँ केंद्र सरकार द्वारा संचालित उम्मीद पोर्टल पर आवश्यक रूप से की जाए तथा वक्फ संपत्तियों से संबंधित भूमि विवादों के निराकरण के लिए लगातार मॉनीटरिंग कर उनका सकारात्मक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में बताया गया कि उम्मीद पोर्टल में वक्फ सम्पत्तियों की प्रविष्टियों के मामले में मध्यप्रदेश पूरे देश में पहले स्थान पर है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों से कहा कि विभागीय लंबित घोषणाओं को प्राथमिकता से पूर्ण कर लिया जाए। विभागीय जांच निर्धारित समय सीमा में पूरी कर समुचित निराकरण करें। सभी निर्धारित भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए मासिक/मासिक अंतराल पर विस्तृत समीक्षा कर उन्हें समय सीमा में ही पूरा किया जाए। बैठक में बताया गया कि पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की सभी विभागीय योजनाओं की जरूरतमंदों/आवेदकों को अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराने के लिए एक वर्चुअल वॉयस असिस्टेंस टूल विकसित किया जा रहा है। साथ ही डिजिटल मार्केटिंग फॉर प्रमोटिंग डिपार्टमेंटल एक्टिविटी के तहत विभाग डिजिटल मार्केटिंग के जरिए विद्यार्थियों को एमपी ऑनलाइन के जरिए जागरूक भी कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस विभागीय नवाचार को एमपी ई-सेवा पोर्टल से जोड़ने के निर्देश दिए, ताकि ओबीसी सहित अन्य सभी वर्ग के विद्यार्थियों को उनके लिए संचालित रोजगारपरक एवं स्वरोजगार स्थापना से जुड़ी योजनाओं की जानकारी का लाभ मिल सके।

प्रदेश में बनेगा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सिमुलेटरी स्पेस सेंटर- बैठक में प्रमुख सचिव, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण श्री ई. रमेश कुमार ने बताया कि केंद्र सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के सहयोग से मध्यप्रदेश में जल्द ही डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सिमुलेटरी स्पेस सेंटर की स्थापना की जाएगी। इसका उद्देश्य प्रदेश के विद्यार्थियों एवं नागरिकों में वैज्ञानिक सोच तथा अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति अभिरूचि विकसित करना है। इस सेंटर के सुचारु संचालन के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा म.प्र. काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (मैपकास्ट) से सहयोग लिया जाएगा।

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना में युवाओं को भर्ती के अवसर- शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना के तहत अन्य पिछड़ा वर्ग के 12वीं उत्तीर्ण युवाओं को सैन्य बल एवं अन्य समकक्ष सुरक्षा बलों/पुलिस/होमगार्ड एवं निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह योजना प्रदेश के 20 जिलों में चलाई जा रही है। इसमें 4 हजार युवाओं के सहभागिता की है। प्रशिक्षण का समापन 30 जून को होगा।

दिल्ली छात्र गृह योजना में सुधार कर शिष्यवृत्ति राशि 1550 रुपए से बढ़ाकर 10 हजार रुपए कर दी गई है। लाभार्थियों की संख्या भी सालाना 50 से बढ़ाकर 300 कर दी गई है। प्रदेश के इतिहास में ओबीसी के छात्रावासों में पहली बार विभाग द्वारा मेस की सुविधा का आरंभ किया जा रहा है। विभागीय 31 कन्या छात्रावासों को आदर्श छात्रावास के रूप में विकसित किया गया है। शेष 24 छात्रावासों के लिए 20.50 करोड़ रुपए की आवश्यकता है। प्रमुख सचिव श्री ई. रमेश कुमार ने बताया कि पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति के लिए चयन मापदंडों में सुधार कर अब 8 मापदंडों के अनुसार मेरिट के आधार पर अभ्यर्थियों का चयन किया जा रहा है।

चुनाव से पहले भाजपा ने बदली अपनी रणनीति, पंकज चौधरी को मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली/ जीएनएस। उत्तर प्रदेश में लगातार तीसरी बार कमल खिलाने के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी पूरे प्रदेश को मथने के लिए जमीन पर उतर चुके हैं।

कुछ माह पहले ही संगठन की कमान संभालने वाले अध्यक्ष ने यूं तो शुरुआत से ही कार्यकर्ता कनेक्ट को अपनी कार्यशैली में शामिल किया है, लेकिन अब वह खुद एक-एक जिले में जाकर कार्यकर्ता संवाद की रूपरेखा बना चुके हैं।

कार्यकर्ताओं के मन की बात सुनेंगे पंकज चौधरी- इसके साथ ही जिस तरह से राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी ने वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क के लिए राष्ट्रीय संगठक की नियुक्ति की है, उसी भावना के अनुरूप प्रदेश अध्यक्ष ने भी एजेंडा बनाया है कि वह पूर्व पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के भी मन की बात उनसे मिलकर सुनेंगे।

यूपी के मिशन- 2027 के लिए सभी को पंकज चौधरी की अध्यक्षता वाली नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की प्रतीक्षा है। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष ने अपनी ओर से जमीनी मोर्चा संभाल लिया है। अब तक पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों का दौरा कर चुके अध्यक्ष इन दिनों कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रवास पर हैं।

वहीं, उनके करीबी सूत्रों ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष ने चुनावी तैयारी के लिए अपने कार्यक्रमों की प्रारंभिक रूपरेखा पहले ही तैयार कर ली है। तय किया गया है कि चुनाव से पहले वह प्रदेश के हर जिले का दौरा करेंगे। सभी जगह अनौपचारिक संवाद कार्यक्रम किए जाएंगे।

वह न सिर्फ संगठन के वर्तमान पदाधिकारियों से, बल्कि वर्तमान जनप्रतिनिधियों में सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, पंचायत प्रतिनिधियों से भी अधिक से अधिक संख्या में मिलने का प्रयास करेंगे।

पूर्व पदाधिकारियों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं करेंगे संवाद- इनके अलावा पूर्व जनप्रतिनिधियों, पूर्व पदाधिकारियों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को अलग से बुलाकर संवाद करेंगे। यदि उनकी कोई शिकायत, समस्या या सुझाव होगा तो सुनेंगे।

बताया गया है कि अध्यक्ष ने उन विधानसभा क्षेत्रों की भी सूची तैयार कराई है, जहां पार्टी कभी नहीं जीती और जिन सीटों पर मुकाबला अधिक कड़ा होता है। ऐसे क्षेत्रों में रात्रि प्रवास कर गहन संवाद और रणनीतिक चर्चा की भी कार्ययोजना है।

आपसी सहमती से बनाए गये संबंध चरित्र हनन का आधार नहीं

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना में पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती मामले में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि दो आपसी सहमति वाले अविवाहित बालिगों के बीच शारीरिक संबंध अकेले किसी व्यक्ति के चरित्र पर सवाल खड़ा करने का आधार नहीं हो सकता। कोर्ट ने एक उम्मीदवार के सिलेक्शन रद करने के फैसले को पलट दिया। जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि तेलंगाना स्टेट लेवल पुलिस रिक्रूटमेंट बोर्ड द्वारा उम्मीदवार का प्रोविजनल सिलेक्शन रद करना गलत था। उम्मीदवार के खिलाफ 2014 में दर्ज आपराधिक मामले में एक महिला के साथ शादी का झूठा वादा करके संबंध बनाने का आरोप था, जिसका 2015 में लोक अदालत में समझौता हो गया था। उम्मीदवार ने एप्लीकेशन फॉर्म में इसकी पूरी जानकारी भी दी थी। कोर्ट ने सफा किया, दो आपसी सहमति वाले अविवाहित बालिगों के बीच शारीरिक संबंध अकेले उस व्यक्ति के चरित्र के बारे में गलत राय बनाने का आधार नहीं हो सकता और न ही होना चाहिए।

जरा रीढ़ की हड्डी दिखाइए, महुआ मोइत्रा का TMC सासंद युसुफ पठान पर हमला

नई दिल्ली/ जीएनएस। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने बहरामपुर से सांसद और पूर्व क्रिकेटर युसुफ पठान पर तीखा हमला बोला है।

महुआ ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, युसुफ पठान क्या आप इसलिए दिल्ली भाग रहे हैं क्योंकि अमित शाह ने आपको बुलाया है? थोड़ी हिम्मत दिखाइए। आप भारत के लिए खेले हैं। हमारे जिले ने आपको भारी अंतर से जिताया था। थोड़ी शर्म और जरा रीढ़ की हड्डी दिखाइए।

टीएमसी सांसद ने एक और ट्वीट में कहा, 2024 में सांसद टीएमसी के टिकट पर जीते थे। जनादेश एनडीए के लिए नहीं था। वे सभी लालची, मतलबी, गद्दार जिनकी पैंट डर के मारे पीली पड़ गई है, वे अब बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। अपनी सीटों से इस्तीफा दें और बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ें। देखते हैं आप कितने बड़े हीरो हैं।

कौशल विकास मंत्रालय की बड़ी कार्रवाई, नियमों की अनदेखी पर 15618 ITI संस्थानों की मान्यता रद

नई दिल्ली/ जीएनएस। वैश्विक बाजार में कौशल की मांग को देखते हुए भारत के स्किल ईकोसिस्टम में बड़े बदलावों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। सरकार ने कदम तो कई उठाए, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। ऐसा ही कुछ ड्यूल सिस्टम आफ ट्रेनिंग की योजना के साथ हुआ।

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अधीन संचालित प्रशिक्षण महानिदेशायल (डीजीटी) ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में (आइटीआइ) में थर्ड शिफ्ट या तीसरी पाली के साथ इस प्रविधान को जोड़ दिया कि इसमें पंजीयन कराने वाले अभ्यर्थियों को उद्योगों में व्यावहारिक प्रशिक्षण अधिक दिलाया जाएगा।

डीजीटी से मांगा 2026 तक का समय - देशभर से 16802 आइटीआइ ने थर्ड शिफ्ट के लिए मान्यता वर्ष 2023 में ली। व्यवस्था लागू करने के लिए डीजीटी से 2026 तक का समय मांगा, लेकिन उद्योगों को जोड़ नहीं सके। अंततः अब मंत्रालय ने नियम-शर्तों का पालन न करने वाले 15618 संस्थानों की मान्यता रद करने का निर्णय किया है।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में तीसरी पाली की व्यवस्था 2008 से चल रही थी, लेकिन कौश विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने महसूस किया कि पारंपरिक प्रशिक्षण पद्धति के तहत तीसरी शिफ्ट इकाइयों का संचालन व्यावहारिक नहीं है।

विशाखापत्तनम में बड़ा हादसाः पिघला हुआ स्टील लीक होने से 8 मजदूरों की मौत, कई घायल

नई दिल्ली/ जीएनएस। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में स्टील प्लांट की SMS-2 और SMS-3 हीट फैसिलिटी में बड़ी मात्रा में पिघला हुआ स्टील लीक होने से आठ मजदूरों की मौत हो गई और अन्य कई घायल हुए हैं।

विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के सर्कल इंस्पेक्टर केशव राव के मुताबिक, यह घटना बहुत ज्यादा तापमान पर पिघले हुए स्टील को ले जा रही एक लैडल के फटने से हुई। इसके बाद स्टील प्लांट में अफरा-तफरी मच गई और मजदूर अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। स्टील प्लांट के कर्मचारी मौके पर पहुंच गए हैं और आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं।

गृह मंत्री वंगलापुडी अनीता ने घटना की जानकारी ली- राज्य के गृह मंत्री वंगलापुडी अनीता ने विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में हुई दुर्घटना पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने विशाखापत्तनम के जिला कलेक्टर और शहर के पुलिस कमिश्नर से फोन पर बात की और स्टील प्लांट दुर्घटना से जुड़ी जानकारी ली।

गृह मंत्री घटना स्थल के लिए रवाना- मंत्री ने अधिकारियों के घायलों का बेहतर इलाज कराने और दुर्घटना स्थल पर बचाव और राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। घटना की जानकारी मिलते ही गृह मंत्री तुरंत दुर्घटना स्थल पर रवाना हो गईं और लगातार अधिकारियों से फोन पर बात कर रही हैं।

राज्यसभा की एक सीट पर भाजपा ने बिछाई बिसात, हुए क्रॉस वोट तो कांग्रेस को लगेगी चोट

नई दिल्ली/ जीएनएस। मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव बेहद दिलचस्प होने जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में चुनावी दौर से गुजर रही तीसरी सीट पर भी अपना उम्मीदवार उतार दिया है। इसके साथ ही मुकाबला दिलचस्प हो गया है, क्योंकि भाजपा के पास तीसरी सीट जीतने पर्याप्त वोट नहीं है। खास बात है कि यहां पार्टी का मुकाबला कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन से होने जा रहा है। ऐसे में अब क्रॉस वोटिंग की अटकलें तेज हो गई हैं।

भाजपा के शासन वाले एमपी की तीन सीटों पर राज्यसभा चुनाव होना है। भाजपा ने पहले ही दो सीटों पर महासचिव तरुण चुघ और रजनीश अग्रवाल को मैदान में उतारा था। दोनों नेताओं ने शनिवार को नामांकन दाखिल भी कर दिया है। अब पार्टी ने रविवार को ही दांव चला और मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश केवट को तीसरी सीट पर उतार दिया।

भाजपा के तीसरे उम्मीदवार के नाम की घोषणा से पहले भोपाल में मुख्यमंत्री आवास पर पार्टी नेताओं ने एक बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। पीटीआई भाषा के मुताबिक, पार्टी सूत्रों ने बताया कि इसी बैठक में तीसरे उम्मीदवार के रूप में केवट को मैदान में उतारने की सहमति बनी, जिसके बाद केंद्रीय नेतृत्व ने इसे हरी झंडी दिखाई।

एमपी विधानसभा में 64 विधायकों वाली कांग्रेस के लिए तीसरी सीट पर जीत आसान है। हालांकि, अब जब भाजपा ने भी केवट को प्रत्याशी बनाकर दावेदारी पेश कर दी है, तो मुकाबला कांटे का हो सकता है। अब अगर कांग्रेस विधायक क्रॉस वोट करते हैं, तो भाजपा के लिए जीत की राह तैयार हो सकती है। ऐसे में पहले तय मानी जा रही नटराजन की सीट मुश्किल में पड़ सकती है। 18 जून को इस सीट पर मतदान होने जा रहा है।

मध्य प्रदेश विधानसभा में सदस्यों की संख्या 230 पर है, लेकिन वोट सिर्फ 228 ही डाल पाएंगे। इसकी वजह विजयपुर के विधायक मुकेश मल्होत्रा के वोट देने पर रोक और बीना एमएलए निर्मला सप्रे का रुख साफ नहीं होना है। इन दो वोटों का नुकसान भी कांग्रेस को ही होता नजर आ रहा है। एक सीट भारत आदिवासी पार्टी (भाआपा) के पास है और एक सीट खाली है। दरअसल, भाजपा के पास 164 विधायक हैं। जबकि, कांग्रेस के मामले में यह आंकड़ा 64 है, लेकिन वोट 62 ही हैं।

इस लिहाज से एक उम्मीदवार को जीत के लिए कम से कम 58 वोट अपने नाम करने होंगे। अब 164 सीटों वाली भाजपा के लिए 2 सीटों पर तो जीत तय है, लेकिन तीसरी के लिए 10 और मतों की जरूरत होगी। वहीं, कांग्रेस के पास एक सीट जीत के बाद भी 4 वोट बच सकते हैं। अगर क्रॉस वोटिंग नहीं होती है, तो नटराजन की राज्यसभा की राह बेहद आसान है।

कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया कि विधायक पार्टी की राज्यसभा उम्मीदवार नटराजन के समर्थन में एकजुट हैं। और उन्होंने 18 जून को होने वाले द्विवार्षिक चुनाव में उनकी जीत को लेकर विश्वास जताया है। पार्टी में किसी प्रकार के मतभेद की अटकलों को खारिज करते हुए नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने दावा किया कि कांग्रेस विधायक पूरी तरह पार्टी के साथ खड़े हैं।

हर ग्राम में बनेगी एक 'लखपति गोपालक दीदी', पशुपालन और मत्स्य क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर दिया जायेगा विशेष ध्यान

कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक वर्णवाल ने ली संभागीय समीक्षा बैठक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्त आधार बनाने के उद्देश्य से कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल की अध्यक्षता में पशुपालन, डेयरी एवं मछुआ कल्याण विभाग की संयुक्त संभागीय समीक्षा बैठक इंदौर में आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख सचिव पशुपालन श्री उमाकांत उमराव, सचिव मत्स्य पालन श्री स्वतंत्र कुमार सिंह, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सहित संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशुपालन को केवल सहायक व्यवसाय न मानकर ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बनाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक ग्राम में कम से कम एक ÷लखपति गोपालक दीदी÷ तैयार करने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जाए। महिला स्व-सहायता समूहों को पशुपालन गतिविधियों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास किए जाएं, जिससे ग्रामीण महिलाओं की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो सके।

उन्होंने क्षीरधारा ग्राम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से गांवों में दुग्ध उत्पादन और दुग्ध व्यवसाय को संगठित स्वरूप प्रदान किया जाए। दुग्ध उत्पादकों को आधुनिक तकनीकों, वैज्ञानिक पशुपालन और बेहतर विपणन सुविधाओं से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। श्री वर्णवाल ने हिरण्यगर्भ नस्ल सुधार अभियान को परिणाममूलक ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उन्नत नस्ल के पशुओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर नस्ल सुधार कार्यक्रम चलाए जाएं। कृत्रिम गर्भाधान और अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग बढ़ाकर पशुओं की उत्पादकता में वृद्धि सुनिश्चित की जाए। बैठक में उन्होंने कहा कि पशुपालकों को संतुलित एवं पौष्टिक पशु आहार की जानकारी और उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। संतुलित आहार से पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर होगा तथा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशु पोषण संबंधी जागरूकता अभियान भी चलाए जाएं।

बैठक में प्रमुख सचिव पशुपालन श्री उमाकांत उमराव ने प्रदेश को उन्नत नस्ल के पशुओं के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कई पशुपालकों को उच्च गुणवत्ता वाली नस्ल के पशुओं के लिए अन्य राज्यों पर निर्भर रहना पड़ता है। यदि प्रदेश में ही उन्नत नस्ल के पशुओं का पर्याप्त उत्पादन होगा तो पशुपालकों को कम लागत पर स्थानीय स्तर पर बेहतर नस्ल के पशु उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। बैठक में ब्रीडर संघों के गठन पर भी चर्चा हुई।

श्री वर्णवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशु प्रजनन से जुड़े किसानों और उद्यमियों को संगठित कर ब्रीडर संघों का गठन किया जाए, जिससे गुणवत्तापूर्ण नस्ल विकास कार्यक्रमों को गति मिल सके। उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचे। इसके माध्यम से पशुपालकों को स्वरोजगार और आयवृद्धि के नए अवसर उपलब्ध कराए जाएं। बैठक में गोशालाओं की स्थिति और संचालन की भी समीक्षा की गई। श्री वर्णवाल ने निर्देश दिए कि गोशालाओं को आधुनिक, उन्नत और आत्मनिर्भर बनाया जाए। गोशालाओं में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि गोशालाएं केवल पशु संरक्षण का केंद्र न रहकर जैविक खेती, गोबर गैस, वर्मी कम्पोस्ट और अन्य आयवर्धक गतिविधियों का भी केंद्र बनें। उन्होंने दुग्ध उत्पादकता बढ़ाने को विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करने के निर्देश दिए। इसके लिए बेहतर नस्ल, गुणवत्तापूर्ण चारा, संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और आधुनिक पशुपालन पद्धतियों को बढ़ावा देने पर बल दिया गया।

बैठक में मछुआ कल्याण एवं मत्स्य पालन विभाग की गतिविधियों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जलाशयों, तालाबों और अन्य जल स्रोतों का अधिकतम उपयोग कर मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं। मत्स्य पालन को ग्रामीण रोजगार और आय का महत्वपूर्ण साधन बनाते हुए उत्पादकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। श्री वर्णवाल ने मत्स्य पालन में केज कल्चर (केज पद्धति) को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जलाशयों में वैज्ञानिक पद्धति से केज स्थापित कर कम क्षेत्र में अधिक मत्स्य उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। इससे मछुआरों की आय में वृद्धि होगी और प्रदेश के मत्स्य उत्पादन को नई गति मिलेगी। बैठक में पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन से संबंधित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध, परिणाममूलक और जनहितकारी कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री वर्णवाल ने कहा कि इन क्षेत्रों के विकास से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और किसानों तथा पशुपालकों की आय बढ़ाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

कृषक कल्याण वर्ष अंतर्गत आजीविका मिशन का दल शैक्षणिक भ्रमण हेतु गुजरात रवाना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आजीविका मिशन का दल शैक्षणिक भ्रमण हेतु गुजरात रवाना हुआ। क्षेत्रीय आलू क्लस्टर के विकास अंतर्गत 3 जिलों का 24 सदस्यीय दल गुजरात के बनासकांठा जिले में आलू पर आधारित गतिविधियों को देखने एवं सीखने के उद्देश्य से गए हैं। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा क्षेत्रीय आलू क्लस्टर का विकास तीन जिले इंदौर, देवास एवं उज्जैन को मिलाकर किया जा रहा है। दल में महिला स्व सहायता समूह की दीदियां, महिला किसान उत्पादक कंपनी के पदाधिकारी के साथ आजीविका मिशन के अधिकारी शामिल है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन आजीविका मिशन की तकनीकी सहयोग संस्था, एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से किया जा रहा है। इस भ्रमण का उद्देश्य आलू आधारित वैल्यू चेन गतिविधियों को समझना, आलू उत्पादन से लेकर विपणन एवं प्रसंस्करण तक की विभिन्न प्रक्रियाओं का अध्ययन करना तथा किसानों और उत्पादक संगठनों के लिए बेहतर आजीविका के अवसरों की जानकारी प्राप्त करना है।

ट्रेजर टाउन बना जल संरक्षण की मिसाल, महापौर ने सराहा वर्षा जल संवर्धन मॉडल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत इंदौर शहर में जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के प्रयास लगातार जारी हैं। इसी कड़ी में झोन क्रमांक-13 अंतर्गत स्थित ट्रेजर टाउन कॉलोनी वर्षा जल संरक्षण और भू-जल संवर्धन के क्षेत्र में एक आदर्श मॉडल बनकर उभरी है। सोमवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कॉलोनी का निरीक्षण कर यहां विकसित किए गए जल संरक्षण मॉडल का अवलोकन किया और रहवासियों के प्रयासों की सराहना की। प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा जल संरक्षण के लिए की गई जनभागीदारी की अपील को मूर्त रूप देते हुए नगर निगम इंदौर द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान में सामाजिक संगठन, रहवासी संघ, शैक्षणिक संस्थान, औद्योगिक प्रतिष्ठान तथा कॉर्पोरेट क्षेत्र भी सक्रिय रूप से भागीदारी निभा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने महापौर को बताया कि ट्रेजर टाउन के रहवासी और प्रबंधन वर्षा जल के संरक्षण के लिए प्रत्येक भवन से निकलने वाले वर्षा जल के आउटलेट को रिचार्ज पिट से जोड़ रहे हैं। इस व्यवस्था के माध्यम से वर्षा जल का अधिकतम भू-जल पुनर्भरण सुनिश्चित किया जा रहा है। कॉलोनी में अब तक चार रिचार्ज पिट का निर्माण पूरा हो चुका है और पूरी सोसाइटी में ऐसा मॉडल विकसित किया जा रहा है जिससे वर्षा की एक-एक बूंद का संरक्षण हो तथा पानी कॉलोनी से बाहर न जाए। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि जल संरक्षण केवल शासन और प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। ट्रेजर टाउन के रहवासियों द्वारा विकसित यह मॉडल शहर की अन्य कॉलोनियों, संस्थानों और आवासीय परिसरों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता से किए गए ऐसे प्रयास भविष्य में जल संकट की चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नगर निगम द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत शहरभर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग, रिचार्ज पिट निर्माण, भू-जल संवर्धन तथा जल संरक्षण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को गति दी जा रही है। निगम का उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित करना और नागरिकों में जल बचाने के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। ट्रेजर टाउन में विकसित यह मॉडल जल संरक्षण के क्षेत्र में सामूहिक सहभागिता और जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया है, जो शहर के अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन सकता है।

पश्चिम इंदौर की जलापूर्ति होगी और मजबूत, 30 एमएलडी जीएसआर परियोजना का भूमिपूजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के पश्चिमी क्षेत्र में जलापूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने की दिशा में सोमवार को एक महत्वपूर्ण परियोजना की शुरुआत हुई। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने 30 एमएलडी क्षमता वाले ग्राउंड सर्विस रिजर्वायर (जीएसआर) निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर जल कार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा 'बबलू', जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर ने कहा कि नगर निगम का लक्ष्य शहर के प्रत्येक नागरिक को नियमित, पर्याप्त एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना है। बढ़ती आबादी और नए विकसित हो रहे क्षेत्रों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जल अधोसंरचना को लगातार मजबूत किया जा रहा है। जल कार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा 'बबलू' ने बताया कि पश्चिम इंदौर क्षेत्र में जल मांग में लगातार वृद्धि हो रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए 30 एमएलडी क्षमता के जीएसआर का निर्माण किया जा रहा है। परियोजना पूर्ण होने के बाद रेती मंडी, रंगवासा, प्रगति नगर, ग्रेटर वैशाली, स्कीम-71, केट रोड, बीएसएफ क्षेत्र, चंदन नगर सहित आसपास के अनेक क्षेत्रों के लाखों नागरिकों को बेहतर और नियमित जलापूर्ति का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि नगर निगम आगामी 20 से 25 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जल वितरण प्रणाली का विस्तार और आधुनिकीकरण कर रहा है। इस परियोजना से न केवल वर्तमान जलापूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि भविष्य में बढ़ने वाली मांग को भी प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सकेगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य एवं जल कार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा 'बबलू', भाजपा नगर उपाध्यक्ष भारत पारख, पार्षद ओ.पी. आर्य, योगेश गेदर, जीतू राठौर, महापौर प्रतिनिधि अंशुमन चौहान सहित बड़ी संख्या में स्थानीय रहवासी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। नगर निगम के अनुसार यह परियोजना पश्चिम इंदौर में दीर्घकालिक और निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लेने निकले आयुक्त, प्रमुख पर्यटन स्थलों का किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी ब्रिक्स सम्मेलन के मद्देनजर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सोमवार सुबह शहर के प्रमुख पर्यटन, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण करने तथा शहर की स्वच्छ और व्यवस्थित छवि प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त प्रखर सिंह, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। आयुक्त ने 56 दुकान, राजवाड़ा, ढक्कन वाला कुआं, ग्रामीण हाट बाजार सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सफाई व्यवस्था, रंग-रोगन, सौंदर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था, उद्यानों की स्थिति, संकेतक बोर्ड, पार्किंग प्रबंधन तथा आगंतुकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सम्मेलन के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था सामने न आए और सभी कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरे किए जाएं। आयुक्त श्री सिंघल ने कहा कि ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान देश-विदेश से आने वाले प्रतिनिधियों के समक्ष इंदौर की स्वच्छता, सांस्कृतिक विरासत और सुव्यवस्थित नगरीय व्यवस्थाओं की उत्कृष्ट छवि प्रस्तुत करना प्राथमिकता है।

मध्यप्रदेश 7.63 लाख से अधिक बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण कर देश के शीर्ष राज्यों में शामिल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश ने एचपीवी टीकाकरण अभियान में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर यह सिद्ध कर दिया है कि जनभागीदारी, स्वास्थ्य अमले की प्रतिबद्धता और प्रभावी नेतृत्व के बल पर बड़े से बड़े जनस्वास्थ्य अभियानों को समय से पहले सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने अभियान से जुड़े चिकित्सकों, नर्सिंग स्टॉफ, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, एएनएम, शिक्षकों, जिला प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सफलता के लिये बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रदेश की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाकर सुरक्षित भविष्य देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 28 फरवरी 2026 को देशव्यापी एचपीवी(ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया था। महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रारंभ किए गए इस विशेष अभियान में मध्यप्रदेश शीर्ष राज्यों में शामिल है। स्वास्थ्य अमले, सहयोगी विभागों की प्रतिबद्धता एवं सतत मॉनिटरिंग के परिणामस्वरूप प्रदेश में 7.63 लाख से अधिक पात्र बालिकाओं का सफलतापूर्वक एचपीवी टीकाकरण किया जा चुका है। यह अभियान मूल रूप से 90 दिनों के लिए निर्धारित था, लेकिन मध्यप्रदेश ने निर्धारित लक्ष्य को मात्र 60 दिनों में ही पूर्ण कर लिया जो प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं की दक्षता और प्रभावी क्रियान्वयन का उत्कृष्ट उदाहरण है।

सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे सामान्य कैंसर है तथा इसके अधिकांश मामलों का प्रमुख कारण एचपीवी संक्रमण होता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार यह ऐसा कैंसर है जिसे प्रभावी टीकाकरण के माध्यम से काफी हद तक रोका जा सकता है।

एचपीवी वैक्सीन बालिकाओं को भविष्य में इस गंभीर बीमारी से सुरक्षा प्रदान करने का सुरक्षित, प्रभावी एवं वैज्ञानिक उपाय है। अभियान की सफलता में स्वास्थ्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता रही। प्रदेश के सभी जिलों में व्यापक जनजागरूकता, सूक्ष्म कार्ययोजना (माइक्रो प्लानिंग) एवं सतत मॉनिटरिंग के माध्यम से यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है।

उद्यानिकी का रकबा बढ़ाने के लिये किसानों को प्रोत्साहित करें : कृषि उत्पादन आयुक्त

अमानक उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक विक्रय करने वालों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करें

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल की अध्यक्षता में इंदौर के एआईसीटीएसएल सभाकक्ष में सोमवार को रबी 2025-26 की समीक्षा एवं खरीफ- 2026 की तैयारी हेतु इंदौर संभाग की संभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि विभाग के सचिव श्री निशांत वरवड़े, प्रमुख सचिव सहकारिता श्री डी.पी. आहूजा, उद्यानिकी विभाग के सचिव श्री जान किंग्स ली, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, इंदौर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, उद्यानिकी संचालक श्री अरविंद दुबे सहित संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, उपायुक्त (राजस्व) श्रीमती सपना लोवंशी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल ने कृषि , उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, सहकारिता एवं अन्य संबंधित संस्थाओं की योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों के संबंध में समीक्षा की। बैठक में सभी जिलों के कलेक्टर्स ने अपने-अपने जिलों में कृषि क्षेत्र में किये जा रहे नवाचारों के बारें में बताया।

बैठक में आयुक्त श्री वर्णवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे योजना बनाकर निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य पूर्ति करें। अधिकारी मैदानी स्तर पर जाकर भौतिक सत्यापन के साथ इसकी मॉनिटरिंग भी करें। राज्य शासन की समस्त योजनाओं का लाभ हितग्राही किसानों को मिले और कोई भी इससे वंचित नहीं रहें। सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। किसानों के द्वारा उत्पादित फसल का भुगतान समय सीमा में सुनिश्चित किया जाये।

बैठक में आयुक्त श्री वर्णवाल ने कहा कि अधिकारी किसानों से आग्रह करें कि उद्यानिकी में अपार संभावनाएं हैं, अतः किसानों के बीच जाकर उद्यानिकी का रकबा अधिक बढ़ाने के लिये उन्हें प्रोत्साहित करें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार कम मूल्य की फसलों के बजाय अधिक मूल्य वाली फसलों का उत्पादन अधिक करें। कृषि उत्पादन में वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकों का प्रयोग करें और नवाचार को अधिक से अधिक बढ़ावा दें। अधिकारी किसानों को फसल उत्पादन के लिए समय पर बीज, उर्वरक आदि उपलब्ध करायें। खेतों में बीटी कॉटन के साथ अन्य कपास की प्रजातियों का भी उत्पादन करें, जिससे कीटों की समस्या कम होगी। सोयाबीन फसल के विकल्प के रूप में अरहर पूसा-16 को लगाकर उत्पादन बढ़ाया जायें। फसल उत्पादन के लिए किसान डीएपी उर्वरक के विकल्प के रूप में जैविक खाद का इस्तेमाल करें। किसानों को बेहतर उत्पादन के लिए मिट्टी परीक्षण करने के लिए प्रेरित करें। बेहतर मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला बनायें। किसानों की सुविधा के लिए सभी जिलों में खाद वितरण केन्द्र बनायें जायें। किसानों की सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए भण्डारण केन्द्र पर पर्याप्त विश्राम शेड की व्यवस्था की जायें।

उन्होंने कहा कि संभाग में कोई भी किसान नरवाई (फसल अवशेष) नहीं जलायें, इससे पर्यावरण को नुकसान होता है। नरवाई जलाने वाले किसानों के विरूद्ध पंचनामे और अर्थदण्ड की कार्रवाई में तेजी लायें। ई-मण्डी में भुगतान प्राप्त करने वाले किसानों को अधिक समय लग रहा है, उस पर ध्यान दिया जायें। यह प्रयास करें कि किसानों को ई-मण्डी में अपने भुगतान के लिए अधिक समय नहीं लगें।

श्री वर्णवाल ने कहा कि संभाग के सभी कलेक्टर्स, मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत संभाग में अधिक से अधिक पौधारोपण करायें।

बैठक में प्रमुख सचिव सहकारिता श्री डी.पी. आहूजा ने कहा कि किसानों को शून्य प्रतिशत पर ऋण उपलब्ध कराने के कार्य में तेजी लायें। पैक्स सदस्यता अभियान में तेजी लायें और शिविर लगाकर लक्ष्य को पूरा करें। सहकारिता बैंक अधिकारी कृषि ऋण वसूली में तेजी लायें।

बैठक में कृषि विभाग के सचिव श्री निशांत वरवड़े ने कहा कि अधिकारी अमानक उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक विक्रय करने वालों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करें। ऐसे विक्रताओं के खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करायें। उन्होंने आगे कहा कि जो हितग्राही उर्वरक भण्डारों से आवश्यकता से अधिक उर्वरक प्राप्त कर रहा है, अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि उर्वरक का इस्तेमाल खेती के लिए ही किया जा रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लक्ष्य को सुनिश्चित करने के लिये तहसील स्तर पर शिविर आयोजित किये जाये।

बैठक में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि संभाग में प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। किसानों की फार्मल रजिस्ट्री बनाने के कार्य में तेजी लायी जा रही है।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बताया कि इंदौर जिले में नरवाई जलाने की रोकथाम के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान संचालित किया गया। किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन हेतु वैकल्पिक संसाधन एवं व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे उन्हें नरवाई जलाने के बजाय पर्यावरण अनुकूल उपाय अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

ऋषि नगर हत्याकांड का खुलासा, उधारी के पैसों के विवाद में दोस्त ने की थी हत्या

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बाणगंगा थाना क्षेत्र के ऋषि नगर में हुए अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया है कि मृतक और आरोपी के बीच उधारी के पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद था, जिसके चलते आरोपी ने अपने ही दोस्त की गला घोंटकर हत्या कर दी थी।

पुलिस के अनुसार 4 जून 2026 को ऋषि नगर कॉलोनी स्थित एक मकान में 33 वर्षीय रोहित सिंह का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या किए जाने की पुष्टि होने के बाद बाणगंगा थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त अभिषेक रंजन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रामस्नेही मिश्रा तथा सहायक पुलिस आयुक्त रुबीना मिजवानी के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, परिजनों से पूछताछ की तथा तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। जांच के दौरान संदेह मृतक के मित्र देवेन्द्र वर्मा पर गया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की, जिसमें उसने हत्या करना स्वीकार कर लिया।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मिलावट मुक्त खाद्य पदार्थों एवं सुरक्षित खान-पान को बढ़ावा देने का आह्वान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर इंदौर में खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज मध्य प्रदेश (ढ्ढरूक्क) तथा यारी क्वालिटेक प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त सहयोग से होटल जॉर्डन, तुलसी नगर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों एवं खाद्य व्यवसाय से जुड़े लोगों को खाद्य सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित एवं स्वास्थ्यवर्धक खान-पान की आदतों को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा थे। उनका स्वागत एआईएमपी के अध्यक्ष श्री योगेश मेहता, सचिव श्री तरुण व्यास तथा यारी क्वालिटेक की ओर से सुश्री यशी श्रीवास्तव ने किया।

अपने उद्बोधन में मंत्री श्री कुशवाहा ने स्वस्थ एवं संतुलित भोजन के महत्व पर बल देते हुए खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए जनभागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी। मंत्री श्री कुशवाहा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए एआईएमपी एवं यारी क्वालिटेक की सराहना की।

विशेष अतिथि विधायक श्री गोलू शुक्ला ने खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं विक्रय में स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खाद्य सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए इस प्रकार के आयोजन निरंतर होते रहना चाहिए। उन्होंने खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में यारी क्वालिटेक द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी प्रशंसा की।

फोरलेन परियोजना पर नया विवादः 200 साल पुराने माधोपुरी बालाजी मंदिर को लेकर बढ़ा जनआक्रोश

राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की मांग, सर्व हिन्दू समाज बोला- विकास हो, लेकिन आस्था की कीमत पर नहीं

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में निर्माणाधीन सिटी फोरलेन परियोजना अब धार्मिक आस्था और विकास के बीच टकराव का विषय बनती जा रही है। महू रोड स्थित करीब 200 वर्ष पुराने श्री माधोपुरी बालाजी मंदिर को संभावित क्षति की आशंका के बीच सर्व हिन्दू समाज ने मोर्चा खोलते हुए राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा है। समाज ने मंदिर की दिशा में किए जा रहे पुलिया एवं सड़क चौड़ीकरण कार्य को तत्काल रोकने और वैकल्पिक दिशा में निर्माण कराने की मांग की है।

सर्व हिन्दू समाज का कहना है कि भाटखेड़ा फंटे से सुवाखेड़ा फंटे तक चल रहे फोरलेन निर्माण कार्य के दौरान मंदिर परिसर का बड़ा हिस्सा प्रभावित होने की आशंका है। यह मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं बल्कि नीमच की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है, जहां पीढ़ियों से श्रद्धालुओं की आस्था जुड़ी हुई है।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि मंदिर परिसर में श्री माधोपुरी बालाजी के साथ भगवान शिव, माता संतोषी, श्री गणेश और साई बाबा के मंदिर भी स्थित हैं। समाज का दावा है कि यदि वर्तमान प्रस्ताव के अनुसार निर्माण कार्य आगे बढ़ता है तो मंदिर परिसर को गंभीर क्षति पहुंच सकती है।

समाज के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि इस मुद्दे को लेकर पूर्व में विधायक दिलीपसिंह परिहार और जिला प्रशासन को कई बार अवगत कराया गया था। उस दौरान मंदिर को किसी प्रकार की क्षति नहीं होने देने का आश्वासन भी दिया गया था, लेकिन वर्तमान निर्माण गतिविधियों ने श्रद्धालुओं की चिंता बढ़ा दी है।

सर्व हिन्दू समाज ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा है कि विकास कार्यों का स्वागत है, लेकिन धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक धरोहरों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। समाज ने सड़क और पुलिया का विस्तार दूसरी ओर उपलब्ध खाली भूमि की तरफ करने का सुझाव भी दिया है।

अब यह मामला केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि शहर में विकास और विरासत संरक्षण के बीच संतुलन का बड़ा सवाल बनकर उभर रहा है।

रात्रि चौपाल में दिए निर्देशों पर त्वरित अमल- ग्राम शिवपुरिया मंदिर में पेयजल पाइपलाइन का कार्य पूर्ण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम टामोटी में आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा दिए गए निर्देशों के त्वरित पालन में ग्राम शिवपुरिया मंदिर में पेयजल पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। पाइपलाइन का जल परीक्षण कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। जल निगम के महाप्रबंधक श्री धीरेन्द्र बिजोरिया ने बताया, कि ग्राम टामोटी में आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने शिवपुरिया मंदिर क्षेत्र में पेयजल की समस्या से कलेक्टर को अवगत कराया था। कलेक्टर ने संबंधित विभाग को तत्काल पाइपलाइन बिछाकर पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे।

त्वरित कार्रवाई- कलेक्टर के निर्देशों के परिपालन में जल निगम द्वारा त्वरित कार्य करते हुए शिवपुरिया मंदिर तक पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। पाईपलाइन का प्रेशर टेस्ट व जल गुणवत्ता परीक्षण प्रारंभ कर दिया गया है। परीक्षण सफल होते ही क्षेत्र के रहवासियों को नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल मिलने लगेगा। रात्रि चौपाल के माध्यम से जमीनी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण की प्रशासन की पहल से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल, सड़क, विद्युत जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता से उपलब्ध कराने का कार्य निरंतर जारी है।

अ.जा.आयोग के सदस्य श्री मालवीय 11 जून को नीमच आएंगे

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र.राज्य अनुसूचित आयोग के सदस्य श्री रामलाल मालवीय, 11 जून को उज्जैन से प्रस्थान कर शाम 6 बजे नीमच सर्किट हाउस पहुचेंगे और रात्रि विश्राम नीमच में करेंगे। आयोग के सदस्य श्री मालवीय 12 जून को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, कार्यो की प्रगति की समीक्षा बैठक लेंगे। तदपश्चात दोपहर एक बजे सर्किट हाउस पर जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों से भेट एवं चर्चा, दोपहर 2 बजे नीमच में कार्यो का निरीक्षण करने के बाद नीमच से उज्जैन होते हुए भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

मानखेड़ा पुलिस चौकी ने कार से बरामद किया सौ किलो डोडाचूरा, दो गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम जिले के रिंगनोद थाना अंतर्गत माननखेड़ा पुलिस चौकी पुलिस ने एक कार से एक क्विंटल डोडा चूरा बरामद कर दो आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 7 जून की शाम पुलिस को मुखबीर सूचना प्राप्त हुई कि एक सफेद रंग की वेगनआर कार से दो व्यक्ति मंदसौर तरफ से माननखेड़ा होते हुए जावरा की ओर कार के अंदर डोडा चूरा भरकर जाने वाले हैं। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक आनन्दसिंह आजाद के संज्ञान में लाकर माननखेड़ा पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक राजेश मालवीय ने अपनी टीम के साथ चौकी के सामने फोरलेन पर घेराबंदी की गई। इस तरह सूचनार्थ कार को रोककर तलाशी ली गई। मौके से दो आरोपी सुनील पिता मोहनलाल मालवीय निवासी गोपालगंज प्रतापगढ़ राज, एवं इलियास खान उर्फ गुड्डू पिता इसरान खान पठान निवासी नौगांवा थाना अरनोद जिला प्रतापगढ़ के कब्जे से 100 किलो डोडा चूरा बरामद किया गया। दोनों से बरामद डोडाचूरा के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

संध्याकालीन शिविरों में आज प्राप्त हुई 11 शिकायतें , 8 का हुआ त्वरित निराकरण

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के निर्देशानुसार 26 मई से जिले की 08 नगर पालिका/परिषदों में लगातार वार्ड वार संध्याकालीन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना से बदली नलखेड़ा के किसान की तकदीर

चुकन्दर उगाकर हरिशंकर राठौर ने कमाया 1.45 लाख का शुद्ध लाभ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। परंपरागत खेती से हटकर नया करने का साहस किया तो मुनाफा भी कई गुना बढ़ गया। यह कहना है मनासा विकासखंड के ग्राम नलखेड़ा के प्रगतिशील कृषक हरिशंकर राठौर का। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के घटक Promotion of New E&otic Crops of Vegetables के तहत चुकन्दर की खेती अपनाकर हरिशंकर ने अपनी आय में चार गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की है।

पहले थी सीमित आय, अब मिला नया विकल्प- हरिशंकर बताते हैं कि लाभान्वित होने से पूर्व वे 0.950 हेक्टेयर भूमि पर मूंग की खेती करते थे। 30 हजार रुपये की लागत से 8 क्विंटल उपज होती थी, जिससे 64,000 रुपये की कुल आय और शुद्ध लाभ मात्र 34,000 रुपये प्राप्त होता था। सीमित आय से परिवार चलाना मुश्किल था।

22,800 के अनुदान से शुरू की एक्सोटिक सब्जी की खेती- कृषि विभाग के अधिकारियों के मार्गदर्शन में हरिशंकर ने RKVY योजना के तहत 22,800 रुपये का अनुदान प्राप्त कर चुकन्दर जैसी एक्सोटिक सब्जी की खेती का निर्णय लिया। विभाग द्वारा उन्हें उन्नत बीज, वैज्ञानिक विधि, ड्रिप सिंचाई एवं फसल प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया।

उत्पादन और आय में जबरदस्त बढ़ोतरी- परिणाम उत्साहजनक रहे। 0.950 हेक्टेयर में 285 क्विंटल चुकन्दर का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ। 95,000 रुपये की लागत के बाद भी कुल आय 2,40,000 रुपये प्राप्त हुई। इस प्रकार शुद्ध लाभ बढ़कर 1,45,000 रुपये हो गया, जो मूंग की खेती से होने वाले लाभ का चार गुना से अधिक है।

किसान की जुबानी- हरिशंकर कहते हैं, कृषि विभाग की सलाह पर मैंने जोखिम लेकर चुकन्दर लगाया। बाजार में इसकी मांग और भाव दोनों अच्छे मिले। RKVY योजना के अनुदान और तकनीकी मदद से मेरी खेती का तरीका ही बदल गया। अब मैं अन्य किसानों को भी नई फसलें लगाने के लिए प्रेरित कर रहा हूं।

अन्य किसानों के लिए मिसाल- जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना का उद्देश्य किसानों को परंपरागत फसलों से हटकर उच्च मूल्य वाली एक्सोटिक सब्जियों की खेती के लिए प्रोत्साहित करना है। इससे न केवल किसानों की आय बढ़ती है, बल्कि उपभोक्ताओं को भी पौष्टिक सब्जियां उपलब्ध होती हैं। हरिशंकर राठौर की यह सफलता मनासा क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बन गई है। ऋ्यड्ढङ्घ योजना वास्तव में नवाचार से समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर रही है और जिले के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है।

राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता नियंत्रण कार्यक्रमः जीरन में नेत्र शिविर संपन्न, 78 मरीज लाभान्वित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जीरन में सोमवार को निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 78 मरीजों की नेत्र जांच, उपचार एवं उचित मार्गदर्शन का लाभ प्रदान किया गया।

विशेषज्ञों द्वारा जांच- शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. संगीता भारती एवं नेत्र चिकित्सा सहायक श्री गौरीशंकर राजावत ने मरीजों की जांच कर, आवश्यक परामर्श दिया। शिविर में मोतियाबिंद के 21, नखुना के 8, दूर की नजर की जांच (दृष्टिदोष)10, एलर्जिक इन्फेक्शन के 17, पास की नजर की जांच 15, पर्दे की जांच 4, ग्लूकोमा (काला पानी) एक, नासूर 2, कुल 78 मरीजों की जांच की गई। चिन्हित मोतियाबिंद के मरीजों को जिला चिकित्सालय में निःशुल्क ऑपरेशन हेतु पंजीकृत किया गया है। साथ ही दृष्टिदोष वाले मरीजों को आवश्यकतानुसार चश्मे व दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद ने बताया, कि जिले में मोतियाबिंद बैकलॉग को शून्य करने के लिए विकासखंड स्तर पर नियमित नेत्र शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि कोई भी व्यक्ति अंधत्व का शिकार न हो।

लोकसेवा गारंटी में समय-सीमा में सेवा प्रदाय नहीं करने पर कई तहसीलदार जुर्माने से दण्डित

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोक सेवा प्रबंधक वैभव बैरागी द्वारा बताया गया कि कलेक्टर जिला मन्दसौर द्वारा जिले में लोकसेवा गारंटी अधिनियम 2010 के तहत सीमांकन, बंटवारा एवं नामांतरण के आवेदनों का शासन द्वारा निर्धारित समय-सीमा में निराकरण नहीं करने पर श्री मोहित सीनम तहसीलदार सीतामऊ, श्री विनोद कुमार शर्मा नायब तहसीलदार भानपुरा एवं श्री भीमसिंह खराड़ी नायब तहसीलदार शामगढ के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर राशि 5-5 हजार का जुर्माना अरोपित कर दण्डित किया। साथ ही श्री पंकज गंगवाल नायब तहसीलदार सीतामऊ व श्री पंकज जाट नायब तहसीलदार मल्हारगढ़ को भविष्य हेतु चेतावनी पत्र प्रेषित कर समस्त तहसीलदारों को लोकसेवा गारंटी के आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये गये।

आरोह 2026 समर कैंप का हुआ समापन बच्चों ने सीखी खेलों की बारीकियां, ली नशा मुक्ति की शपथ

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग भोपाल के आदेशानुसार तथा जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्रीमती रुचि शर्मा के निर्देशन में आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह 2026 का शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कराडिया में भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा विभाग एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

रामपुरा में एडीएम श्री कलेश की उपस्थिति में बाढ़ राहत एवं आपदा प्रबंधन मॉकड्रिल सम्पन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में सोमवार को रामपुरा में गांधी सागर जलाशय के किनारे एसडीआरएफ की टीम नीमच द्वारा बाढ़ राहत एवं आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल की गई। इस मौके पर जिला होमगार्ड नीमच द्वारा बाढ़ एवं आपदा की स्थिति में उपयोग में आने वाली बाढ़ राहत सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई और ग्रामीणों को घरेलू सामग्री से बाढ़ एवं एवं आपदा से बचाव के लिए उपकरण तैयार करने के बारे में बताया।

अपर कलेक्टर श्री बी.एस.कलेश ने उपस्थितजनों को आपदा प्रबंधन पुस्तिका का वितरण किया और एसडीएम तथा अन्य अधिकारियों के साथ आपदा प्रबंधन सामग्री की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। होमगार्ड, कमाण्डेंट श्री युवराज सिह एवं श्रीमती पुष्पा पंवार ने आपदा प्रबंधन सामग्री और उनका बाढ़ के समय उपयोग करने की प्रक्रिया बताई।

इस प्रदर्शनी में एसडीआरएफ की टीम व्दारा घरेलु उपयोग की सामग्री, मटके, पानी की केन, टीन के डिब्बे और प्लास्टिक की पानी की बोतलों से तैयार की अतिवृष्टि एवं बाढ से बचाव की सामग्री के बारे में भी विस्तार से अवगत कराया।

इस मौके पर एसडीआरएफ की टीम व्दारा जलाशय में नाव डूबने और नाव पर सवार लोगो के बचाव राहत एवं प्राथमिक उपचार का डेमो भी प्रदर्शित किया।

इस मौके पर एसडीम सुश्री किरण आंजना, तहसीलदार श्री मुकेश निगम, श्री मृगेन्द्र सिसोदिया, जनपद सीईओ श्री आरिफ खान एवं अन्य अधिकारी नगरीय निकायों के अधिकारी-कर्मचारी डूब क्षेत्र के गांवों के कोटवार एवं सरपंच एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

पुलिस पेंशनर्स संघ ने किया नशा मुक्ति जागरूकता शिविर का आयोजन, पेंपलेट बांटे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस पेंशनर संघ के संस्थापक एवं प्रांतीय अध्यक्ष एमपी सिंह परिहार पूर्व इंस्पेक्टर मंदसौर ने बताया कि 8 जून को गांधी चौराहा पर नशा मुक्ति जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर के सामाजिक संगठन दशपुर जागृति संगठन, ब्रह्म परिषद, राजपूत सिंह सभा व अन्य संगठनों ने सहभागिता की। उपरोक्त संगठन के पदाधिकारी के द्वारा अपने उद्बोधन में देश में व्याप्त सामाजिक बुराई नशे के आदि हो रहे युवा पीढ़ी के युवाओं को और आम समाजजन जो नशे की लत से ग्रसित हैं, को नशे से होने वाले दुष्परिणाम के बारे में सचेत किया गया। पुलिस पेंशनर संघ मध्य प्रदेश की प्रांतीय अध्यक्ष एमपी सिंह परिहार के द्वारा गीत के माध्यम से लोगों को नशे के प्रति सचेत और उससे होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बताया। कार्यक्रम में उपस्थित जनों के द्वारा अपने उद्बोधन के माध्यम से एवं स्लोगन लिखी हुई पत्रिकाओं के माध्यम से और पंपलेट के माध्यम से लोगों को नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। आने जाने वाले लोगों को करीब 500 पंपलेट वितरित किए गए।

उल्लेखनीय है कि पुलिस पेंशनर्स संघ मध्य प्रदेश पूर्व में भी कई शिविर इस प्रकार के आयोजित कर चुका है और नगर में नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से भी लोगों को नशा छुड़ाने के प्रयास कर रहा है। कार्यक्रम में दशपुर जागृति संगठन के संयोजक सत्येंद्रसिंह सोम, वरिष्ठ समाजसेवी राजाराम तंवर, तमाम संस्थाओं में पदाधिकारी अजीजुल्ला खान, प्रसिद्ध समाजसेवी रविंद्र पांडे, योग गुरु बंसीलाल टांक, वरिष्ठ पत्रकार घनश्याम बटवाल, ब्रह्म परिषद व दशपुर जागृति संगठन के उपाध्यक्ष पूर्व सीएमओ हरिशंकर शर्मा, हिम्मत डांगी, सीए विकास भंडारी, राजेंद्र चास्टा, राजपूत सिंह सभा के पदाधिकारी विजेंद्र सिंह चौहान, पुलिस पेंशनर संघ मंदसौर जिलाध्यक्ष ब्रजेश दुबे, प्रांतीय सचिव रामरतन दुबे, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य रायसिंह यादव, जिला मंदसौर कोषाध्यक्ष नाहरसिंह सिंसोदिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवशंकरसिंह तोमर, नरेंद्र व्यास, भारतसिंह सिसोदिया, सदानंद पांडे, बालूराम राठौर, लाइक खान, इकबाल बाग, राधेश्याम परमार, रघुनाथ सिंह चौहान, सूफी संत शरीफ हुसैन, विनोद ब्रिजवानी आदि सदस्य एकत्रित हुए। अंत में सभी उपस्थित सदस्यों के द्वारा नशे के विरुद्ध एक अभियान चलाने का संकल्प लेकर शपथ ली गई।

शामगढ़ पुलिस के हत्थे चढ़े हरियाणा व पंजाब के दो आरोपी, 60 किलो डोडाचूरा जब्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शामगढ़ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय एवं उनकी टीम ने हरियाणा व पंजाब निवासी दो आरोपियों के कब्जे से 60 किलो डोडा चूरा बरामद किया है। दोनों आरोपी स्विफ्ट कार से डोडाचूरा परिवहन कर रहे थे, तब मुखबीर सूचना पर धरपकड़ की गई।

घटना के अनुसार नशे के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत एसपी विनोद मीना एवं एसडीओपी सीतामऊ दिनेश प्रजापति के नेतृत्व में सोमवार को कार्रवाई की गई। मुखबीर ने शामगढ़ थाने पर पदस्थ एएसआई शारदाप्रसाद तिवारी को सूचना दी। बताया कि पंजाब पासिंग सफेद रंग की कार से दो व्यक्ति अवैध डोडाचूरा ले जा रहे हैं। इस पर टीम गठित कर सांकरियाखेड़ी के पास 8 - लेन अंडरब्रिज के पास पहुंचकर चेकिंग की गई। इस दौरान स्विफ्ट डिजायर कार में सवार आरोपी कुलविन्दर सिंह पिता अनोख सिंह 45 वर्ष जाति जट्ट सिक्ख निवासी काकड़ा थाना समान मंडी जिला पटियाला पंजाब एवं जोगासिंह पिता टहल सिंह 56 वर्ष जाति जट्ट सिक्ख निवासी मलिकपुर थाना गुल्ला जिला कैथल हरियाणा को गिरफ्तार किया गया तथा इनके कब्जे से 60 किलो डोडाचूरा बरामद किया गया। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। आरोपियों से डोडा चूरा के स्त्रोतों के संबंध में पूछताछ कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में आरक्षक प्रेम कुमार, धर्मेश बैरागी, विशाल सिंह, हीरालाल, मोकमसिंह शामिल रहे।

कोतवाली की गश्ती कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, कई दुकानों के ताले टूटे, दो दुकान में चोरी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में पुराने बस स्टैंड स्थित नाकोडा कॉम्पलेक्स एक प्रमुख व्यावसायिक स्थल है। यहां बिती रात्रि में बदमाशों की टीम ने करीब सात से आठ दुकानों के ताले चटका दिए हैं। चोरी की नियत से घुसे बदमाशों को दो मोबाईल दुकानों पर चोरी करने में कामयाबी मिली है। एक साथ इतनी दुकानों के ताले तोड़ने और दो दुकानों में चोरी की घटना से कोतवाली की रात्रि गश्त में होने वाली कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। दुकानदारों में भी नाराजगी देखी गई है। दुकानदारों का भी तर्क रहा है कि गश्त ठीक से होती तो चोरों द्वारा यह वारदात करने से पहले कई बार सोचा जाता, लेकिन बराबर पहले रैकी की और बाद में कॉम्पलेक्स के अंदर जाकर कई दुकानों को निशाना बनाया है। उधर, सीसीटीवी में एक बदमाश दिखाई दिया है, जो चोरी करते पाया गया है। हालांकि, आधा दर्जन से ज्यादा दुकानों के ताले चटकाए जाने की घटना में यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि चोर मंडली में कई बदमाश शामिल हैं। सूचना पर कोतवाली पुलिस टीम ने भी मौके पर जाकर छानबीन की है, बाद में शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। मामले में व्यापारियों के एक दल ने भी कोतवाली पर जाकर अपना पक्ष रखा था। नेहरू बस स्टैंड पर नाकोड़ा कॉम्पलेक्स स्थित है। पुराने बस स्टैंड पर यह व्यावसायिक कॉम्पलेक्स होने से यहां सुरक्षा व्यवस्था माकुल रहने की उम्मीद व्यापारियों को रहती है। बिती रात्रि करीब 1.15 बजे के आसपास चोरी की घटना कैद हुई है। दुकान से 10-12 पुराने रिपयेरिंग वाले मोबाईल, 2700 नकद रुपए तथा स्मार्ट वॉच एवं मोबाईल फोल्डर करीब 15 आदि चोरी हुए हैं। फरियादी पुनीत गुप्ता ने कोतवाली में चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। कोतवाली पुलिस के अनुसार पुनीत गुप्ता की रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। सीसीटीवी केमरे की फूटेज के आधार पर छानबीन शुरू की है।

राष्ट्रीय कार्यकारणी नई दिल्ली की बैठक में शांतिलाल सोनी का हुआ सम्मान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वर्णकार वेलफेयर एसोसिएशन की राष्ट्रीय बैठक नई दिल्ली में दो दिवसीय 6 और 7 जून को सम्पन्न हुई, जिसमे 500 युवाओ को रोजगार देने पर राष्ट्रीय रोजगार प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और स्वर्णकार वेलफेयर एसोसिएशन मध्यप्रदेश के अध्यक्ष शांतिलाल सोनी सम्मान किया गया। सभी उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा महाराजा अजमीढ़ जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन और पुष्प अर्पित कर बैठक ओर सम्मान समारोह शुभारंभ किया गया। स्वागत एवं लेखा-जोखा- संस्थापक निदेशक एवं राष्ट्रीय चेयरमैन संजीव सोनी कुन्द्रा ने सभी पदाधिकारियों का स्वागत किया और एसोसिएशन का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। संगठन की गतिविधियाँ- राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश वर्मा ने एसोसिएशन की गतिविधियों पर चर्चा की। उन्होंने जल्द ही सभी राज्यों के प्रदेशाध्यक्षों से संपर्क कर सामूहिक कार्यक्रम करने को कहा। राष्ट्रीय रोजगार प्रकोष्ठ अध्यक्ष एवं प्रदेशाध्यक्ष मध्य प्रदेश शांतिलाल सोनी के द्वारा समाजजनो को विभिन्न प्रशिक्षण नियमित रूप से दिए जा रहे हैं। अब तक 500 स्वर्णकार बंधुओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। भविष्य में नक्काशी व बंगाली पालिश का कार्य भी सिखाया जाएगा। संस्थान ने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया है। सामाजिक सुधार- राष्ट्रीय महिला सचिव डॉ. ऊषा सोनी ने समाज में फैली दहेज प्रथा एवं मृत्यु भोज जैसी कुरीतियों को हटाने पर बल दिया। सी.पी. एल. सोनी (प्रदेशाध्यक्ष नई दिल्ली), सी.ए. मोहन सोनी, जगन्नाथ सोनी, विजेश राजपूत, कुलवंत वर्मा, रूप कुमार वर्मा आदि ने भी अपने विचार साझा किए। आभार राष्ट्रीय महामंत्री कुलदीप सोनी ने माना। उन्होंने बताया कि इस बैठक के साथ 6 दिवसीय स्वर्णकार प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ है। संगठन विस्तार के लिए जल्द ही प्रत्येक जिला एवं तहसील स्तर पर कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। बैठक में प्रमुख रूप से स्वर्णकार वेलफेयर एसोसिएशन नई दिल्ली राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश कुकरा, राष्ट्रीय महासचिव कुलदीप सोनी, संस्थापक संजय कुकरा, राष्ट्रीय महिला मंत्री डॉ ऊषा सोनी सहित राष्ट्रीय कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारी की मौजूदगी में कार्यक्रम सफल हुआ।

सम्पादकीय

लोकतंत्र वैचारिक स्वतंत्रता का वास्तविक स्वरूप

लोकतंत्र केवल शासन प्रणाली नहीं, बल्कि नागरिकों और समाज की स्वतंत्र अभिव्यक्ति का जीवंत मंच है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सेना या अर्थव्यवस्था से पहले उसके विचारों की स्वतंत्रता और सामाजिक चेतना में निहित होती है। जब नागरिक बिना भय के सोच सकते हैं, बोल सकते हैं और अपने विचार साझा कर सकते हैं, तभी एक सशक्त, प्रगतिशील और जीवंत लोकतंत्र का निर्माण होता है। हर देश में ऐसे चिंतनशील व्यक्तियों और समूहों का होना आवश्यक है, जो राष्ट्रहित, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकास के सिद्धांतों को नई ऊर्जा प्रदान करें। संस्कृति, संस्कार और वैचारिक परिपक्वता के बिना कोई भी राष्ट्र वैश्विक मंच पर स्थायी प्रगति नहीं कर सकता। विचार केवल शब्द नहीं होते, वे समाज की दिशा और दशा तय करने वाली शक्तियाँ होते हैं।

व्यक्तिगत वैचारिक अभिव्यक्ति भारत जैसे गणतांत्रिक देश की मूल आत्मा है। विचार और सिद्धांत मनुष्य की अंतःप्रज्ञा का प्रतिबिंब होते हैं। यदि इन विचारों के प्रवाह को रोका जाए, तो यह केवल अभिव्यक्ति का दमन नहीं, बल्कि व्यक्ति की अंतरात्मा को आहत करना होता है। इतिहास साक्षी है कि जब भी विचारों को दबाने का प्रयास हुआ, उन्होंने और अधिक तीव्र होकर समाज में परिवर्तन की लहर पैदा की।

प्राचीन यूनान के महान दार्शनिक सुकरात इसका सजीव उदाहरण हैं। साधारण रूप-रंग के बावजूद उनके विचारों में अद्भुत मौलिकता और जनजागरण की शक्ति थी। राजसत्ता ने उनके विचारों को खतरा मानकर उन्हें मृत्युदंड दे दिया, परंतु विष का प्याला पीने के बाद भी उनके विचार अमर हो गए। आज भी उनकी शिक्षाएं मानवता को दिशा प्रदान करती हैं।

इसी प्रकार अब्राहम लिंकन ने दास प्रथा के विरुद्ध जो विचार प्रस्तुत किए, वे उस समय अत्यंत क्रांतिकारी थे। उन्होंने कहा कि दास भी मनुष्य हैं और उन्हें समान अधिकार मिलना चाहिए। उनके इन विचारों ने समाज की अंतरात्मा को झकझोर दिया। यद्यपि उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी, पर उनके विचारों ने दास प्रथा के अंत की नींव रखी और मानवाधिकारों की नई परिभाषा गढ़ी।

स्वामी विवेकानंद के शब्द हम जो सोचते हैं, वही बन जाते हैं आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उनके अनुसार विचार ही मनुष्य का निर्माण करते हैं, वही उसे महान या दुष्ट बनाते हैं। व्यक्ति का अस्तित्व उसके विचारों से ही परिभाषित होता है। भौतिक शरीर भले ही नष्ट हो जाए, पर विचारों की शक्ति और प्रभाव कालातीत होते हैं।

आज के डिजिटल युग में यह विषय और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। सोशल मीडिया, सूचना प्रौद्योगिकी और वैश्विक संवाद के माध्यमों ने विचारों के प्रसार को तीव्र और व्यापक बना दिया है। एक व्यक्ति का विचार अब कुछ ही क्षणों में लाखों लोगों तक पहुँच सकता है। यही कारण है कि विचार अब केवल व्यक्तिगत नहीं रहते, वे जनांदोलन का रूप धारण कर सकते हैं।.इतिहास में फ्रांसीसी क्रांति इसका सशक्त उदाहरण है, जहाँ जनमानस में जागृत विचारों ने राजसत्ता की जड़ों को हिला दिया। इसी प्रकार भारत का स्वतंत्रता संग्राम भी विचारों और सिद्धांतों की शक्ति का परिणाम था, जहाँ लाखों लोगों ने एक साझा विचारधारा के तहत संघर्ष किया।

हालाँकि, विश्व के कुछ देशों में आज भी विचारों की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाए जाते हैं। अभिव्यक्ति के माध्यमों को नियंत्रित कर वैचारिक प्रवाह को सीमित करने का प्रयास किया जाता है। यह न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है, बल्कि मानवाधिकारों का भी उल्लंघन है। विचारों को कैद नहीं किया जा सकता वे स्वभावतः स्वतंत्र, गतिशील और अजेय होते हैं।

यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को दबाया जा सकता है, पर विचारों को नहीं। विचार एक से दूसरे व्यक्ति तक पहुँचते हुए और अधिक सशक्त होते जाते हैं। जब एक विचार जनमानस में उतर जाता है, तो वह अकेले व्यक्ति का नहीं रह जाता, बल्कि सामूहिक चेतना का हिस्सा बन जाता है। यही वह क्षण होता है, जब परिवर्तन की शुरुआत होती है और युग निर्माण का मार्ग प्रशस्त होता है।

सहजयोग केन्द्र : आध्यात्मिक ज्ञान की निशुल्क कार्यशाला

हमारे जीवन में नियमित ध्यान धारणा की क्या जरूरत है, इसपर जरा सा विचार करें तो हमें स्वयं ही जवाब मिलेगा ईश्वर प्राप्ति के लिए या जीवन में शांति प्रस्थापित हो इसीलिए...सच है। आज आध्यात्मिक ज्ञान की बहुत ज्यादा आवश्यकता है साथ ही, यह भी सच है कि परमात्मा को जानने के जिज्ञासु बहुत कम हैं। धर्मस्थलों में दर्शनार्थ जाने वाले भक्तगणों की तादाद लगातार बढ़ रही है। परंतु अंतर्मन से ईश्वर के दर्शन के आकांक्षी अपेक्षाकृत बहुत कम है। वास्तव में, जो ईश्वर को अपने अंदर महसूस करना चाहते हैं वे साहसी हैं क्योंकि वे अपने अहंकार और क्रोध को परे रखकर ही यह आकांक्षा करते हैं। साथ ही सद्गुणों को अपने चरित्र का हिस्सा बनाने में भयभीत भी नहीं होते हैं। आज लोग यही समझते और मानते हैं कि सद्गुणों वाला व्यक्ति इस समाज में अथाह तकलीफ भोगता है। परंतु ईश्वर के साम्राज्य में प्रवेश करने के बाद भय नष्ट हो जाता है, यह हम अनुभव द्वारा ही जान सकते हैं।

सहज योग ध्यान एक ऐसी विधा है जिसके माध्यम से हम बहुत सहजता से ईश्वर से एकाकारिता प्रस्थापित कर लेते हैं। भारत में ही नहीं विदेशों में भी लोगों ने ध्यान योग्य के महत्व को समझा है। ईश्वर के अस्तित्व और शक्ति को वे स्वीकार करते हैं। यहाँ तक कि वैज्ञानिक भी यह मानते हैं कि एक अदृश्य शक्ति है जिससे यह ब्रम्हांड चलायमान? है। वो यह समझते हैं कि कभी कभी जहां मानव के सारे प्रयास अर्थहीन हो जाते हैं, वहाँ ईश्वरीय चैतन्य से उस काम को पूर्ण किया जा सकता है। भले ही उन्हें इस चैतन्य की अनुभूति? ना हुई हो लेकिन फिर भी अपनी सफलता का श्रेय उस अज्ञात शक्ति देने में वे नहीं हिचकिचाते हैं।

कई बार अपनी सफलता पर हम स्वयं हतप्रभ रह जाते हैं कि यह कैसे हुआ जिसके लिए सोचा भी नहीं था, और यही उस शक्ति का अस्तित्व है।

सहज योग ध्यान से हमें इस सत्यता का प्रमाण मिलता है। इस शक्ति को सहज योगी अपने ध्यान धारणा के दौरान अनुभव करते हैं। सहज योग सेंटर्स में प्रवेश करते ही हमें आध्यात्मिक युग में प्रवेश करने का बोध? हमें होने लगता है। सहज योग सेंटर्स एक ही नियम से चलते हैं। पूरे संसार में सहज योग के जितने भी सेंटर्स हैं, हर जगह ध्यान करने की विधि एक ही है।

हमारे अंदर स्थित सुक्ष्म शरीर की तीनों नाडियों को संतुलित करने का ज्ञान जो सहज योग के माध्यम से पंच तत्वों को? साक्षी रखकर किया जाता है, वह अद्भुत है। हम भूतकाल की वेदनाओं और भविष्य की चिंताओं को बड़ी सहजता से धरती और आकाश तत्व में विलिन? कर पाते हैं।

सहज योग में प्रवेश हेतु दृढ़ इच्छाशक्ति की योग्यता चाहिए। यहाँ धन की आवश्यकता नहीं, प्रवेश पत्र की आवश्यकता नहीं, बस इच्छाशक्ति के साथ हम इस ज्ञान को प्राप्त करने के अधिकारी हो जाते हैं।

सहज ज्ञान वृहद है। ध्यान सीखना आसान? है। पर सूक्ष्मतम ज्ञान को आत्मसात करने हेतु सहज योग सेंटर्स से जुड़ना जरुरी है। छोटी से छोटी बातें भी गहन है। चक्रों का शरीर के संपूर्ण तंत्र प्रणाली पर नियंत्रण, चक्रों को संतुलित करने की विधि, और किस बीमारी के लिए किस चक्र पर ध्यान इत्यादि को सीखना ही आवश्यक है। सहज योग में पढाई तो नहीं करनी है परंतु सहज ज्ञान को समझना और आत्मसात करना है, जो कोई भी कर सकता है जिन्हें शब्द ज्ञान नहीं वो भी इसे समझ सकता है।

मरीज, मशीन और हैकरः स्वास्थ्य व्यवस्था का नया संकट

अस्पतालों की सुरक्षा की पारंपरिक तस्वीर बदल रही है। आज स्वास्थ्य सेवाएँ इंटरनेट, डेटा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित हैं। मरीज की जांच रिपोर्ट से लेकर उपचार रिकॉर्ड तक सब कुछ डिजिटल नेटवर्क से जुड़ा है। चिकित्सा जगत इसे प्रगति का प्रतीक मानता है, लेकिन इसके साथ एक अदृश्य खतरा भी उभर रहा है–साइबर हमलों का। अब अस्पताल के सर्वर में सेंध लगना केवल डेटा चोरी नहीं रह गया। जब चिकित्सा उपकरण और उपचार डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हों, तब कंप्यूटर नेटवर्क पर हुआ हमला सीधे मानव जीवन को प्रभावित कर सकता है। इसलिए जन स्वास्थ्य की सुरक्षा अब चिकित्सा विज्ञान के साथ-साथ साइबर सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण विषय बन गई है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में इंटरनेट ऑफ मेडिकल थिंग्स का विस्तार अभूतपूर्व रहा है। पेसमेकर, इंसुलिन पंप, वेंटिलेटर, हार्ट मॉनिटर और एमआरआई जैसी मशीनें अब एक विशाल डिजिटल नेटवर्क का हिस्सा हैं। इससे उपचार और निगरानी बेहतर हुई है, लेकिन जोखिम भी बढ़े हैं। किसी डिवाइस की मामूली तकनीकी खामी साइबर अपराधियों के लिए प्रवेश का मार्ग बन सकती है। विश्व की कई नियामक संस्थाएँ लगातार ऐसी कमजोरियों को लेकर चेतावनी देती रही हैं, फिर भी स्वास्थ्य क्षेत्र का बड़ा हिस्सा उन्हें पर्याप्त गंभीरता से नहीं लेता। जबकि आज चिकित्सा उपकरणों में सुरक्षा कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि जीवनरक्षा की अनिवार्य आवश्यकता है। जब साइबर हमले अस्पतालों को निशाना बनाते हैं, तब उनके दुष्परिणाम केवल कंप्यूटरों तक सीमित नहीं रहते। वर्ष 2017 में वानाक्राई रैंसमवेयर ने ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा को इस तरह प्रभावित किया कि कंप्यूटर ठप पड़ गए, सर्जरियाँ टालनी पड़ीं और स्वास्थ्य सेवाएँ बाधित हो गईं। यह डिजिटल युग की कठोर सच्चाई थी। कोविड महामारी के बाद भारत में स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटलीकरण तेज़ी से बढ़ा, पर सुरक्षा व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं हो सकी। डिजिटल रिकॉर्ड, ऑनलाइन परामर्श और स्मार्ट उपकरणों के बढ़ते उपयोग के बीच अनेक अस्पताल अब भी पुराने सॉफ्टवेयर और असुरक्षित नेटवर्क पर निर्भर हैं। ऐसे में स्वास्थ्य संस्थान साइबर अपराधियों के लिए आसान लक्ष्य बनते जा रहे हैं।

स्वास्थ्य संबंधी जानकारी अब केवल अस्पतालों के रिकॉर्ड में नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के मोबाइल ऐप्स में भी सुरक्षित है। फिटनेस, शुगर मॉनिटरिंग, ब्लड प्रेशर और टेलीमेडिसिन ऐप्स व्यक्ति की बीमारी, दवाओं, पारिवारिक स्वास्थ्य इतिहास और कई बार आनुवंशिक जानकारी तक संजोते हैं।

किंतु अनेक ऐप्स में सुरक्षा मानकों का पालन पर्याप्त नहीं होता। कमजोर पासवर्ड, अपर्याप्त एन्क्रिप्शन और समय पर अपडेट का अभाव उन्हें साइबर हमलों के प्रति संवेदनशील बनाता है। ऐसे में स्वास्थ्य डेटा अपराधियों के लिए बहुमूल्य संपत्ति बन जाता है, जिसका दुरुपयोग ब्लैकमेल से लेकर व्यावसायिक शोषण तक किया जा सकता है।

जब स्वास्थ्य संबंधी गोपनीय सूचनाएँ लीक होती हैं, तब क्षति केवल डेटा तक सीमित नहीं रहती, बल्कि विश्वास की नींव भी हिल जाती है। बैंक खाते का पासवर्ड बदला जा सकता है, पर किसी व्यक्ति की बीमारी का इतिहास नहीं। यदि संवेदनशील स्वास्थ्य जानकारी सार्वजनिक हो जाए, तो उसका असर सामाजिक संबंधों, रोजगार के अवसरों और बीमा सुविधाओं तक पड़ सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य क्षेत्र अन्य क्षेत्रों से भिन्न है। यहाँ डेटा का मूल्य केवल आर्थिक नहीं, बल्कि व्यक्ति की पहचान, प्रतिष्ठा और गरिमा से जुड़ा होता है। इसलिए स्वास्थ्य प्रणालियों की असुरक्षा का नुकसान केवल संस्थानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करता है।

संकट की गहराई केवल डेटा चोरी तक सीमित नहीं है। आज साइबर हमले सीधे जीवनरक्षक चिकित्सा उपकरणों तक पहुँच सकते हैं। यदि किसी इंसुलिन पंप की डोज या वेंटिलेटर की सेटिंग से छेड़छाड़ हो जाए, तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। यह मात्र काल्पनिक आशंका नहीं, बल्कि वैश्विक अध्ययनों और चेतावनियों का विषय है। रैंसमवेयर हमलों के दौरान ऑपरेशन थिएटर प्रभावित होते हैं, आपातकालीन सेवाएँ बाधित होती हैं और उपचार व्यवस्था संकट में पड़ जाती है। डिजिटल चिकित्सा की नींव विश्वास पर टिकी है। यदि मरीजों को तकनीक सुविधा के बजाय जोखिम का स्रोत लगने लगे, तो स्वास्थ्य क्षेत्र का डिजिटल परिवर्तन अपनी विश्वसनीयता खो सकता है।

इस संकट की जड़ केवल तकनीकी कमजोरियाँ नहीं, बल्कि सुरक्षा के प्रति उपेक्षा है। चिकित्सा उपकरण निर्माता अक्सर नई सुविधाओं और बाजार विस्तार को प्राथमिकता देते हैं, जबकि सुरक्षा पीछे छूट जाती है। अस्पतालों में साइबर सुरक्षा को अब भी अतिरिक्त खर्च माना जाता है। कर्मचारियों का अपर्याप्त प्रशिक्षण, फिशिंग ईमेल के प्रति लापरवाही और कमजोर पासवर्ड जोखिम बढ़ाते हैं। भारत में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन स्वास्थ्य क्षेत्र को नई दिशा दे रहा है, लेकिन यह भविष्य तभी सुरक्षित होगा जब सुरक्षा ढाँचा भी मजबूत बने। डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था की वास्तविक मजबूती तकनीक नहीं, बल्कि सुरक्षा के प्रति संस्थागत प्रतिबद्धता से तय होगी।

समाधान जटिल नहीं हैं, आवश्यकता केवल दृढ़ क्रियान्वयन की है। मेडिकल डिवाइसों के प्रमाणन में साइबर सुरक्षा को अनिवार्य शर्त बनाया जाना चाहिए। अस्पतालों में नियमित सुरक्षा परीक्षण, डेटा एन्क्रिप्शन, मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन और कर्मचारियों का प्रशिक्षण सुनिश्चित हो। हेल्थ ऐप्स के लिए कड़े डेटा संरक्षण मानक और जवाबदेही तंत्र विकसित किए जाएँ। साथ ही नागरिकों को भी डिजिटल सुविधा के साथ डिजिटल सतर्कता अपनानी होगी। भारत के पास तकनीकी क्षमता, विशेषज्ञता और विशाल डिजिटल नेटवर्क है; अब आवश्यक है कि स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटल विस्तार सुरक्षा की सुदृढ़ नींव पर खड़ा हो।

अदृश्य डिजिटल संसार आज जन स्वास्थ्य का नया रणक्षेत्र बन चुका है। यहाँ रक्षा के सबसे बड़े साधन सतर्कता, तकनीकी तैयारी और दूरदर्शी नीतियाँ हैं। यदि स्वास्थ्य व्यवस्था को भविष्य के अनुरूप सुरक्षित बनाना है, तो साइबर सुरक्षा को उसकी परिधि नहीं, बल्कि केंद्र में रखना होगा। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब अस्पतालों के सामने सबसे बड़ा खतरा किसी वायरस से नहीं, बल्कि कंप्यूटर स्क्रीन के पीछे बैठे एक हैकर से होगा। आधुनिक चिकित्सा की सफलता इसी पर निर्भर करेगी कि वह इस नए खतरे को कितनी गंभीरता से पहचानती और उसका सामना करती है।

-प्रो. आरके जैन

होर्मुज की बिसात पर ट्रंप को मात

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 23 मई को इंटरनेट मीडिया पर अपनी एक पोस्ट में दावा किया था कि ईरान के साथ शांति समझौते पर सहमति लगभग बन चुकी है, जिसमें होर्मुज जलमार्ग का खुलना भी शामिल है। इस बात को करीब दो हफ्ते बीत चुके हैं, लेकिन न समझौता हुआ है और न होर्मुज खुला है। कभी ट्रंप कहते हैं कि वे ईरान के प्रस्तावों पर विचार कर रहे हैं। कभी कहते हैं वे उनसे संतुष्ट नहीं हैं। कभी कहते हैं उन्हें कोई जल्दी नहीं है। कभी कहते हैं कि समझौते के लिए ईरानी अयातुल्ला से भी मिलना पड़े तो वे तैयार हैं। कभी दूसरे देशों से कहते हैं कि होर्मुज खुलवाने में मदद करें। कभी कहते हैं उन्हें किसी की जरूरत नहीं है। कूटनीति और रणनीति के जानकार भी इसे लेकर असमंजस में हैं। कुछ का मानना है कि युद्ध में जितनी हार-जीत होनी थी, वह हो चुकी। अब होर्मुज बंद रहने की चोट कौन कितनी देर तक बर्दाश्त कर पाता है, इसकी आजमाइश चल रही है। दुनिया के 38 विकसित लोकतंत्रों के संगठन ओईसीडी ने इसके चलते आर्थिक संकट की चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यदि एक महीने के भीतर होर्मुज नहीं खुला तो दुनिया की अर्थव्यवस्था दो साल के लिए धीमी पड़ जाएगी। दुनिया की आर्थिक विकास दर 3.4 प्रतिशत से घटकर इस वर्ष 2.1 प्रतिशत रह जाने और अगले वर्ष 1.8 प्रतिशत रह जाने की आशंका है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी विकास दर के अनुमान को 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत और महंगाई की दर का अनुमान बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर लिया है। अमेरिका में भी पहली तिमाही के आधार पर विकास दर 1.6 प्रतिशत आंकी जा रही है, जबकि महंगाई दर 3.8 प्रतिशत पर जा पहुंची है, जो अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की सहजता के अनुमान से लगभग दोगुनी है। तेल के दाम भी दोगुने हो चुके हैं और उसकी आपूर्ति भी बाधित है। यह सब देखकर ईरान को लगता है कि जैसे-जैसे नवंबर के मध्यावधि चुनाव नजदीक आएंगे, वैसे-वैसे ट्रंप का धीरज डगमगाएगा और वे उसकी शर्तों पर समझौते को बेबस हो जाएंगे। दूसरी ओर, ट्रंप को लगता है कि ईरानी लोगों की सहनशक्ति पहले जवाब देगी। वहां हर चीज की किल्लत हो चुकी है और महंगाई की दर 77 प्रतिशत से ऊपर चली गई है। एक डालर 18 लाख रियाल का हो गया है। होर्मुज की नाकेबंदी के कारण ईरान अपना तेल नहीं बेच पा रहा, जिसे तेल भंडारों और तेल के जहाजों में जमा किया जा रहा है, लेकिन ऐसी भंडारण क्षमताओं की भी एक सीमा है। उनके भर जाने के बाद तेल निकालना रोकना होगा। रोकने पर कुओं में हवा भर सकती है और वे बंद हो सकते हैं। इसलिए देर-सबेर उसे अमेरिका की शर्तें मानने को विवश होना पड़ेगा। वहीं, ईरानी विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान ने लड़ाई शुरू होने से पहले ही करीब 125 अरब बैरल तेल जहाजों में भरकर मलेशिया और चीन के तटों के समीपवर्ती समुद्र में भेज दिया था, ताकि वे अमेरिका के हाथ न लगें।

-सुनील कुमार महला

लोकतंत्र का व्यंग्य या लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर संकट?

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह केवल मतदान की व्यवस्था नहीं, बल्कि संवाद, सहमति, असहमति, संवैधानिक मर्यादाओं और सामाजिक उत्तरदायित्वों का एक सशक्त तंत्र है। लोकतंत्र की शक्ति विरोध में निहित है, लेकिन उसकी गरिमा विरोध की शैली, उद्देश्य और मर्यादा से निर्धारित होती है। हाल के दिनों में चर्चित हुई तथाकथित 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) इसी संदर्भ में गंभीर विमर्श की मांग करती है। यह आंदोलन प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरोध के नाम पर उभरा। प्रारम्भ में यह सोशल मीडिया पर व्यंग्यात्मक अभियान के रूप में सामने आया और बाद में दिल्ली के जंतर-मंतर तक पहुंच गया। इसके समर्थकों ने इसे युवाओं के आक्रोश की अभिव्यक्ति बताया, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या यह वास्तव में शिक्षा सुधार का आंदोलन है या लोकतांत्रिक असंतोष को व्यंग्य, उपहास और राजनीतिक ध्रुवीकरण की दिशा में मोड़ने वाला एक नया प्रयोग?

भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार देता है। किंतु कोई भी अधिकार निरंकुश नहीं होता। लोकतंत्र में विरोध का उद्देश्य समाधान की खोज होना चाहिए, न कि अराजकता का विस्तार। यदि विरोध का स्वर केवल उपहास, आक्रोश और टकराव तक सीमित रह जाए, तो वह लोकतंत्र को मजबूत करने के बजाय कमजोर करने लगता है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' का नाम ही एक नकारात्मक और व्यंग्यात्मक मानसिकता का परिचायक है। किसी राजनीतिक दल की नकल करते हुए स्वयं को ÷कॉकरोच÷ के प्रतीक से जोड़ना लोकतांत्रिक विमर्श को गंभीरता से अधिक तमाशे में बदलने का प्रयास प्रतीत होता है। लोकतंत्र में व्यंग्य का स्थान है, लेकिन व्यंग्य यदि विचार का स्थान ले ले, तो वह जनमत को भ्रमित भी कर सकता है।

किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन उसकी मांगों और कार्यप्रणाली से किया जाता है। सीजेपी की प्रमुख मांगें हैं-परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, पेपर लीक की रोकथाम, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना। इनमें से अधिकांश मांगें ऐसी हैं जिन पर देश का हर जिम्मेदार नागरिक सहमत हो सकता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इन मांगों को मनवाने का तरीका भी उतना ही जिम्मेदार है? क्या कॉकरोच के मुखौटे पहनना, राजनीतिक व्यंग्य को आंदोलन का आधार बनाना और सोशल मीडिया पर उत्तेजक अभियानों को बढ़ावा देना शिक्षा सुधार का व्यावहारिक मार्ग है? क्या इससे सरकार, विशेषज्ञों और समाज के बीच सार्थक संवाद स्थापित होगा? इतिहास बताता है कि स्थायी परिवर्तन नारेबाजी से नहीं, बल्कि वैचारिक स्पष्टता, संगठनात्मक अनुशासन और रचनात्मक दबाव से आते हैं।

भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। लेकिन यही शक्ति यदि निराशा, बेरोजगारी और असंतोष से घिर जाए तो विभिन्न राजनीतिक शक्तियों के लिए उपयोग का साधन भी बन सकती है। आज देश का युवा प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार और भविष्य को लेकर चिंतित है। यह चिंता वास्तविक है। लेकिन हर वास्तविक चिंता के साथ एक खतरा भी जुड़ा होता है-उसका राजनीतिक दोहन। जब किसी आंदोलन के पीछे विभिन्न राजनीतिक समूहों, सत्ता-विरोधी संगठनों और वैचारिक एजेंडों की उपस्थिति दिखाई देने लगे, तब यह आशंका स्वाभाविक हो जाती है कि कहीं युवाओं की पीड़ा को राजनीतिक हथियार तो नहीं बनाया जा रहा। यदि छात्र आंदोलन शिक्षा सुधार की जगह सरकार-विरोधी अभियान में बदल जाए, तो सबसे बड़ा नुकसान स्वयं छात्रों का होता है। युवाओं को यह समझना होगा कि वे किसी राजनीतिक प्रयोगशाला के उपकरण नहीं हैं। उनकी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण के लिए है, किसी छिपे हुए राजनीतिक एजेंडे के लिए नहीं।

सीजेपी के समर्थकों द्वारा कभी-कभी नेपाल, बांग्लादेश अथवा अन्य देशों में हुए युवा आंदोलनों का उल्लेख किया जाता है। ऐसी तुलना न केवल जल्दबाजी है बल्कि भ्रामक भी हो सकती है। भारत की लोकतांत्रिक संरचना, संस्थागत शक्ति, न्यायिक व्यवस्था, मीडिया की स्वतंत्रता और संवैधानिक ढांचा पड़ोसी देशों से भिन्न है। जिन परिस्थितियों में अन्य देशों में जनआंदोलन उभरे, वे परिस्थितियां भारत में मौजूद नहीं हैं। भारत में चुनावी परिवर्तन की सशक्त व्यवस्था है। यहां सरकारें जनमत से बनती और बदलती हैं। इसलिए भारत के युवाओं को विदेशी या पड़ोसी देशों के आंदोलनों की भावनात्मक तुलना के बजाय भारतीय लोकतंत्र की विशेषताओं को समझना चाहिए। हर देश की राजनीतिक परिस्थितियां अलग होती हैं। इसलिए विदेशी उदाहरणों के आधार पर भारत में असंतोष को भड़काना न तो बौद्धिक रूप से उचित है और न ही राष्ट्रीय हित में।

आज सोशल मीडिया किसी भी विचार को कुछ ही घंटों में लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है। लेकिन यही उसकी सबसे बड़ी चुनौती भी है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लोकप्रियता और वैधता एक जैसी चीजें नहीं हैं। कई बार कोई विचार ट्रेंड तो बन जाता है, लेकिन उसके पास न स्पष्ट दृष्टि होती है, न कोई रचनात्मक कार्यक्रम और न कोई उत्तरदायित्व। सोशल मीडिया पर वायरल होना लोकतांत्रिक स्वीकृति का प्रमाण नहीं है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' का तेजी से लोकप्रिय होना इस बात का संकेत अवश्य है कि युवाओं में असंतोष है, लेकिन यह इस बात का प्रमाण नहीं कि आंदोलन का मार्ग सही है। लोकतंत्र में ट्रेंडिंग हैशटैग से अधिक महत्व तथ्यों, नीति और संस्थागत संवाद का होता है। यदि राजनीति केवल मीम, व्यंग्य और डिजिटल आक्रोश तक सीमित हो जाए तो लोकतंत्र धीरे-धीरे विचारशील नागरिकता से हटकर भीड़तंत्र में बदल सकता है।

भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक विकास का नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता, संस्थागत विश्वास और राष्ट्रीय एकता का भी है। यदि युवा शक्ति का बड़ा हिस्सा निरंतर अविश्वास, नकारात्मकता और टकराव की राजनीति की ओर आकर्षित होता है, तो यह लक्ष्य प्रभावित हो सकता है। विकास के लिए केवल आलोचना नहीं, बल्कि सहभागिता भी आवश्यक है। युवाओं को सरकार से प्रश्न पूछने चाहिए, लेकिन साथ ही समाधान भी प्रस्तुत करने चाहिए। उन्हें जवाबदेही मांगनी चाहिए, लेकिन संस्थाओं के प्रति सम्मान भी बनाए रखना चाहिए। लोकतंत्र की सफलता विरोध और सहयोग के संतुलन में निहित है। इस पूरे प्रकरण का एक महत्वपूर्ण पक्ष उन राजनीतिक दलों और नेताओं की भूमिका है जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से ऐसे आंदोलनों को समर्थन देते दिखाई देते हैं।

यदि कोई राजनीतिक दल वास्तव में शिक्षा सुधार चाहता है तो उसे संसद, विधानसभाओं और नीति मंचों पर ठोस प्रस्ताव रखने चाहिए। लेकिन यदि छात्र असंतोष को केवल सरकार को घेरने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, तो यह लोकतंत्र और युवाओं दोनों के साथ अन्याय है। राजनीतिक दलों को स्पष्ट करना चाहिए कि वे शिक्षा सुधार के लिए क्या ठोस कार्यक्रम रखते हैं। केवल विरोध का समर्थन करना पर्याप्त नहीं है। लोकतंत्र में जिम्मेदार विपक्ष का दायित्व विकल्प प्रस्तुत करना भी होता है। परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता, पेपर लीक पर कठोर दंड, रोजगार सृजन, शिक्षा की गुणवत्ता और युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार-ये सभी वास्तविक और महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। लेकिन इनका समाधान व्यंग्यात्मक राजनीति या प्रतीकात्मक आक्रोश में नहीं है। समाधान सरकार, न्यायपालिका, शिक्षाविदों, विशेषज्ञों, छात्र संगठनों और समाज के बीच निरंतर संवाद में है। आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं के असंतोष को रचनात्मक ऊर्जा में बदला जाए। भारत का लोकतंत्र विरोध को स्वीकार करता है, लेकिन वह विरोध तभी सार्थक होता है जब वह व्यवस्था को तोड़ने के बजाय सुधारने की दिशा में आगे बढ़े।

'कॉकरोच जनता पार्टी' जैसी प्रवृत्तियां पहली दृष्टि में लोकतांत्रिक व्यंग्य और युवा असंतोष की अभिव्यक्ति लग सकती हैं, लेकिन इनके दूरगामी प्रभावों की गंभीर समीक्षा आवश्यक है। यदि राजनीति उपहास, प्रतीकात्मक आक्रोश और डिजिटल उत्तेजना तक सीमित हो जाएगी, तो लोकतांत्रिक विमर्श की गुणवत्ता प्रभावित होगी। भारत को आज ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो प्रश्न भी पूछें और समाधान भी खोजें। जो विरोध भी करें और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी भी निभाएं। लोकतंत्र की शक्ति संघर्ष में नहीं-संवाद में है, विभाजन में नहीं-समन्वय में है और तात्कालिक उत्तेजना में नहीं-दीर्घकालिक राष्ट्रहित में है। इसलिए समय की मांग है कि युवा, राजनीतिक दल और समाज सभी मिलकर यह विचार करें कि क्या 'कॉकरोच राजनीति' वास्तव में लोकतंत्र को मजबूत करेगी, या फिर वह भारत की लोकतांत्रिक संस्कृति, राजनीतिक मर्यादाओं और विकसित भारत-2047 के राष्ट्रीय संकल्प के सामने एक नई चुनौती बनकर उभरेगी। यही प्रश्न आज सबसे अधिक प्रासंगिक है।

-धनंजय राजौरा

अनूप-शुभ्रा के सृजन के पच्चीस वर्ष

कला केवल रंगों, रेखाओं और आकृतियों का संयोजन नहीं होती, वह जीवन की अनुभूतियों, संबंधों और संवेदनाओं की अभिव्यक्ति भी होती है। जब दो कलाकार अपने-अपने स्वतंत्र व्यक्तित्व, दृष्टि और शैली के साथ जीवन की यात्रा में सहयात्री बनते हैं, तब उनकी रचनात्मकता एक नए आयाम को जन्म देती है। डॉ. अनूप कुमार चांद और शुभ्रा चांद की पच्चीस वर्षीय वैवाहिक यात्रा और उनकी समानांतर कला-यात्रा इसी अद्भुत एवं विलक्षण संगम का साक्ष्य है। यह केवल विवाह की रजत जयंती नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, समर्पण और सृजनशीलता के पच्चीस वर्षों का उत्सव है। निश्चित ही कुछ यात्राएँ समय की गणना से नहीं, संवेदनाओं की गहराई से मापी जाती हैं। कुछ संबंध केवल सामाजिक बंधन नहीं होते, वे दो चेतनाओं का ऐसा संगम होते हैं, जहाँ जीवन और सृजन एक-दूसरे के पर्याय बन जाते हैं। अनूप और शुभ्रा की पच्चीस वर्षीय वैवाहिक यात्रा तथा उनकी कला-साधना ऐसी ही एक दुर्लभ यात्रा है, जिसमें प्रेम केवल भावना नहीं रहा, बल्कि सृजन का मूल बीज बना और कला केवल अभिव्यक्ति नहीं रही, बल्कि आत्मानुभूति का माध्यम बन गई। दिल्ली के इंडिया इन्टरनेशनल सेंटर में तरूण आर्ट गेलैरी के द्वारा 4-7 जून, 2026 तक आयोजित इस संयुक्त प्रदर्शनी में इन कलाकार द्वय की दो शैलियों का आनन्द कलाप्रेमियों ने बढ़-चढ़कर लिया। नई दिल्ली में आयोजित यह 'सृजन के 25 वर्ष' प्रदर्शनी केवल चित्रों का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि दो रचनात्मक आत्माओं के जीवन-दर्शन का सार्वजनिक उत्सव है। यह प्रदर्शनी बताती है कि कला और जीवन जब एक-दूसरे के पूरक बन जाते हैं, तब सृजन का स्वरूप कितना व्यापक और प्रभावशाली हो सकता है। यह आयोजन इस सत्य को पुनः स्थापित करता है कि महान कला केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, पारस्परिक सम्मान और साझा स्वप्नों से जन्म लेती है।

आज जब संसार का बड़ा हिस्सा उपभोग, प्रदर्शन और तात्कालिक उपलब्धियों की संस्कृति में उलझा हुआ है, तब अनूप और शुभ्रा की कलायात्रा हमें उस भारतीय कला-दृष्टि की याद दिलाती है, जिसमें कला का उद्देश्य केवल सौंदर्य का निर्माण नहीं, बल्कि सत्य, शिव और सुंदर की अनुभूति कराना है। भारतीय चिंतन में कला को साधना कहा गया है। साधना का अर्थ है-अपने भीतर उतरना, स्वयं को तराशना और अंततः उस चेतना का स्पर्श करना जो समस्त सृष्टि में व्याप्त है। यही तत्व इन दोनों कलाकारों की रचनात्मक सृजन में दिखाई देता है। अनूप की कला प्रकृति से संवाद करती है। उनके चित्रों में समुद्र की लहरें, वन्य जीवन, ग्रामीण जीवन, लोक-संस्कृति और मानवीय संवेदनाएँ केवल दृश्य नहीं हैं, बल्कि प्रकृति के भीतर धड़कती हुई चेतना की अभिव्यक्ति हैं। वे प्रकृति को वस्तु नहीं मानते, बल्कि एक जीवित सत्ता के रूप में देखते हैं। उनकी कला मानो यह संदेश देती है कि मनुष्य और प्रकृति दो अलग इकाइयाँ नहीं हैं; दोनों एक ही अस्तित्व की परस्पर जुड़ी हुई कड़ियाँ हैं। उनके रंगों में पर्यावरणीय चिंता है, उनकी रेखाओं में करुणा है और उनकी आकृतियों में जीवन के प्रति गहरा सम्मान है। अनूप की कला प्रकृति, लोकजीवन और सामाजिक सरोकारों से संवाद करती है। वे प्रकृति के माध्यम से मनुष्य के अंतर्मन को पढ़ते हैं, गढ़ते हैं।

दूसरी ओर शुभ्रा की कला हमें दृश्य जगत से अदृश्य जगत की ओर ले जाती है। उनके कैनवास पर रंग केवल रंग नहीं रहते, वे ध्यान की मुद्रा बन जाते हैं। वृत्त, सर्पिल और ऊर्जा के विविध रूपों के माध्यम से वे उस ब्रह्मांडीय लय को अभिव्यक्त करती हैं, जो सृष्टि के प्रत्येक कण में स्पंदित हो रही है। उनकी कला में अध्यात्म किसी धार्मिक प्रतीक या कर्मकाण्ड के रूप में नहीं आता, बल्कि चेतना के विस्तार के रूप में प्रकट होता है। उनके चित्रों को देखते हुए ऐसा अनुभव होता है मानो रंग ध्यान कर रहे हों और आकृतियाँ मौन में कोई गूढ़ संवाद कर रही हों। उनका कला संसार अमूर्तन, आध्यात्मिकता और ब्रह्मांडीय ऊर्जा से निर्मित है। उनके कैनवास पर वृत्त, सर्पिल और रंगों की लय केवल दृश्य संरचनाएँ नहीं, बल्कि चेतना की गहन यात्राएँ हैं। वे दर्शक को बाहरी दुनिया से भीतर की यात्रा की ओर ले जाती हैं।

एक कलाकार प्रकृति का कवि है, तो दूसरी आत्मा की चित्रकार। एक धरती की धड़कनों को सुनता है, दूसरी ब्रह्मांड की निस्तब्धता को रंगों में व्यक्त करती है। किंतु आश्चर्य यह है कि दोनों की दिशाएँ अलग होते हुए भी उनका लक्ष्य एक ही है-मानव संवेदना का विस्तार। वास्तव में अनूप और शुभ्रा की कला भारतीय दर्शन के दो महत्वपूर्ण आयामों का प्रतिनिधित्व करती है। अनूप की कला प्रकृति के माध्यम से आत्मा तक पहुँचती है, जबकि शुभ्रा की कला आत्मा के माध्यम से ब्रह्मांड तक। एक बाहर से भीतर की यात्रा है, दूसरी भीतर से बाहर की। किंतु दोनों का गंतव्य एक ही है-चेतना का विस्तार और जीवन की गहनतर समझ। उनके वैवाहिक जीवन के पच्चीस वर्ष भी इसी कला-दर्शन का विस्तार हैं। यह केवल साथ रहने की कहानी नहीं है, बल्कि साथ विकसित होने की कहानी है। सामान्यतः दाम्पत्य में एक व्यक्ति दूसरे पर प्रभावी हो जाता है, किंतु यहाँ दोनों ने एक-दूसरे की स्वतंत्रता को संरक्षित रखा। उन्होंने प्रतिस्पर्धा नहीं, सहयोग को चुना; वर्चस्व नहीं, संवाद को महत्व दिया। यही कारण है कि दोनों की कला स्वतंत्र पहचान रखती है, फिर भी उनके जीवन में अद्भुत सामंजस्य दिखाई देता है।

- ललित गर्ग

भाव प्रबल हों तो नियम कायदे सरल हो जाते हैं

श्री विश्वकर्मा मंदिर परिसर महावीर नगर में चल रही संगीतमय भक्त श्रीमाल की कथा के पांचवे दिन पंडित मधुसूदन नागर ने कहा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री विश्वकर्मा मंदिर परिसर महावीर नगर में चल रही संगीतमय भक्त श्रीमाल की कथा के पांचवे दिन पंडित मधुसूदन नागर ने कहा यदि भक्त का भाव अपने प्रभु के प्रति प्रबल हो तो पूजन, भोग आदि का कोई नियम कायदा नहीं होता है। सारे नियम गौड़ हो जाते हैं। भक्त कर्मा बाई के प्रसंग को सुनाते हुए उन्होंने कहा कर्मा बाई को केवल एक धुन थी समय पर भगवान को भोग लगाना है। चाहे वह स्नान ना करे, हाथ पैर ना धोये लेकिन भोग देरी नहीं होना चाहिए। यह दृश्य दूसरों को अजीब लगा लेकिन कर्मा बाई के भाव प्रबल होने से भगवान ने स्वयं भोग स्वीकार किया।

10 को भक्त माल कथा का समापन, इंदरसिंह नागर के श्रीमुख से अमृतवाणी सत्संग, महाआरती और भंडारा होगा

10 जून बुधवार को श्री विश्वकर्मा मंदिर पर यजमानों द्वारा हवन, पूजन की पूर्णाहूति होगी। इसके बाद मधुसूदन नागर द्वारा भक्त माल कथा दोपहर 1 से 4 बजे तक होगी। इसके बाद अमृत वाणी सतसंग पाठ एवं भजन कीर्तन संस्था श्रीरामशरणम के संस्थापक इंदरसिंह नागर के विशेष सान्निध्य में शाम 4 बजे से रखा गया है। 6 बजे महाआरती और फिर भंडारे में महाप्रसाद का वितरण होगा।

उल्लेखनीय है कि सर्वश्री विश्वकर्मा वंशज देवास, श्री विश्वकर्मा सामाजिक एवं धार्मिक लोक न्यास एवं विश्वकर्मा मंदिर समिति द्वारा सात दिवसीय श्री भक्तमाल कथा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन की व्यवस्था में जुटे सर्वश्री विश्वकर्मा वंशज देवास अध्यक्ष पीडी शर्मा, सचिव ओम प्रकाश पेड़ीवाल, कोषाध्यक्ष राधेश्याम पांचाल, विश्वकर्मा मंदिर समिति अध्यक्ष राकेश शर्मा, जांगिड़ ब्राह्मण महासभा देवास जिलाध्यक्ष पप्पू शर्मा, बसुलाल विश्वकर्मा, सुरेश कारपेंटर, राधेश्याम कारपेंटर, शिवनारायण कारपेंटर, हुकुम शर्मा, लक्ष्मीनारायण ठेकेदार सहित सर्वश्री विश्वकर्मा वंशज महिला मंडल देवास तथा श्री विश्वकर्मा मंदिर समिति महिला मंडल, लोक न्यास मीडिया प्रभारी राजेश एम शर्मा आदि ने आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है। यह जानकारी सर्वश्री विश्वकर्मा वंशज समाज देवास के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र पिपलोदिया ने दी।

कीचड़ में फंसा सीमेंट से भरा पिकअप वाहन

आधे घंटे तक जाम में फंसे रहे वाहन, जेसीबी से निकाला वाहन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। धोबी चौराहा पर कोतवाली थाने के पास चल रहे पुलिया निर्माण कार्य के दौरान वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। सोमवार दोपहर भी सीमेंट से भरा एक पिकअप वाहन कीचड़ में धंस गया, जिससे सड़क के दोनो ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। करीब आधे घंटे बाद जेसीबी की सहायता से फंसे हुए वाहन को बाहर निकाला गया तब जाकर जाम खुला।

एबी रोड पर लंबे समय से पुलिया निर्माण कार्य चल रहा है, जिसके लिए एक अस्थायी वैकल्पिक मार्ग बनाया गया है। लगातार पानी भरने और कीचड़ के कारण यह मार्ग खराब स्थिति में था। इसी रास्ते से गुजरते समय सीमेंट से लदी पिकअप का पहिया अचानक कीचड़ में धंस गया, जिससे वाहन आगे नहीं बढ़ सका। वाहन के फंसते ही सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और करीब आधे घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने जाम खुलवाकर यातायात को सुचारू कराया। इसके बाद जेसीबी मशीन और राहगीरों की मदद से फंसी हुई पिकअप को बाहर निकाला गया। इसके बाद मार्ग को फिर से चालू किया गया और यातायात सामान्य हो सका। स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य के दौरान वैकल्पिक मार्ग की खराब स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की है।

डेंगू-मलेरिया नियंत्रण के लिए सभी विभाग समन्वित रूप से करें कार्य - कलेक्टर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में मलेरिया निरोधक जिला स्तरीय मलेरिया एलिमिनेशन टास्क फोर्स समिति की बैठक एवं अंतर्विभागीय कार्यशाला आयोजित की गई। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिले में वर्षा ऋतु को देखते हुए डेंगू, मलेरिया एवं अन्य मच्छर जनित रोगों की रोकथाम के लिए सभी विभागों को सक्रिय रूप से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने कहा कि मच्छर जनित रोगों की रोकथाम केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें सभी विभागों और आमजन की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि डेंगू नियंत्रण सबकी चिंता, सबकी भागीदारी और सबकी जिम्मेदारी के साथ व्यापक जन जागरण अभियान चलाया जाए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि वर्षा के दौरान जलभराव वाले स्थानों की नियमित निगरानी की जाए तथा मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। नगर पालिका एवं पंचायत विभाग अपने-अपने क्षेत्रों में साफ-सफाई, जल निकासी और लार्वा नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करें। बैठक में कहा गया कि स्कूलों और कॉलेजों में विद्यार्थियों को डेंगू-मलेरिया से बचाव के उपायों की जानकारी दी जाए तथा रैली, पोस्टर प्रतियोगिता और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। विद्यार्थियों को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और मच्छरों के प्रजनन स्थलों की पहचान करने के लिए प्रेरित किया जाए। कलेक्टर ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनजागरूकता को अभियान का प्रमुख हिस्सा बनाया जाए।

यू-ट्यूब से सीखो, यह मेरा काम नहीं

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक तरफ शासन द्वारा योजनाएं लागू की जाती हैं ताकि लोग उनका लाभ उठा सकें। लेकिन जब लोग इन योजनाओं के लिए अधिकारियों के पास आगे रहकर लाभ लेने जाते हैं तो अधिकारी ही उनकी मदद नहीं करते। ऐसा ही एक मामला मक्सी का सामने आया। यहां एक पिता को अपनी 11 वर्षीय बेटी के खाते में आनलाइन राशि जमा कराना थी लेकिन जब उस पिता ने पोस्ट मास्टर से मदद मांगी तो पोस्ट मास्टर ने सहयोग करने के बजाए उन्हें लौटा दिया और कहा कि यह मेरा काम नहीं है। यूट्यूब पर देखकर खुद जमा करे।

जानकारी के अनुसार जॉनसन डेविड नामक व्यक्ति अपनी बेटी के सुकन्या समृद्धि खाते में राशि जमा कराने मक्सी पोस्ट आफिस पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि उन्हें आनलाइन जमा प्रक्रिया में तकनीकी सहायता की आवश्यकता थी। लेकिन पोस्ट आफिस में पदस्थ पोस्ट मास्टर धर्मेंद्र सोनी ने उनकी समस्या सुनने के बजाय कहा कि यह मेरी जवाबदारी नहीं है, यूट्यूब पर जाकर देख लो और खुद जमा कर दो। सुकन्या योजना हमारी जवाबदारी नहीं है। उपभोक्ता ने आरोप लगाया कि वे पोस्ट आफिस से तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन लेने पहुंचे थे, लेकिन उन्हें समाधान देने के बजाय टालने का प्रयास किया गया।

सभी के साथ ऐसा ही व्यवहार करते हैं अधिकारी-स्थानीय लोगों का कहना है कि मक्सी पोस्ट आफिस के अधिकारी अक्सर उपभोक्ताओं को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने या अन्य सेवाओं, जैसे आधार कार्ड बनवाने, में परेशान करते हैं। उपभोक्ताओं को सेवा देने के बजाय उन्हें बेवजह भटकाया जाता है। आम नागरिकों का कहना है कि पोस्ट आफिस का उद्देश्य जनता को सेवाएं उपलब्ध कराना है न कि उन्हें इंटरनेट और यूट्यूब के भरोसे छोड़ देना। यदि सरकारी कार्यालयों में बैठे कर्मचारी ही अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने लगें तो आम जनता आखिर किससे मदद की उम्मीद करे। समय पर मार्गदर्शन नहीं मिलने और कर्मचारियों के असहयोगात्मक रवैये के कारण लोगों में लगातार नाराजगी बढ़ रही है।

शिकायत के बाद वरिष्ठ अधिकारी ने लगाई फटकार-मामले को लेकर जब पोस्ट विभाग उज्जैन हेड आफिस के एएसपी बीएके सचान से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया की पोस्ट विभाग की सभी योजनाओं के लिए सभी अधिकारियों ओर कर्मचारियों को ट्रेनिंग देकर ही पोस्टिंग दी जाती है। अधिकारी ने मक्सी पोस्ट आफिस के पोस्ट मास्टर धर्मेंद्र सोनी को उनके इस रवैये के लिए जमकर फटकार लगाते हुए उन्हें उपभोक्ताओं से अच्छे से पेश आने ओर काम करने की सख्त चेतावनी दी।

चिकित्सा और अनुसंधान के क्षेत्र में बड़ा कदमः अमलतास विश्वविद्यालय और विक्रम विश्वविद्यालय के बीच MoU हस्ताक्षरित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चिकित्सा अनुसंधान और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई दिशा को बढ़ावा देने के लिए देवास के अमलतास विश्वविद्यालय और उज्जैन के विक्रम विश्वविद्यालय के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग समझौता दोनों ही संस्थानों के संकाय (फैकल्टी) और विद्यार्थियों के लिए प्रगति के नए द्वार खोलेगा। इस ऐतिहासिक समझौते के माध्यम से मुख्य रूप से चिकित्सा, फार्मेसी, जैव प्रौद्योगिकी (बायोटेक्नोलॉजी), स्वास्थ्य चिकित्सा, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी जैसे उन्नत विषयों में शोध और विकास को गति दी जाएगी।

इस सहभागिता के अंतर्गत दोनों संस्थान अपनी प्रयोगशालाओं और शोध सुविधाओं का साझा उपयोग करेंगे, जिससे क्लीनिकल और बायो-मेडिकल रिसर्च के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित होंगे। इस समझौते से फैकल्टी और छात्रों को संयुक्त रिसर्च प्रोजेक्ट्स पर एक साथ काम करने का बेहतरीन अवसर मिलेगा। साथ ही, रिसर्च पब्लिकेशन और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम और रिसर्च गाइडेंस की सुविधा भी दी जाएगी। दोनों विश्वविद्यालयों के शोधार्थियों और विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए संयुक्त रूप से विशेष ट्रेनिंग, सेमिनार, जॉइंट वर्कशॉप और कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा, जिससे उन्हें उन्नत सेवाओं का सीधा लाभ मिल सकेगा।

इस गरिमामयी और ऐतिहासिक अवसर पर दोनों विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ पदाधिकारी और शिक्षाविद विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनमें विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफ़ेसर अर्पण भारद्वाज, अमलतास विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. आर.के. सिंह, प्रो-चांसलर डॉ. सलिल भार्गव सहित डॉ. नीलम खान, डॉ. आस्था नागर और डॉ. रत्ना शर्मा शामिल थे। सभी शिक्षाविदों ने इस समझौते को क्षेत्र में चिकित्सा और तकनीकी शिक्षा के स्तर को अधिक सुदृढ़ और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर बताया है।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर अमलतास विश्वविद्यालय के चेयरमैन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया जी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपना संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि यह समझौता दोनों विश्वविद्यालयों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। हमारा मुख्य उद्देश्य छात्रों और फैकल्टी को वैश्विक स्तर की शोध सुविधाएं और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है।

विक्रम विश्वविद्यालय के साथ इस साझेदारी से चिकित्सा और बायो-मेडिकल रिसर्च के क्षेत्र में नए आविष्कार होंगे, जिसका सीधा लाभ समाज और स्वास्थ्य क्षेत्र को मिलेगा। उन्होंने दोनों संस्थानों की टीम को इस सराहनीय पहल के लिए बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महिलाओ ने अधिक मास में श्रीकृष्ण को लगाया छप्पन भोग, भजन-संगीत से भक्तिमय हुआ वातावरण

श्री नागर चित्तौड़ा महाजन समाज की महिला मंडल द्वारा हुआ आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री नागर चित्तौड़ा महाजन समाज की महिला मंडल द्वारा अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) के पावन अवसर पर सोमवार को श्री कृष्ण अष्टमी के उपलक्ष्य में धार्मिक आयोजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम श्रीमती ममता अशोक गुप्ता के रामनगर स्थित निवास पर संपन्न हुआ, जहां भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग अर्पित कर भजन-संगीत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालु महिलाओं ने भगवान श्रीकृष्ण की आराधना करते हुए भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। अधिक मास में घेवर एवं मालपुए के वितरण का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए महिला मंडल द्वारा सभी सदस्यों को घेवर के पैकेट वितरित किए गए। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की आकर्षक झांकियां भी सजाई गईं। ठाकुरजी को नौका विहार कराया गया, पालने में झुलाया गया तथा खस से निर्मित सुंदर बंगले में विश्राम की व्यवस्था की गई। इसके अलावा विभिन्न मौसमों एवं भगवान श्रीकृष्ण की रुचि के अनुरूप मनोहारी सजावट और झांकियां तैयार की गईं, जिन्होंने सभी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई तथा भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपनी श्रद्धा एवं भक्ति का भाव प्रकट किया। अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आज निकलेगी निशान यात्रा, कल होगा श्री श्याम किर्तन का आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्री श्याम परिवार द्वारा बुधवार को श्री श्याम किर्तन का आयोजन किया जा रहा है। इसके पूर्व मंगलवार को नगर में खाटू श्याम जी की निशान यात्रा निकाली जाएगी जिसके माध्यम से लोगों को श्री श्याम किर्तन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। समिति सदस्यों ने बताया कि निशान यात्रा की शुरूआत 9 जून मंगलवार को शाम 5 बजे श्री बालवीर हनुमान मंदिर से होगी जो कस चौराहा, आजाद चौक, नई सड़क होते हुए हायर सेकेंड्री मैदान पहुंचेगी। इसके बाद अगले दिन 10 जून बुधवार को हायर सेकेंड्री मैदान पर शाम 7 बजे से श्री याम किर्तन का आयोजन किया जाएगा। जहां भोपाल की भजन प्रवाहिक दीपाली यादव, भजन प्रवाहक तेजप्रताप हिन्दुस्तानी व जयपुर के भजन प्रवाहक आयुष सोमानी श्री श्याम के भजनों की प्रस्तुति देंगे। समिति सदस्यों ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में श्री श्याम किर्तन मे आकर धर्म का लाभ लेने का निवेदन किया है।

कन्याओं का निःशुल्क विवाह करवाएगी समिति- आयोजन समिति द्वारा भजन किर्तन व निशान यात्रा के पश्चात् कन्याओं का निःशुल्क विवाह भी करवाया जाएगा। समिति सदस्योंने बताया कि 21 जून को नगर के प्रसिद्ध श्री मुरादपुरा हनुमान मंदिर में 5 कन्याओं का निःशुल्क विवाह करवाया जाएगा। यह आयोजन प्रातः 7 बजे से प्रारंभ होगा। इस दौरान समिति द्वारा अतिथियों को स्वल्पाहार के बाद भोजन व्यवस्था भी रखी गई है। वहीं समिति द्वारा कन्याओं को 5 रकम जिसमें 1 सोने की व 4 चांदी की रकम व गृहस्थी की सामग्री भी भेंट की जाएगी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक आयोजित

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला पोषण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने जिले में पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कुपोषण को समाप्त करना केवल एक विभागीय विषय नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी है और आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना प्रशासन का दायित्व है। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को टीएचआर वितरण समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी गर्भवती महिलाओं को टीएचआर समय से वितरित होना चाहिए। बैठक में गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं की देखभाल को लेकर कलेक्टर ने कहा कि सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ शिशु सुनिश्चित करना पोषण समिति और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि टीकाकरण, एएनसी जांच, एनीमिया एवं हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं से जुड़ी जानकारी नियमित रूप से साझा की जाए, ताकि आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से समय पर हस्तक्षेप संभव हो सके। पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में कुपोषित बच्चों के उपचार को लेकर भी व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाने के निर्देश दिए गए, जिससे पात्र बच्चों को इलाज से वंचित न रहना पड़े। बैठक में कलेक्टर ने समग्र सत्यापन, आधार आधारित ई-केवाईसी, एबीएचए आईडी और फेस रिकग्निशन सिस्टम की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं में सत्यापन एवं ई-केवाईसी की प्रगति कम है, वहां विशेष अभियान चलाकर शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड में जाकर योजनाओं के वास्तविक प्रभाव का आकलन करने के निर्देश दिए। बैठक महिला एवं विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने पर राहवीर योजना अंतर्गत मिलेंगे 25 हजार रूपये

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राहवीर योजना अन्तर्गत दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने पर 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। योजना के तहत सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त पीड़ित किसी व्यक्ति को यदि कोई व्यक्ति अस्पताल तक पहुंचाता है तो उसे पुलिस द्वारा अनावश्यक पूछताछ नहीं की जायेगी।

शासन की राहवीर योजना अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति जिसने किसी मोटर वाहन से जुड़ी गम्भीर दुर्घटना के पीड़ित को तत्काल सहायता प्रदान करके दुर्घटना के स्वर्णिम समय के भीतर चिकित्सा सहायता प्रदान करके तथा दुर्घटना के स्वर्णिम समय के भीतर उपचार प्रदान करने के लिये अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाई हो वह इस योजना के लिये पात्र होगा। मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार गोल्डन ऑवर'' का अर्थ है किसी दर्दनाक चोट के बाद एक घंटे तक चलने वाली वह अवधि, जिसके दौरान तत्काल चिकित्सा देखभाल प्रदान करके मृत्यु को रोकने की सबसे अधिक संभावना होती है।

ऐसी दुर्घटना को गम्भीर दुर्घटना माना जायेगा। जिसमें पीड़ित की प्रमुख सर्जरी हो, पीड़ित कम से कम 3 दिवस तक अस्पताल में भर्ती हो। मस्तिष्क की गम्भीर चोट, रीढ़ की हड्डी की चोंटे, उपचार के दौरान पीड़ित की मृत्यु यदि एक राहवीर मोटर वाहन से जुड़ी एक गंभीर दुर्घटना के लिये एक या एक से अधिक पीड़ितों की जान बचाता है, तो राहवीर योजना के अन्तर्गत सरकार द्वारा पुरस्कार राशि 25 हजार रुपए दी जायेगी।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि तथा समय पर दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को उपचार नहीं मिलने के कारण दुर्घटना से होने वाली मृत्यु दर में उत्तरोत्तर वृद्धि देखने को मिल रही है। प्रायः यह देखने में आता है कि किसी भी मार्ग पर दुर्घटना होने पर दुर्घटना के उपरान्त उस मार्ग से निकलने वाले राहगीर कई बार रूककर मदद तो करते हैं किन्तु दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को खुद अस्पताल तक पहुंचाने में यह सोचकर संकोच करते हैं कि कहीं पुलिस केस में उनका नाम दर्ज होने पर उन्हें अनावश्यक पुलिस थाने अथवा न्यायालय के चक्कर लगाने पड़ेंगे। लेकिन अब राहवीर योजना लागू की गई है। इस योजना के अन्तर्गत सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त पीड़ित किसी व्यक्ति को यदि कोई अस्पताल तक पहुंचाता है तो उसे पुलिस द्वारा अनावश्यक पूछताछ नहीं की जायेगी।

कुशल प्रबंधन से रोकी जा सकती है जान-माल की हानि - कलेक्टर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में बाढ़ आपदा प्रबंधन की पूर्व तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के ने कहा कि कुशल प्रबंधन, समय पर कार्रवाई और बेहतर समन्वय से बाढ़ जैसी आपदाओं के दौरान होने वाली जान-माल की हानि को काफी हद तक रोका जा सकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में बाढ़ आपदा संवेदनशील क्षेत्रों का आकलन करते हुए वर्षाकाल के दौरान बाढ़ आपदा के नियंत्रण के संबंध में चर्चा की गई, पिछले वर्षों के अनुभव साझा किये गए और प्रभावी नियंत्रण के लिये अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

शहीद पार्क में व्यायाम के लिए लगी मशीनें हो गई खराब

सेहत बनाने के लिए लोगों को नहीं मिल रहे उपयुक्त संसाधन, नगर पालिका द्वारा किया जा रहा नया आर्डर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के बीच से निकले हाइवे से सटे हुए शहीद पार्क का कुछ वर्ष पहले नगर पालिका ने कायाकल्प कराया था। इसके बाद यहां पर व्यायाम के लिए मशीनें भी लगाई गई थी, लेकिन अब ये मशीनें खराब हो गई है या फिर बंद पड़ी हुई है। इस कारण इसका लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है। नगर पालिका के अनुसार यहां पर नई बेहतर मशीनें लगाने के लिए आर्डर किया जा रहा है। नई मशीनें मिली तो शहीद पार्क में सेहत बनाने के लिए लोगों को बेहतर विकल्प मिल जाएगा। हालांकि अभी लोगों को यहां पर किसी प्रकार से मशीनों का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

उल्लेखनीय है कि जो लोग अपनी सेहत के प्रति ज्यादा जागरुक होते है वे प्रतिदिन व्यायाम करते है। इस पर ऐसे लोग जो प्रतिदिन वाक पर निकलते है। उन्हें यदि सार्वजनिक स्थानों पर व्यायाम करने के लिए स्थान और मशीनें मिल जाए तो ये सबसे बेहतर रहता है। इसी कड़ी में कुछ वर्ष पूर्व नगर पालिका द्वारा शहरी हाइवे से सटे हुए शहीद पार्क का कायाकल्प करवाने के साथ ही यहां पर ओपन जीम तैयार की थी। इसमें लोगों के व्यायाम करने के लिए मशीनें लगाई गई थी। जिससे लोग यहां पर अपनी सेहत बनाने के लिए व्यायाम कर सकें, लेकिन धीरे-धीरे ये मशीनें एक-एक करके खराब होने लगी। इस कारण यहां पर आने वाले लोगों को इसका लाभ भी मिलना बंद हो गया। जिससे ये मशीनें किसी शोपीस की तरह ही बनकर रह गई। गर्मी के मौसम में सुबह और देर शाम को लोग यहां तो पहुंच रहे है, लेकिन मशीनों से उन्हें कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। अब नगर पालिका द्वारा दावा किया जा रहा है कि आने वाले समय में शहीद पार्क में नई आधुनिक मशीनें लगाई जाएंगी। जिससे लोगों को लाभ मिलेगा।

जैम के माध्यम से किया जा रहा आर्डर- वर्तमान में शहीद पार्क में जो मशीनें लगी हुई है वे खराब हो चुकी है। कुछ मशीनें टूट भी गई है। ऐसे में ये मशीनें अब कोई काम नहीं आ रही है। लोग जरूर यहां पहुंचते है, लेकिन अब इन मशीनों पर बैठकर वे आराम करते है। जबकि ये मशीनें लोगों के व्यायाम के लिए लगाई गई थी। मशीनों के खराब होने की जानकारी नगर पालिका के पास भी है। क्योंकि नपा कार्यालय शहीद पार्क के ठीक पीछे की ओर है। इस कार्यालय में से ही शहीद पार्क में लगी मशीनें भी दिखाई देती है। ऐसे में अब नपा द्वारा जैम के माध्यम से शहीद पार्क के लिए नई जीम मशीनें लगाने के लिए ऑर्डर किया जा रहा है। ताकि शहीद पार्क में पहुंचने वाले लोगों को इसका लाभ मिल सके।

इनका कहना है- शहीद पार्क में लगी सभी मशीनें लगभग बंद है या फिर खराब हो चुकी है। इन्हें बदला जाएगा। पार्क के लिए बेहतर व्यवस्था की जा रही हैं। जैम के माध्यम से नया आर्डर किया जा रहा है जिससे यहां पर और अच्छी जीम मशीनें आएंगी।

- भूपेंद्रकुमार दीक्षित,
सीएमओ, नगर पालिका-शाजापुर

रतलाम शिक्षा विभाग में फर्जी साइन का महाघोटाला: प्राचार्य ने अपने ही हस्ताक्षर बताए नकली

फोरेंसिक रिपोर्ट ने 33 माह के निलंबन और झूठी FIR साजिश की खोली पोल

‘फर्जी साइन’ का खेल हुआ बेनकाब- प्राचार्य की शिकायत पर फोरेंसिक का हथौड़ा, 33 माह तक निलंबित शिक्षक के पक्ष में आया सच

शिक्षा विभाग में षड्यंत्र की पटकथा फेल- झूठी FIR की तैयारी, अपने ही हस्ताक्षरों से मुकरने वाले प्राचार्य को फोरेंसिक रिपोर्ट ने घेरा

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सरकारी स्कूल की कुर्सी पर बैठकर शिक्षा की अलख जगाने वाले ही जब फर्जी शिकायत’ का जाल बुनने लगें, तो सवाल उठना लाजमी है। आलोट से सामने आए ताजा मामले ने पूरे शिक्षा महकमे को हिला कर रख दिया है।

क्या है पूरा मामला- शासकीय हाईस्कूल लुनी के माध्यमिक शिक्षक अखिलेश कुमार निगम ने पुलिस अधीक्षक रतलाम को सौंपे 14 बिंदुओं के शिकायती आवेदन में सनसनीखेज खुलासा किया है। आरोप है कि सांदिपनी विद्यालय आलोट के वर्तमान प्रभारी प्राचार्य फिरोज खान ने तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी केसी शर्मा की सांठगांठ कपट संधी से वर्ष 2021 में थाना आलोट में झूठी शिकायतें देकर उन्हें फर्जी हस्ताक्षर के मामले में फंसाने की साजिश रची।

फिरोज खान ने 24 मार्च 2021 और 05 अप्रैल 2021 को थाना आलोट में आवेदन देकर आरोप लगाया था कि अखिलेश निगम ने उनके फर्जी हस्ताक्षर-सील से 11/12/2019, 08/10/2020 और 28/10/2020 को पत्र जारी किए। इन्हीं शिकायतों के आधार पर रतलाम के तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी के.सी. शर्मा और सहायक संचालक व पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी धार लक्ष्मण देवड़ा ने भी बिना फोरेंसिक जांच के पुलिस कार्यवाही की अनुशंसा कर दी। नीमच के तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी एवं विभागीय जांच अधिकारी सी.के. शर्मा भी इस षड्यंत्र व घालमेल में शामिल हैं।

फोरेंसिक रिपोर्ट ने पलट दी बाजी - मजबूर होकर अखिलेश निगम ने जब निजी फोरेंसिक लैब से हस्ताक्षरों की जांच कराई तो रिपोर्ट ने सबको चौंका दिया। विशेषज्ञ की रिपोर्ट के मुताबिक विवादित दस्तावेजों पर बने हस्ताक्षर ‘फर्जी’ नहीं, बल्कि खुद फिरोज खान के ही हैं। यानी जिन दस्तावेजों को फर्जी बताकर एफआईआर की मांग की गई वे असली निकले।

33 महीने का निलंबन चार साल की जांच - मानसिक प्रताड़ना का आरोप - शिक्षक निगम का आरोप है कि इस ‘फर्जी शिकायत’ और विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत के चलते उन्हें 33 महीने तक निलंबित रहना पड़ा। ÷चार साल तक जांच को जानबूझकर लटकाया गया। मेरी सामाजिक प्रतिष्ठा, मानसिक शांति और सरकारी सेवा सब दांव पर लग गई, निगम ने आवेदन में लिखा।

अब FIR की मांग, अधिकारियों पर भी सवाल -

अखिलेश निगम ने एसपी रतलाम से मांग की है कि-

ज़फिरोज खान की 2021 की दोनों शिकायतों की निष्पक्ष जांच हो।

ज़फोरेंसिक रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर लेकर कार्यवाही हो।

ज़झूठी शिकायत व मिथ्या साक्ष्य देने पर फिरोज खान के खिलाफ ब्त्रह्रस् की सुसंगत धाराओं में केस दर्ज हो।

ज़बिना वैज्ञानिक जांच के कार्रवाई की अनुशंसा करने वाले तत्कालीन अधिकारियों की भूमिका भी जांची जाए।

गद्दारी’ या ‘साजिश- सवाल यह भी उठ रहे हैं कि क्या यह पूरा खेल विभाग में चल रही अवैधानिक मांग’ पूरी न करने का नतीजा था? क्या एक शिक्षक को फंसाने के लिए सिस्टम का दुरुपयोग किया गया? फोरेंसिक रिपोर्ट सामने आने के बाद अब गेंद पुलिस-प्रशासन के पाले में है।

आगे क्या- शिकायत की प्रतिलिपि एसडीओपी आलोट और थाना प्रभारी आलोट को भी भेजी गई है। अब देखना होगा कि पुलिस इस ‘उल्टा चोर कोतवाल को डांटे’ वाले मामले में क्या रुख अपनाती है।

भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल बदनावर की मासिक कामकाजी बैठक संपन्न

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल बदनावर की मासिक कामकाजी बैठक का आयोजन मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में मंडल प्रभारी बलबहादुर सिंह, जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद परमार, पूर्व जिला महामंत्री शिवराम सिंह रघुवंशी एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रजेंद्र भट्ट विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए मंडल प्रभारी बलबहादुर सिंह ने कहा कि संगठन की मजबूती प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रियता और समर्पण पर निर्भर करती है। उन्होंने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं अभियानों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्वों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करने का आह्वान किया।

जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद परमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित संगठन है। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने, नए सदस्यों को जोड़ने तथा आगामी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने संगठन की आगामी कार्ययोजना की जानकारी देते हुए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई तथा संगठनात्मक विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन हित में पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नगर मंडल कार्यकर्ता बुथ अध्यक्ष उपस्थित रहे कार्यक्रम का प्रवाही संचालन नगर मंडल छमहामंत्री संतोष राव ने किया आभार प्रदर्शन मंडल उपाध्यक्ष सुनील परमार ने माना उक्त जानकारी सोशल मीडिया प्रभारी राहुल जैन ने दी।

पर्यावरण बचाओ अभियान के अंतर्गत किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि विभाग द्वारा पर्यावरण बचाओ अभियान के अंतर्गत ग्राम राला में किसान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञों एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा किसानों को मृदा परीक्षण के महत्व के संबंध में जानकारी दी गई। कृषकों को संतुलित उर्वरक उपयोग के महत्व से अवगत कराते हुए नत्रजन, फास्फोरस, पोटाश एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों के वैज्ञानिक एवं अनुशंसित मात्रा में प्रयोग करने की सलाह दी गई। इसके अतिरिक्त समेकित पोषक तत्व प्रबंधन के अंतर्गत रासायनिक उर्वरकों के साथ-साथ जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट, गोबर खाद, हरी खाद एवं जैव उर्वरकों के समन्वित उपयोग पर विशेष बल दिया गया। किसानों को बताया गया कि इससे मृदा की उर्वराशक्ति दीर्घकाल तक बनी रहती है तथा पर्यावरण संरक्षण में भी सहायता मिलती है। आगामी खरीफ मौसम को दृष्टिगत रखते हुए किसानों को उन्नत एवं प्रमाणित बीजों के चयन, बीज उपचार, फसलवार पोषक तत्व प्रबंधन, जल संरक्षण एवं मौसम आधारित कृषि कार्यों के संबंध में समसामयिक तकनीकी सलाह प्रदान की गई। साथ ही किसानों को समय पर कृषि आदानों की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा विभागीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई- रामजानकी ट्रस्ट रानी घाटी मंदिर की 107 बीघा भूमि अतिक्रमण मुक्त कराई

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सरकारी एवं मंदिरों से संबंधित जमीनों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को प्रभारी कलेक्टर श्री कुमार सत्यम के निर्देश पर गई जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने विकासखंड घाटीगांव के अंतर्गत झांकरी ग्राम में बड़ी कार्रवाई कर श्री रामजानकी ट्रस्ट रानी घाटी मंदिर की 107 बीघा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया।

एसडीएम भितरवार श्री राजीव समाधिया के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के दौरान भूमि पर अवैध रूप से कब्जा किए हुए लोगों को बेदखल कर मंदिर की जमीन का विधिवत कब्जा मंदिर के पुजारी श्री कमलानंद महाराज को सौंपा गया। अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि की अनुमानित बाजार कीमत 11 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है।

कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग एवं पुलिस बल की मौजूदगी में मौके पर कब्जा दिलाने की प्रक्रिया पूरी की गई। मंदिर के पुजारी द्वारा भूमि की सीमाओं पर मुड्डियां गड़वाकर भूमि का कब्जा प्राप्त किया गया। जानकारी के अनुसार लगभग 35 अतिक्रमणकारी पिछले 25 से 30 वर्षों से इस भूमि पर अवैध रूप से कब्जा किए हुए थे।

यह कार्रवाई एसडीएम भितरवार श्री राजीव समाधिया, एसडीओपी श्री जितेन्द्र नगाइच, तहसीलदार सुश्री रुचि अग्रवाल, नायब तहसीलदार सुश्री पूजा मावई, थाना प्रभारी भितरवार एवं चीनोर सहित राजस्व विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा पुलिस बल की उपस्थिति में संपन्न हुई।

मानवाधिकार सुरक्षा संघ ने किया नवागत एसडीएम सत्येंद्र बैरवा का अभिनंदन, शहर के विकास और जनसमस्याओं पर हुई चर्चा

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मानवाधिकार सुरक्षा संघ के पदाधिकारियों ने खरगोन के नवागत एसडीएम सत्येंद्र बैरवा से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान संघ के सदस्यों ने नवागत एसडीएम का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें स्मृति चिह्न (छायाचित्र) भेंट कर अभिनंदन किया।

मुलाकात के दौरान मानवाधिकार सुरक्षा संघ के पदाधिकारियों और एसडीएम सत्येंद्र बैरवा के बीच शहर की विभिन्न व्यवस्थाओं, जनसमस्याओं और मानवाधिकारों से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। संघ के पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि एक कर्मठ और योग्य अधिकारी के खरगोन आगमन से शहर के विकास कार्यों को गति मिलेगी और आम जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण होगा।

मुलाकात में यह रहे उपस्थित-

इस गरिमामयी मुलाकात और स्वागत कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे- सतीश गांगले (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, मानवाधिकार सुरक्षा संघ)

इंजी. राधेश्याम पाटीदार (प्रदेश अध्यक्ष)

दिलीप पंचोली (प्रदेश मीडिया प्रभारी)

जितेंद्र भालसे (प्रदेश संगठन मंत्री)

संतोष महाजन

अंजू त्रिवेदी

नवागत एसडीएम सत्येंद्र बैरवा ने संघ के सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया और आश्वस्त किया कि शासन की मंशानुरूप आमजन की समस्याओं का समय पर समाधान करना और शहर में बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

नियत शुल्क से अधिक राशि वसूलने पर चार स्टाम्प विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्टाम्प विक्रेताओं द्वारा शपथ-पत्र एवं अन्य दस्तावेज तैयार कराने के नाम पर निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूलने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। जांच में शिकायतें सही पाए जाने पर चार स्टाम्प विक्रेताओं की भौतिक स्टाम्प विक्रय अनुज्ञप्तियां तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी गई हैं।

वरिष्ठ जिला पंजीयक श्रीमती क्षिप्रा सेन ने बताया है कि नागरिकों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर नायब तहसीलदार श्री अजय वर्मा द्वारा नगर विदिशा क्षेत्र में जांच की गई। जांच रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया कि शपथ-पत्र बनवाने के लिए स्टाम्प विक्रेताओं द्वारा निर्धारित शुल्क से अधिक राशि की मांग की जा रही थी। जबकि मध्यप्रदेश दस्तावेज लेखक (अनुज्ञापन एवं विनियमन) नियम, 2014 के नियम-11 के अंतर्गत दस्तावेज लेखन एवं संबंधित कार्यों के लिए शुल्क स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया है।

जांच के दौरान यह पाया गया कि कुछ स्टाम्प विक्रेता नियमों के विपरीत कार्य कर आमजन से अतिरिक्त धनराशि वसूल रहे थे। इस संबंध में प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के आधार पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्टाम्प विक्रेता श्री मोकमसिंह पंथी, श्री पवन कुमार सुमन, श्री सुब्रत राज जैन एवं श्री रियाज कुरैशी की भौतिक स्टाम्प विक्रय अनुज्ञप्ति तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासन द्वारा निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूलना नियमों का उल्लंघन है और ऐसी शिकायतें मिलने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आमजन से भी अपील की गई है कि किसी भी दस्तावेज या शपथ-पत्र के लिए निर्धारित शुल्क से अधिक राशि मांगे जाने पर इसकी सूचना संबंधित राजस्व अधिकारियों को दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इस कार्रवाई को प्रशासन द्वारा पारदर्शिता, जवाबदेही एवं नागरिक हितों की रक्षा की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

समान नागरिक संहिता के अध्ययन एवं परीक्षण हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक संपन्न

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समान नागरिक संहिता के अध्ययन एवं परीक्षण हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक आज कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में संपन्न हुई। यह बैठक उच्च स्तरीय समिति के सदस्य प्रोफेसर व शिक्षाविद श्री गोपाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी।

उच्च स्तरीय समिति के सदस्य प्रोफेसर गोपाल शर्मा ने बैठक में वेबसाइट ह्वष्.द्वश्च.द्द श1.द्बठ्ठ की जानकारी दी तथा बैठक में उपस्थित सामाजिक राजनीतिक व धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ आम नागरिकों से भी सुझाव प्राप्त किये हैं, प्राप्त सुझाव व ओपिनियन के आधार पर समान नागरिक संहिता को आगे बढ़ाया जाएगा।

समिति के सदस्य श्री गोपाल शर्मा ने बैठक में कहा कि मध्य प्रदेश में यूसीसी लागू किया जाना है, इसके लिए योजना तैयार की गई है। अधिक से अधिक सुझाव प्राप्त करना ही जिसका उद्देश्य है। विचार विमर्श उपरांत इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में समान नागरिक का अधिकार सभी को मिले महिला और पुरुष में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं हो, चाहे वह बालक हो बालिका हो भेदभाव नहीं होना चाहिए। परिवार इसका केंद्र बिंदु है। साथ ही उन्होंने विवाह संबंध में आवश्यक जानकारी देते हुए कहा कि जीवन में एक व्यक्ति को एक ही विवाह करना चाहिए के अलावा लिव इन रिलेशनशिप पर भी उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि लिव इन में रहने वालों के लिए रजिस्ट्रेशन किए जाने की प्रक्रिया शुरू होगी। समाज को मिलकर आगे आना होगा। लैंगिक समानता का विकास होगा जिससे देश अग्रसर होगा।

यात्रियो की उम्मीदे रेलवे से जुड़ी हिसार - कोटा ट्रेन को नागदा - उज्जैन तक चलाने की मांग

तीन प्रमुख धार्मिक स्थलों को जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल, रेलवे को भी हो सकता है लाभ

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हिसार-कोटा ट्रेन को नागदा होते हुए उज्जैन तक विस्तारित किए जाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। क्षेत्र के यात्रियों का मानना है कि यदि इस ट्रेन का संचालन उज्जैन तक किया जाता है तो इससे न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि रेलवे की आय में भी सकारात्मक वृद्धि होने की संभावना है।

पिछले तीन वर्षों से सामाजिक कार्यकर्ता *राजेश सकलेचा* लगातार रेलवे अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष इस ट्रेन के विस्तार की मांग रखते आ रहे हैं। उनका कहना है कि वर्तमान में यह ट्रेन कोटा में लंबे समय तक खड़ी रहती है, ऐसे में उपलब्ध समय का उपयोग करते हुए इसे नागदा-उज्जैन तक बढ़ाया जा सकता है।

सकलेचा का मानना है कि ट्रेन के उज्जैन तक पहुंचने से देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं को एक ही रेल संपर्क के माध्यम से खाटू श्यामजी, सालासर बालाजी और विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन का लाभ मिल सकेगा। इससे धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

उज्जैन और नागदा क्षेत्र से बड़ी संख्या में यात्री राजस्थान एवं हरियाणा की ओर यात्रा करते हैं। ऐसे में ट्रेन का विस्तार होने पर यात्री संख्या बढ़ सकती है, जिससे रेलवे के राजस्व में भी वृद्धि होने की संभावना है।

क्षेत्र के यात्रियों और सामाजिक संगठनों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि यात्रियों की सुविधा, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा तथा संभावित राजस्व वृद्धि को ध्यान में रखते हुए इस प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार किया जाए। यात्रियों को उम्मीद है कि रेलवे इस मांग का तकनीकी और व्यावहारिक अध्ययन कर शीघ्र निर्णय लेगा।

ई-टोकन प्रणाली की समस्या को लेकर देपालपुर एसडीएम कार्यालय पर पुजारियों का महा-धरना; डॉ. रोहित बैरागी के नेतृत्व में प्रशासन को दी चेतावनी

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश÷ई-टोकन प्रणाली में आ रही तकनीकी खामियों और पुजारियों को हो रही भारी परेशानियों के विरोध में आज देपालपुर एसडीएम कार्यालय परिसर में एक बड़ा धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। श्री रामानंदी नवनिर्वाण सेना के म.प्र. प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित बैरागी के कुशल नेतृत्व में बड़ी संख्या में जिले भर के पुजारी और पदाधिकारी एकत्रित हुए।

प्रशासन की मनमानी के खिलाफ हुंकार- सुबह 9÷00 बजे से शुरू हुआ यह धरना प्रदर्शन कार्यालय के कार्य समय के अंत तक जारी रहा। प्रदर्शनकारियों का मुख्य मुद्दा ई-टोकन जनरेशन में आ रही निरंतर समस्या थी, जिससे पुजारियों को अपने दैनिक कार्यों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ रहा था।

तहसीलदार का आश्वासन, जिम्मेदारी पर टिकी उम्मीद- लगातार घंटों चले विरोध प्रदर्शन के बाद, स्थानीय तहसीलदार महोदय ने प्रदर्शन स्थल पर पहुँचकर पुजारियों और पदाधिकारियों से चर्चा की। तहसीलदार ने समस्या की गंभीरता को समझते हुए आश्वासन दिया कि ÷ई-टोकन की समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा और कल सुबह 9÷00 बजे तक टोकन स्वतः ही जनरेट हो जाएंगे। तहसीलदार ने इस कार्य को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी बताते हुए पुजारियों को आश्वस्त किया, जिसके बाद धरना प्रदर्शन समाप्त किया गया।

प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति- इस आंदोलन को सफल बनाने और पुजारियों की आवाज बुलंद करने के लिए कई प्रमुख समाज सेवी और पदाधिकारी मौजूद रहे÷

म, रवि जी गोस्वामी राष्ट्रीय गौ रक्षा प्रदेशउपाध्यक्ष बजरंग दल गौ सेवा प्रमुख देपालपुर

महंत राजेंद्र जी (संभाग अध्यक्ष, केसरिया हिंदू वाहिनी, इंदौर)

राहुल बैरागी (जिला अध्यक्ष, श्री रामानंदी नवनिर्वाण सेना, इंदौर)

जितेंद्र जी वैष्णव, अशोक जी, महंत कमल दास जी बैरागी (खंजरपूरा),एवं अन्य गणमान्य पुजारी गण।

डॉ. रोहित बैरागी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा में ई-टोकन की समस्या हल नहीं हुई, तो आगामी समय में आंदोलन को और अधिक उग्र रूप दिया जाएगा।

पात्र बालिकाएं लाड़ली लक्ष्मी योजना से वंचित न रहे और सुकन्या समृद्धि योजना में खाते खुलवाने की प्रक्रिया में तेजी लाएं - कलेक्टर

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में आज जिला स्तर पर संचालित मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता कांस्बा, सहायक संचालक श्री विवेक शर्मा सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में योजना अंतर्गत नवीन पंजीयन , लाभान्वित बालिकाओं की संख्या तथा लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने निर्देश दिए कि योजना के पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध रूप से लाभ उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी पात्र बालिका लाड़ली लक्ष्मी योजना से वंचित न रहे।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने कक्षा 1 से कक्षा 8 तक अध्ययनरत उन बालिकाओं के प्रकरणों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए, जिनका पंजीयन अभी तक नहीं हो सका है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ऐसे सभी प्रकरणों का सत्यापन कर पात्रता अनुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण किया जाए।

बैठक में शिक्षा विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि लाड़ली लक्ष्मी योजना से संबंधित सभी बालिकाओं की जानकारी शिक्षा पोर्टल पर अद्यतन की जाए। साथ ही बालिकाओं के सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत खाते खुलवाने की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा आवश्यक समन्वय स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए।

नकली खाद-बीज के विक्रय पर रोक लगाने के लिए करें नियमित जांच, अमानक सामग्री मिलने पर हो सख्त कार्रवाई - कलेक्टर

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए।

बैठक मे कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए खाद-बीज विक्रय केंद्रों की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए तथा नकली अथवा अमानक खाद-बीज के विक्रय पर प्रभावी रोक लगाई जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद बीज उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है और इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में कलेक्टर ने कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में संचालित खाद-बीज विक्रय केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जाए। निरीक्षण के दौरान स्टॉक, गुणवत्ता, लाइसेंस तथा विक्रय संबंधी अभिलेखों की जांच की जाए। यदि किसी केंद्र पर अमानक अथवा नकली खाद-बीज का भंडारण या विक्रय पाया जाता है तो संबंधित विक्रेता के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने कहा कि खरीफ सीजन को देखते हुए किसानों की मांग के अनुरूप खाद एवं बीज की उपलब्धता बनाए रखना भी आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को प्रमाणित एवं गुणवत्तायुक्त बीजों के उपयोग के लिए जागरूक किया जाए तथा किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर उसका तत्काल निराकरण किया जाए।

खाद्य विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत संचालित पात्रता पर्चियों एवं राशन कार्डों का नियमित सत्यापन किया जाए। उन्होंने कहा कि अपात्र तथा मृत हितग्राहियों के नाम सूची से हटाए जाएं, ताकि वास्तविक एवं नए पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मिल सके। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी पात्रता सूची का गंभीरता से परीक्षण करें तथा अपात्र एवं मृत हितग्राहियों के नामों को नियमानुसार हटाने की कार्रवाई करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि ऐसे परिवार, जो पात्र होने के बावजूद अभी तक सूची में शामिल नहीं हो सके हैं, उनके नाम प्राथमिकता के आधार पर जोड़े जाएं। उन्होंने हितग्राहियो की शत-प्रतिशत ईकेवाईसी कराने के भी? निर्देश दिये।

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के ने 05 जून से प्रारंभ हुए जनकल्याण अभियान की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने अधिकारियों से कहा कि अभियान के दौरान विभिन्न विभागों की योजनाओं के पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें समयबद्ध तरीके से लाभान्वित किया जाए।

समाज की एक ता शक्ति लाती है और शक्ति से सत्ता मिलती है

पूर्ण स्वाभिमान के साथ निकली बदनावर में शौर्य यात्रा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में प्रतिवर्षअनुसार इस वर्ष भी श्री महाराणा प्रताप की 486जयंती पर युवा राजपूत संगठन के सौजन्य से निकाली गई ।

महाराणा चौक पर स्थापित श्री महाराणा प्रताप की प्रतिमा का पूजन और माल्यार्पण कर अतिथियों ने श्री राजपूत धर्मशाला माथुर कॉलोनी पहुंच कर शौर्य यात्रा प्रारंभ की। यात्रा में सबसे आगे घोड़े बग्गी और बग्गी पर श्री महाराणा प्रताप की तस्वीर और उनके पीछे युवा बना सरदार अश्वारोही होकर चल रहे थे। और उनके सब के पीछे पूरे बदनावर विधानसभा क्षेत्र के समस्त राजपूत सरदार अपनी पारंपरिक वेशभूषा में आए अतिथियों के साथ पूरे नगर में होकर निकले ।जहां पर कई मंडल और समाज सेवी संगठनों ने यात्रा का पुष्प माला और पुष्प वर्षा का स्वागत किया गया अतिथियों एवं संगठन के अध्यक्ष महिपाल सिंह पंचकवासा स्वागत किया गया। पूरे नगर ने राजपूत समाज की इस शौर्य यात्रा को निहारा और अपने भारत भूमि पर गर्व महसूस किया जिस धरती पर ऐसे वीर महापुरुष जन्म लेते हैं वह मातृभूमि महान होती है। और भारत भूमि में वह तासीर है जहां वीर योद्धा जन्म लेते हैं।

शौर्य यात्रा का समापन माथुर कॉलोनी स्थित धर्मशाला परिसर में किया गया तत्पश्चात मंचीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसमें अतिथि के रूप में

क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राज शेखावत प्रदेश अध्यक्ष इंदल सिंह राणा समाजसेवी शरद सिंह सिसोदिय, जय राजपूताना संघ प्रदेश संयोजक लाखन सिंह कटोरिया श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष, शिव प्रताप सिंह, नगर परिषद उपाध्यक्षराजेंद्र सिंह पवार बापू वरिष्ठ समाजसेवीनिरंजन सिंह जी पिटगार, नारायण सिंह बिजुर डॉ गोपाल सिंह ठाकुर जसवंत सिंह नवासा कमल सिंह कलसाड महेंद्र सिंह जी सिलोदा जसवंत सिंह जी नवासा लखन सिंह अतिथि के रूप में उपस्थित रहे अतिथियों ने कार्यक्रम की शुरुआत महाराणा प्रताप और मां सरस्वती के चित्र पर पूजन और माल्यार्पण कन्या दिव्या सिंह सोलंकी के हाथों से कराकर प्रारंभ की। समस्त अतिथियों का स्वागत युवा राजपूत संगठन केउपस्थित पदाधिकारी द्वारा किया गया कार्यक्रम में अतिथि परिचय गोविंद सिंह डोडिया छोटा कटोरिया ने किया तो वही स्वागत भाषण युवा राजपूत संगठन के अध्यक्ष महिपाल सिंह पंचकवासा ने दिया कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार भूपेंद्र सिंह जादौन ने किया। संबोधन की कड़ी मे समाज के वरिष्ठ शरद सिंह सिसोदिया ने बदनावर के वहां की एकता की प्रशंसा की और साथ ही समाज उत्थान हेतु किया जा रहे हैं ऐसे कार्यों के लिए सदैव का तन मन धन से साथ देने की बात कही।

वही कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राज शेखावत ने अपने संबोधन में कहा एकता में शक्ति है और शक्ति ही सत्ता लाती है हमें सबको एक होकर समाज स्थान के लिए निरंतर कार्य करना है और अपने ताकत को वोट में भी बदलना है क्योंकि लोकतंत्र में ही वोट सबसे बड़ी ताकत है यूजीसी हमारे बच्चों के भविष्य को छीन रहा है हमें यूजीसी में बदलाव लाने के लिए आगामी समय में दिल्ली जाकर के आंदोलन भी करना होगा एकजुट होकर और हम सभी सवर्ण ब्राह्मण क्षत्रिय और वैश्य समाज के लोग मिलकर करेंगे मिलकर करेंगे

कार्यक्रम में पूरी बदनावर विधानसभा से समस्त ठिकाने दार राजपूत सरदारों ने उपस्थित दिखाई और समाज की एकता के लिए एक मत होकर कार्य करने की शपथ ली। यात्रा में आए अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । साथ ही युवा राजपूत संगठन के समयदानी कार्यकर्ताओं का भी अतिथियों ने

शील्ड देकर सम्मान किया युवा राजपूत संगठन के सक्रिय सदस्य जितेन्द्र सिंह जादोन सुरेंद्र सिंह राठौर गोपाल सिंह सेमलिया राजेंद्र सिंह खेड़ी गोविंदा का छोटा कठोडिया समर सिंह Ghanshyam Singh लखन गोहिल अरविंद पवार लखन पवार गोविंद पवार विनोद सिंह मानसा राहुल कलसाडा कमल कलसाडा वीरेंद्र सिंह राजन सोलंकी प्रिंस बना सुरेंद्र सिंह सिसोदिया गोविंद सिंह करंजवा शंभू सिंह आदि कार्यक्रम का आभार संगठन के कोषाध्यक्ष जितेंद्रसिंह जादौन ने माना।

आबकारी विभाग द्वारा की गई अवैध मदिरा की रोकथाम हेतु कार्यवाही

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध मदिरा पर रोकथाम के लिये कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह एवं उपायुक्त आबकारी इंदौर संभाग द्वारा सतत् कार्यवाही के निर्देश दिये है। निर्देश के पालन में जिला आबकारी अधिकारी श्री आर. सी. बारोड़ के मार्गदर्शन में एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमति अभिलाषा वर्मा के नेतृत्व में आबकारी वृत-अंजड़ के उपनिरीक्षक कमलेश बामनिया द्वारा 6 जून को दौराने गस्त एवं रोड़ चैकिंग के दौरान अज्ञात आरोपी बोलेरो पीकप वाहन को छोडकर भाग गया। उक्त बोलेरो पीकप वाहन जिसका पंजीयन कमांक MP-46-G-2872 की विधिवत तलाशी लेने पर भुसे के बोरो से ढकी 100 पेटी लंदन प्राइस प्रिमियम व्हिस्की मदिरा की बरामद हुई. जिसकी मौके पर गणना एवं मापन करने पर प्रत्येक पेटी में 180-180 ML के 50-50 पाव बरामद हुई. इस प्रकार कुल जप्त मदिरा की मात्रा 900 बल्कलीटर होना पाई। जप्त मदिरा एवं वाहन का कुल अनुमानित बाजार मूल्य 12,50,000/- रूपये हैं। अज्ञात फरार आरोपी का उक्त कृत्य म.प्र आबकारी अधिनियम की धारा 34 के तहत दण्डनीय अपराध होने से अज्ञात फरार आरोपी के विरूध्द म.प्र आबकारी अधिनियम की धारा 34 के तहत आबकारी वृत-अंजड़ में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त कार्यवाही में आबकारी आरक्षक प्रिया सुल्या का विशेष योगदान रहा है।

कुएं में गिरने से युवक की मौत, परिवार में छाया मातम

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम बरखेड़ापंथ में मंगलवार शाम एक दर्दनाक हादसे में 35 वर्षीय युवक की कुएं में गिरने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है तथा मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बरखेड़ापंथ निवासी प्रहलाद पिता नंदकिशोर सुथार (35) सोमवार शाम करीब 6.30 बजे अपने निजी बाड़े में स्थित कुएं पर किसी कार्य में लगे हुए थे। इसी दौरान कुएं के ऊपर बनी पट्टी अचानक टूट गई, जिससे उनका संतुलन बिगड़ गया और वे सीधे कुएं में जा गिरे। हादसे के समय आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिससे तत्काल सहायता नहीं मिल सकी। कुछ देर बाद परिजनों को घटना की जानकारी लगी तो उन्होंने आसपास के ग्रामीणों को बुलाया। ग्रामीणों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करते हुए काफी मशक्कत के बाद प्रहलाद को कुएं से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने पर क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। बताया जा रहा है कि मृतक प्रहलाद विवाहित था, लेकिन वर्तमान में उसकी पत्नी उसके साथ नहीं रहती थी और वह अकेले ही जीवन-यापन कर रहा था। परिवार में वह इकलौता पुत्र था। उसकी असामयिक मृत्यु से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर पर मातम पसरा हुआ है तथा परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि जिस कुएं में यह हादसा हुआ है, उसका इतिहास भी दुखद रहा है। वर्ष 2004 में इसी कुएं में जहरीली गैस के रिसाव के कारण दो लोगों की मौत हो चुकी थी। करीब दो दशक बाद एक बार फिर इसी कुएं ने एक परिवार का चिराग बुझा दिया।

किसानों एवं आदिवासी परिवारों के हितों की रक्षा हेतु विधायक भंवरसिंह शेखावत ने शासन को लिखा पत्र, उर्वरक उपलब्धता एवं भूमि अधिग्रहण के मुद्दे उठाए

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री भंवरसिंह शेखावत ने क्षेत्र के किसानों एवं आदिवासी परिवारों से जुड़े महत्वपूर्ण जनहित के विषयों को लेकर मध्यप्रदेश शासन के समक्ष गंभीरता से मुद्दे उठाए हैं। विधायक श्री शेखावत ने किसानों को खरीफ सीजन में पर्याप्त मात्रा में रासायनिक उर्वरक उपलब्ध कराने तथा पी.एम. मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क हेतु प्रस्तावित अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण पर पुनर्विचार करने की मांग करते हुए संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र प्रेषित किए हैं।

विधायक श्री शेखावत ने किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग को लिखे पत्र में उल्लेख किया है कि बदनावर विधानसभा क्षेत्र तथा सम्पूर्ण प्रदेश मुख्यतः कृषि आधारित क्षेत्र है, जहां बड़ी संख्या में किसान खरीफ फसलों की बुवाई की तैयारियों में जुटे हुए हैं। ऐसे समय में किसानों को पर्याप्त मात्रा में यूरिया, डीएपी, एनपीके सहित अन्य आवश्यक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि विगत वर्षों में कई बार उर्वरकों की कमी के कारण किसानों को लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ा तथा उन्हें आर्थिक एवं मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसलिए शासन द्वारा अग्रिम रूप से पर्याप्त भंडारण एवं सुचारू वितरण व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए, जिससे किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध हो सके और कृषि कार्य प्रभावित न हो।

इसके साथ ही विधायक श्री शेखावत ने प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन को पत्र लिखकर पी.एम. मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क से जुड़े भूमि अधिग्रहण के विषय में भी क्षेत्र की जनता की भावनाओं से अवगत कराया है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि बदनावर क्षेत्र में पी.एम. मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क हेतु पूर्व में लगभग 861 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है, जिसके कारण अनेक कृषक एवं आदिवासी परिवारों की आजीविका प्रभावित हुई है। वर्तमान में ग्राम भेरूपाड़ा एवं चिराखान की लगभग 329.64 एकड़ भूमि के अधिग्रहण की संभावनाओं को लेकर क्षेत्र में चिंता का वातावरण निर्मित हो गया है।

विधायक श्री शेखावत ने कहा कि उक्त भूमि पर वर्षों से आदिवासी एवं कृषक परिवार कृषि कार्य कर रहे हैं तथा उनका जीवन-यापन इसी भूमि पर आधारित है। ऐसे में यदि पुनः भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही की जाती है तो अनेक परिवारों के समक्ष रोजगार, आजीविका एवं भविष्य का संकट उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने शासन से आग्रह किया है कि जनभावनाओं, सामाजिक न्याय एवं आदिवासी हितों को ध्यान में रखते हुए पी.एम. मित्र पार्क हेतु वास्तव में आवश्यक भूमि के अतिरिक्त शेष भूमि को अधिग्रहण से मुक्त रखा जाए तथा वास्तविक काबिज कृषकों एवं आदिवासी परिवारों को नियमानुसार अधिकार एवं पट्टे प्रदान किए जाएं।

विधायक श्री शेखावत ने कहा कि विकास कार्यों का वे पूर्ण समर्थन करते हैं, किन्तु विकास के साथ-साथ किसानों, आदिवासियों एवं ग्रामीण परिवारों के हितों की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। शासन की योजनाओं का लाभ जनता को मिले, लेकिन किसी भी परिवार की आजीविका और अधिकार प्रभावित न हों, इसके लिए संतुलित एवं संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र तथा सम्पूर्ण प्रदेश के किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराना तथा आदिवासी एवं ग्रामीण परिवारों के अधिकारों की रक्षा करना उनकी प्राथमिकता है। विधानसभा क्षेत्र की जनता की आवाज को शासन तक पहुंचाना उनका दायित्व है और जनहित से जुड़े प्रत्येक विषय पर वे लगातार संघर्ष करते रहेंगे।

विधायक श्री शेखावत ने मध्यप्रदेश शासन से दोनों विषयों पर गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया है, जिससे किसानों, आदिवासी परिवारों एवं ग्रामीण जनता को राहत मिल सके तथा क्षेत्र में विकास एवं जनकल्याण के बीच संतुलन स्थापित हो सके। उक्त जानकारी विधायक निज सहायक आर.पी.सिंह द्वारा दी गई।

आशाग्राम ट्रस्ट में 148 मरीजो का हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आशाग्राम ट्रस्ट में एलएनसीटी एवं सेवाकुंज हॉस्पिटल इंदौर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित मेगा हेल्थ चेकअप शिविर में 148 मरीजो ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवा कर आवश्यक चिकित्सा परामर्श प्राप्त किया। आशा चिकित्सालय परिसर में आयोजित शिविर में 35 मरीजो को इंदौर में उपचार के दौरान निशुल्क एमआरआई, सीटी स्कैन एवं सोनोग्राफी तथा आवश्यक सर्जरी हेतु एलएनसीटी एवं सेवाकुंज हॉस्पिटल के द्वारा सुविधा उपलब्ध करवाई गई । चिह्नित मरीजों को इंदौर आने जाने के लिए परिवहन चिकित्सालय में भर्ती के दौरान भोजन इत्यादि की सुविधा भी निशुल्क प्रदान की जाएगी। कलेक्टर एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमती जयति सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में दूर दराज के लोगों ने लाभ उठाकर आवश्यक सर्जरी हेतु मिल रही निशुल्क सुविधा के प्रति आभार व्यक्त किया। ट्रस्ट के सचिव डॉ चक्रेश पहाड़िया ने बताया हमारा मुख्य उद्देश्य चिकित्सा सेवाओं को सुगम बनाकर जन-जन को लाभान्वित करना है। इसी उद्देश्य के साथ आशा चिकित्सालय भी अपनी चिकित्सा सेवाएं जरूरतमंदों को प्रदान कर रहा है। एलएनसिटी के प्रशासक श्री मृदुल मुद्गल ने बताया ट्रस्ट के सेवा कार्यों में सदैव सहयोगी बनकर चिकित्सा सेवा जन-जन के लिए उपलब्ध करवाएंगे। इस दौरान आशाग्राम ट्रस्ट के डॉ केपी सिंह, श्री के एस मकवाना, श्री मनीष पाटीदार श्री सचिन दुबे एवं इंदौर से आए हुए चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहे।

श्री महावीर हायर सेकेंडरी स्कूल , आलोट में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विद्यालय एवं विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य तथा शैक्षणिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार के उद्देश्य से आज श्री महावीर हायर सेकेंडरी स्कूल ,आलोट में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातःकालीन योग एवं प्रार्थना सत्र से हुआ, जिसका संचालन श्री दशरथ शर्मा एवं श्रीमती वीणा गानू द्वारा किया गया। योग एवं प्रार्थना के माध्यम से शिक्षकों को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य के महत्व से अवगत कराया गया।

तत्पश्चात मुख्य अतिथि के रूप में पधारे नवोदय विद्यालय के प्राचार्य श्री शांतिलाल तेली का विद्यालय परिवार द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ।

विद्यालय के प्राचार्य श्री मनोज शर्मा ने शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बदलते समय के साथ शिक्षकों का ज्ञान एवं कौशल निरंतर अद्यतन होना आवश्यक है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा शिक्षक की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्य अतिथि श्री शांतिलाल तेली ने अपने प्रेरणादायी उदबोधन में शिक्षक के दायित्व, समाज में उसकी भूमिका तथा सतत् सीखते रहने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जब सीखना रुक जाता है, तब सिखाने की प्रक्रिया भी प्रभावी नहीं रह जाती। उनके विचारों ने उपस्थित शिक्षकों को नई दिशा एवं प्रेरणा प्रदान की।

द्वितीय सत्र में सभी शिक्षकों को पूर्व-प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक वर्गों के अनुसार समूहों में विभाजित किया गया। विभिन्न समूहों में शिक्षण पद्धतियों, नवाचारों, विद्यार्थियों की अधिगम आवश्यकताओं तथा शैक्षणिक उन्नयन से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

अंतिम सत्र में प्रतिपुष्टि प्रस्तुति आयोजित की गई। योग एवं प्रार्थना सत्र पर श्रीमती वीणा गानू ने अपने विचार व्यक्त किए। पूर्व-प्राथमिक समूह की ओर से श्रीमती सुनीता परमार, प्राथमिक समूह की ओर से श्रीमती डॉली कदम, माध्यमिक समूह की ओर से श्रीमती सोनिया दुबे तथा उच्च माध्यमिक समूह की ओर से श्री नीरज जैन ने अपने-अपने समूहों की चर्चा एवं निष्कर्ष प्रस्तुत किए। संपूर्ण कार्यक्रम ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं सहभागितापूर्ण रहा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों की व्यावसायिक दक्षताओं के विकास, विद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सार्थक पहल सिद्ध होगा। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती शिखा शर्मा द्वारा किया गया।

सीटी स्कैन जांच सुविधा मिलने से मरीजों का इलाज हुआ आसान

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय खंडवा में पी.पी.पी. मोड पर सीटी स्कैन मशीन से जांच की सुविधा वर्ष 2022 में शुरू की गई थी इस जांच सुविधा से मरीजों की परेशानी कम हो गई है। जिला चिकित्सालय में यह सुविधा थीटा डायग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से शुरू की गई है। सिविल सर्जन डॉक्टर अनिरुद्ध कौशल ने बताया कि जनवरी 2022 से अभी तक कुल 55338 मरीजों की सीटी स्कैन जांच की जा चुकी हैं द्य प्रदेश सरकार द्वारा पी.पी.पी. मोड पर उपलब्ध कराई गई इस सुविधा के माध्यम से मरीजों का ब्रेन हेमरेज, ट्यूबरक्लोसिस और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की जाँच जिला अस्पताल में ही संभव हो सकी हैं। तुरंत जांच रिपोर्ट आने से डॉक्टर द्वारा स्थानीय स्तर पर ही मरीज का फ़ौरन इलाज करना संभव हो गया है। डॉ अनिरुद्ध कौशल ने बताया कि पहले शासकीय अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन नहीं होने की वजह से मरीजो को सीटी स्कैन करवाने इंदौर जैसे बड़े शहरों में जाना पड़ता था जो कि मरीज के लिए बहुत ही महंगा साबित होता था। सरकारी अस्पताल में मशीन लगने के बाद जरूरतमंद और गरीब लोगों के लिए सीटी स्कैन करवाना बहुत सुविधाजनक एवं आसान हो गया है। जिला अस्पताल में सीटी स्कैन प्रभारी सनी तोमर ने बताया कि सीटी स्कैन मशीन फिलिप्स कंपनी की 32 स्लाइस वाली और लेटेस्ट टेक्नोलॉजी से युक्त है। इससे मरीज की बीमारी के संबंध में जांच रिपोर्ट एकदम स्पष्ट आती है। उन्होंने बताया कि थीटा डायग्नोस्टिक्स पर सीटी स्कैन का मूल्य अन्य प्राइवेट अस्पतालों से अपेक्षाकृत बहुत कम निर्धारित किया गया है। सिविल सर्जन डॉक्टर कौशल ने बताया कि गरीब वर्ग के परिवारों एवं आयुष्मान कार्ड धारक परिवारों को सीटी स्कैन की सुविधा निशुल्क उपलब्ध कराई जाती है।

चार साल से बंद पड़ा लाखों की लागत का सार्वजनिक शौचालय, खुले में शौच को मजबूर प्रवासी मजदूर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने और खुले में शौच की समस्या समाप्त करने के उद्देश्य से करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन ग्राम पंचायत कनघट्टी में इसकी हकीकत कुछ और ही नजर आ रही है। यहां पूर्व सरपंच स्वर्गीय बसंतीलाल आर्य की धर्मपत्नी दाखीबाई आर्य के कार्यकाल में लाखों रुपये की लागत से निर्मित सार्वजनिक सुलभ शौचालय पिछले लगभग चार वर्षों से बंद पड़ा हुआ है। रख-रखाव और संचालन के अभाव में यह शौचालय अब धूल खा रहा है, जबकि गांव में आने वाले सैकड़ों प्रवासी मजदूर और ग्रामीण खुले में शौच करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत कनघट्टी कृषि प्रधान क्षेत्र है, जहां वर्ष में दो बार फसल कटाई और अन्य कृषि कार्यों के दौरान बड़ी संख्या में आदिवासी प्रवासी मजदूर रोजगार के लिए आते हैं। इन मजदूरों की संख्या लगभग 500 से 700 तक पहुंच जाती है। लेकिन गांव में सार्वजनिक शौचालय बंद होने के कारण उन्हें सुबह-शाम खुले स्थानों, सड़कों के किनारे, बस स्टैंड क्षेत्र, बालाजी मंदिर के पीछे तथा अन्य सार्वजनिक जगहों पर शौच के लिए जाना पड़ता है। इससे न केवल गांव का वातावरण दूषित हो रहा है बल्कि स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। गांव के युवा सामाजिक कार्यकर्ता अजय नागरिया ने इस मामले को गंभीर बताते हुए ग्राम पंचायत प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि लाखों रुपये खर्च कर बनाए गए सार्वजनिक शौचालय का वर्षों तक बंद रहना सरकारी धन की बर्बादी का स्पष्ट उदाहरण है। यदि यह शौचालय संचालित होता तो ग्रामीणों और प्रवासी मजदूरों को बेहतर सुविधा मिल सकती थी तथा गांव को खुले में शौच की समस्या से मुक्ति मिलती। नागरिया का कहना है कि ग्रामीणों द्वारा पिछले तीन वर्षों से लगातार पंचायत और संबंधित अधिकारियों के समक्ष शिकायतें की जा रही हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा इस महत्वपूर्ण जनसमस्या की अनदेखी की जा रही है, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि मामले की जानकारी जनपद पंचायत स्तर तक पहुंचने के बाद भी कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। नागरिया ने कहा कि मल्हारगढ़ जनपद पंचायत के सेक्टर प्रभारी इंजीनियर महेश कुमावत द्वारा वास्तविक स्थिति के विपरीत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसके कारण समस्या का समाधान और अधिक लंबित हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि जब सार्वजनिक शौचालय का निर्माण शासन की स्वीकृति से हुआ था और उस पर लाखों रुपये खर्च किए गए थे, तो उसे शुरू करने में आखिर क्या बाधा है।नग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि गांव में विकास कार्यों और जनसुविधाओं के संचालन में भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। उनका कहना है कि पंचायत द्वारा कई आवश्यक सुविधाओं की उपेक्षा की जा रही है, जिसका सीधा असर आम नागरिकों पर पड़ रहा है। विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और प्रवासी मजदूरों को शौचालय की सुविधा नहीं मिलने से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नागरिया ने बताया कि इस संबंध में जिला कलेक्टर को भी शिकायत भेजकर पूरे मामले से अवगत कराया गया है। उन्होंने मांग की है कि जिला प्रशासन ग्राम पंचायत कनघट्टी में बंद पड़े सार्वजनिक शौचालय की स्थिति की निष्पक्ष जांच कराए तथा उसे तत्काल चालू करने के निर्देश जारी करे। साथ ही शौचालय के संचालन में हुई लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही भी तय की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र ही शौचालय को शुरू नहीं किया गया तो वे इस मुद्दे को लेकर जन आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। उनका मानना है कि स्वच्छ भारत अभियान की सफलता तभी संभव है जब जमीनी स्तर पर बनाई गई सुविधाओं का वास्तविक उपयोग सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद अभियान के उद्देश्य अधूरे ही रह जाएंगे।

हर ग्राम में बनेगी एक लखपति गोपालक दीदी, पशुपालन और मत्स्य क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर दिया जायेगा विशेष ध्यान

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्त आधार बनाने के उद्देश्य से कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल की अध्यक्षता में पशुपालन, डेयरी एवं मछुआ कल्याण विभाग की संयुक्त संभागीय समीक्षा बैठक इंदौर में आयोजित की गई।

बैठक में प्रमुख सचिव पशुपालन श्री उमाकांत उमराव, सचिव मत्स्य पालन श्री स्वतंत्र कुमार सिंह, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सहित संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशुपालन को केवल सहायक व्यवसाय न मानकर ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बनाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक ग्राम में कम से कम एक लखपति गोपालक दीदी तैयार करने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जाए। महिला स्व-सहायता समूहों को पशुपालन गतिविधियों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास किए जाएं, जिससे ग्रामीण महिलाओं की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो सके। उन्होंने क्षीरधारा ग्राम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से गांवों में दुग्ध उत्पादन और दुग्ध व्यवसाय को संगठित स्वरूप प्रदान किया जाए। दुग्ध उत्पादकों को आधुनिक तकनीकों, वैज्ञानिक पशुपालन और बेहतर विपणन सुविधाओं से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के प्रयास किए जाएं।

श्री वर्णवाल ने हिरण्यगर्भ नस्ल सुधार अभियान को परिणाममूलक ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उन्नत नस्ल के पशुओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर नस्ल सुधार कार्यक्रम चलाए जाएं। कृत्रिम गर्भाधान और अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग बढ़ाकर पशुओं की उत्पादकता में वृद्धि सुनिश्चित की जाए। बैठक में उन्होंने कहा कि पशुपालकों को संतुलित एवं पौष्टिक पशु आहार की जानकारी और उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। संतुलित आहार से पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर होगा तथा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशु पोषण संबंधी जागरूकता अभियान भी चलाए जाएं। बैठक में प्रमुख सचिव पशुपालन श्री उमाकांत उमराव ने प्रदेश को उन्नत नस्ल के पशुओं के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कई पशुपालकों को उच्च गुणवत्ता वाली नस्ल के पशुओं के लिए अन्य राज्यों पर निर्भर रहना पड़ता है। यदि प्रदेश में ही उन्नत नस्ल के पशुओं का पर्याप्त उत्पादन होगा तो पशुपालकों को कम लागत पर स्थानीय स्तर पर बेहतर नस्ल के पशु उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। बैठक में ब्रीडर संघों के गठन पर भी चर्चा हुई। श्री वर्णवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशु प्रजनन से जुड़े किसानों और उद्यमियों को संगठित कर ब्रीडर संघों का गठन किया जाए, जिससे गुणवत्तापूर्ण नस्ल विकास कार्यक्रमों को गति मिल सके। उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचे। इसके माध्यम से पशुपालकों को स्वरोजगार और आयवृद्धि के नए अवसर उपलब्ध कराए जाएं। बैठक में गोशालाओं की स्थिति और संचालन की भी समीक्षा की गई। श्री वर्णवाल ने निर्देश दिए कि गोशालाओं को आधुनिक, उन्नत और आत्मनिर्भर बनाया जाए। गोशालाओं में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि गोशालाएं केवल पशु संरक्षण का केंद्र न रहकर जैविक खेती, गोबर गैस, वर्मी कम्पोस्ट और अन्य आयवर्धक गतिविधियों का भी केंद्र बनें। उन्होंने दुग्ध उत्पादकता बढ़ाने को विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करने के निर्देश दिए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

उज्जैन में डेढ़ लाख से ज्यादा बच्चों को मिलेगी यूनिफॉर्म

दो साल बाद बदलेगी व्यवस्था, खाते में राशि नहीं बल्कि सीधे ड्रेस वितरण की तैयारी- नए सत्र से पहले विभाग जुटा तैयारियों में

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ इस बार स्कूली बच्चों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। करीब डेढ़ लाख से अधिक विद्यार्थियों को सीधे स्कूल यूनिफॉर्म उपलब्ध कराई जाएगी। पिछले दो वर्षों से यूनिफॉर्म के लिए विद्यार्थियों या अभिभावकों के बैंक खातों में राशि भेजने की व्यवस्था लागू थी, लेकिन इस बार सरकार की घोषणा के अनुसार बच्चों को तैयार ड्रेस देने की योजना पर काम किया जा रहा है।

हालांकि यूनिफॉर्म वितरण की पूरी प्रक्रिया, एजेंसी और वितरण व्यवस्था को लेकर अभी अंतिम आदेश जारी नहीं हुए हैं। जिला शिक्षा अधिकारियों को शासन स्तर से दिशा-निर्देश मिलने का इंतजार है। इसके बावजूद शिक्षा विभाग नए सत्र की तैयारियों में जुट गया है ताकि स्कूल खुलते ही विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। नए शिक्षा सत्र के शुरू होने में अब करीब डेढ़ सप्ताह का समय शेष है। ऐसे में लोक शिक्षण संचालनालय ने संभागीय और जिला स्तर के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था प्रभावित न हो। इसी के तहत अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है।

अतिथि शिक्षकों के सत्यापन को मिला अतिरिक्त समय- शिक्षा विभाग ने अतिथि शिक्षक प्रणाली के अंतर्गत आवेदन और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया को आगे बढ़ा दिया है। पहले स्कोर कार्ड जनरेट करने और सत्यापन की अंतिम तिथि 3 जून निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर 10 जून कर दिया गया है। वर्तमान में स्कूल स्तर पर आवेदनों की जांच और दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद विभाग मेरिट सूची जारी करेगा, जिसके आधार पर स्कूलों में अतिथि शिक्षकों की नियुक्तियां की जाएंगी। विभाग का उद्देश्य है कि सत्र शुरू होते ही शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित हो और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

यूनिफॉर्म वितरण में बड़ा बदलाव- शिक्षा विभाग के अनुसार जिले में कक्षा पहली से आठवीं तक के 1.50 लाख से अधिक विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म योजना का लाभ मिलेगा। पहले यूनिफॉर्म की राशि सीधे बैंक खातों में भेजी जाती थी, लेकिन इस बार तैयार यूनिफॉर्म वितरित करने की व्यवस्था लागू होने की संभावना है। इस बदलाव से अभिभावकों को यूनिफॉर्म खरीदने की प्रक्रिया से राहत मिलेगी और सभी विद्यार्थियों को एक जैसी निर्धारित ड्रेस उपलब्ध कराई जा सकेगी। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि शासन के विस्तृत दिशा-निर्देश जारी होने के बाद ही अंतिम प्रक्रिया स्पष्ट हो सकेगी।

अधिकारियों को आदेश का इंतजार- जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप यूनिफॉर्म वितरण की तैयारी तो शुरू कर दी गई है, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि ड्रेस का निर्माण और वितरण किस एजेंसी के माध्यम से होगा। शासन से आदेश मिलने के बाद जिले में क्रियान्वयन की रूपरेखा तय की जाएगी।

यूनिफॉर्म वितरण एक नजर में -जिले के 1.50 लाख से अधिक विद्यार्थियों को मिलेगा यूनिफॉर्म योजना का लाभ।

-दो साल बाद बैंक खाते में राशि भेजने की व्यवस्था में बदलाव।

-इस बार विद्यार्थियों को सीधे तैयार यूनिफॉर्म देने की तैयारी।

-अतिथि शिक्षकों के दस्तावेज सत्यापन की अंतिम तिथि 10 जून तक बढ़ाई गई।

-नए सत्र से पहले स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था दुरुस्त करने पर विभाग का फोकस।

-यूनिफॉर्म वितरण की प्रक्रिया को लेकर शासन के आदेश का इंतजार।

मलेरिया से बचाव का संदेश लेकर निकली स्वास्थ्य विभाग की जागरूकता रैली

चरक अस्पताल से शुरू हुई रैली में स्वास्थ्य कर्मियों ने किया जनजागरण

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मलेरिया निरोधक माह के तहत सोमवार सुबह शासकीय मातृ एवं शिशु चरक अस्पताल से स्वास्थ्य विभाग द्वारा जन-जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से नागरिकों को मलेरिया, डेंगू और अन्य मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया।

रैली को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, एएनएम, आशा कार्यकर्ता तथा अन्य चिकित्साकर्मी शामिल हुए। रैली चरक अस्पताल परिसर से प्रारंभ होकर आसपास के क्षेत्रों में पहुंची, जहां स्वास्थ्य कर्मियों ने आमजन को मच्छरों से होने वाली बीमारियों के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया। इस दौरान लोगों को जागरूकता संबंधी पर्चे वितरित किए गए तथा घरों और आसपास पानी जमा नहीं होने देने, कूलर एवं पानी की टंकियों की नियमित सफाई करने, मच्छरदानी का उपयोग करने और पूरे बाजू के कपड़े पहनने की सलाह दी गई। रैली में शामिल कर्मचारियों ने विभिन्न नारों के माध्यम से स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा का संदेश भी दिया।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बारिश के मौसम में मलेरिया और डेंगू का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में समय रहते सावधानी बरतकर इन बीमारियों से बचाव संभव है। विभाग द्वारा पूरे जून माह में विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक बचाव और सुरक्षा का संदेश पहुंचाया जा सके।

सीवरेज चेंबर से टकराकर गिरे बाइक सवार की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गमी के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद परिवार के साथ रात में लौट रहा बाइक सवारी युवक सीवरेज के चेंबर से टकराकर गिर गया। परिवार उसे अस्पताल लेकर पहुंचा लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी।

जयसिंहपुरा में रहने वाला अजय पिता शंकर माली 22 साल परिवार के साथ पिपलीनाका स्थित विष्णु वाटिका में आयोजित रिश्तेदार के यहां हुई जमीन के कार्यक्रम में शामिल होने गया था। जहां से रात में बाइक से वापस लौट रहा था। उसके पीछे बाइक पर मां और जीजा भी आ रहे थे। रास्ते में आशु मेतरानी माता मंदिर के सामने अचानक सड़क पर बने सीवरेज लाइन के चेंबर से टकरा गया। बाइक सहित गिरने पर गंभीर रूप से घायल हो गया। मां और जीजा ने घटना देखी तो लोगों की मदद से अजय को चरक अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी लगने पर जीवाजीगंज थाना पुलिस ने मर्ग कायम किया सोमवार सुबह अजय का पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजनों ने बताया कि अजय अविवाहित और इलेक्ट्रिक का काम करता था।

चार घंटे की बिजली कटौती से उपभोक्ता परेशान

सेंट पॉल सब स्टेशन पर 15 दिन में चौथी बार लंबा शटडाउन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सेंट पॉल सब स्टेशन से जुड़े 11 केवी खंडेलवाल नगर फीडर पर आज सोमवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक कवर कंडक्टर कार्य के लिए चार घंटे का शटडाउन लिया गया। पिछले 15 दिनों में यह चौथी बार 4 घंटे से अधिक समय की बिजली कटौती की जा रही है। इससे क्षेत्र के लोग गर्मी में परेशान हैं।

सोमवार को सुबह किए गए 4 घंटे के बिजली शटडाउन में खंडेलवाल नगर के ए, बी, सी और डी सेक्टर सहित कस्तूरी बाग, तिरुपति एवेन्यू, तिरुपति सॉलिटेयर, शारदा होम्स, महालक्ष्मी विहार, क्रिस्टल पार्क, विष्णु सिटी, शीतल पैलेस कॉलोनी तथा एमआर-5 मेन रोड क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बंद रही।

क्षेत्र के रहवासियों का कहना है कि पिछले 15 दिनों में यह चौथी बार है जब चार घंटे से अधिक समय के लिए बिजली कटौती की गई है। इसके अलावा रविवार को भी दिनभर कई बार बिजली गुल होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। गर्मी के मौसम में बार-बार होने वाली बिजली कटौती से खेड़ापति जोन के उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ रही है। रहवासियों का कहना है कि लंबे शटडाउन और लगातार ट्रिपिंग के कारण दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उपभोक्ताओं ने विद्युत वितरण कंपनी से वैकल्पिक व्यवस्था करने और अनावश्यक कटौती पर रोक लगाने की मांग की है।

उज्जैन ने बनाया मई में 6 करोड़ यूनिट खपत का नया रिकॉर्ड

पिछले साल से 1 करोड़ यूनिट ज्यादा बिजली खर्च, दिन हो या आधी रात—एसी, कूलर और पंखों ने बढ़ाई मांग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मई की भीषण गर्मी ने इस बार उज्जैन में बिजली खपत के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। तापमान लगातार 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने से शहरवासियों को दिन-रात एसी, कूलर और पंखों का सहारा लेना पड़ा। इसका असर बिजली की मांग पर साफ दिखाई दिया और मई महीने में शहर में करीब 6 करोड़ यूनिट बिजली की खपत दर्ज की गई। यह पिछले वर्ष मई की तुलना में लगभग 1 करोड़ यूनिट अधिक है।

बिजली कंपनी के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष मई में शहर में करीब 5 करोड़ यूनिट बिजली की खपत हुई थी, जबकि इस बार यह आंकड़ा 6 करोड़ यूनिट तक पहुंच गया। लगातार बढ़ती गर्मी और उमस के कारण घरों, दुकानों, कार्यालयों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में बिजली उपकरणों का उपयोग तेजी से बढ़ा है। जानकारों के अनुसार मई के तीसरे सप्ताह से शुरू हुई तेज गर्मी ने बिजली की मांग को लगातार ऊपर बनाए रखा। कई दिनों तक शहर में प्रतिदिन 16 से 17 लाख यूनिट बिजली खर्च हुई, जबकि सामान्य दिनों में यह खपत 11 से 12 लाख यूनिट के आसपास रहती है। यानी हर दिन 5 से 6 लाख यूनिट अतिरिक्त बिजली की खपत दर्ज की गई। उज्जैन शहरी क्षेत्र में सवा लाख से अधिक बिजली उपभोक्ता हैं। इनमें घरेलू उपभोक्ताओं की संख्या सबसे ज्यादा है। इसके अलावा मंदिर, धर्मशालाएं, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और दो हजार से अधिक औद्योगिक उपभोक्ता भी बिजली की मांग बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। अनुमान के मुताबिक शहर में करीब 10 लाख पंखे, 3 लाख से अधिक टीवी, लाखों मोबाइल चार्जर, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण नियमित रूप से उपयोग में आते हैं। गर्मी बढ़ते ही एसी और कूलर का उपयोग कई गुना बढ़ गया, जिससे बिजली खपत ने नई ऊंचाइयों को छू लिया।

आधी रात को भी नहीं घट रही मांग- आमतौर पर रात में बाजार बंद होने के बाद बिजली की मांग कम हो जाती है, लेकिन इस बार स्थिति अलग रही। भीषण गर्मी के कारण देर रात तक एसी और कूलर चलते रहे। बिजली कंपनी के अधिकारियों के अनुसार रात 12 बजे के आसपास भी बिजली की मांग सामान्य दिनों की तुलना में काफी अधिक दर्ज की गई। यह संकेत है कि शहर में घरेलू उपभोक्ताओं की खपत ने बिजली लोड को लगातार ऊंचे स्तर पर बनाए रखा।

जून में भी राहत के आसार कम- मौसम में फिलहाल ज्यादा बदलाव नहीं होने से बिजली की मांग जून में भी ऊंची बनी रह सकती है। यदि तापमान इसी तरह बना रहा तो बिजली खपत के नए रिकॉर्ड बनने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। बिजली कंपनी भी बढ़ती मांग को देखते हुए आपूर्ति व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए हुए है, ताकि उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली मिलती रहे।

छात्र की गुहार पर आरक्षक ने किया रक्तदान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस की तत्परता से एक गंभीर रूप से बीमार महिला की जान बच गई। चिमनगंज मंडी थाना पुलिस ने एक छात्र की गुहार पर तत्काल रक्त की व्यवस्था की, जिसमें एक आरक्षक ने रक्तदान किया।

इस्कॉन मंदिर के पीछे रहने वाले कक्षा 7वीं के छात्र सूरज भाटी ने चिमनगंज मंडी थाना प्रभारी विवेक कनोड़िया को फोन किया। सूरज ने अपनी मां सुनीता भाटी के लिए रक्त की व्यवस्था करने की गुहार लगाई। सुनीता भाटी बिरला अस्पताल में भर्ती थीं और पिछले दो दिनों से परिवार रक्त का इंतजाम नहीं कर पा रहा था।

सूरज के पिता राजू भाटी का दो वर्ष पूर्व बीमारी के कारण निधन हो चुका है। सुनीता घरेलू कामकाज कर अपने तीन बच्चों का पालन-पोषण कर रही हैं। बेटे की गुहार सुनते ही थाना प्रभारी विवेक कनोड़िया अस्पताल पहुंचे। उन्होंने स्वयं रक्तदान करने की इच्छा जताई, लेकिन स्वास्थ्य कारणों और ब्लड ग्रुप मेल नहीं होने के कारण वे रक्तदान नहीं कर सके।

इसके बाद थाना प्रभारी ने तत्काल थाना स्टाफ के व्हाट्सएप ग्रुप में बी-पॉजिटिव रक्तदाता की आवश्यकता का संदेश प्रसारित किया। संदेश मिलते ही आरक्षक जगदीश गेहलोत आगे आए। उन्होंने बिना किसी देरी के पुष्पा मिशन अस्पताल पहुंचकर रक्तदान किया। समय पर रक्त मिलने से सुनीता भाटी की स्थिति में सुधार हुआ। उनका इलाज अभी भी जारी है।

जिला अस्पताल की मनोरोग ओपीडी में डॉक्टर पर चप्पल से हमला

उपचार कराने आए मरीज ने की हरकत -ओपीडी इंचार्ज ने सुरक्षा बढ़ाने की मांग की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला अस्पताल की मनोरोग चिकित्सा ओपीडी में उपचार के लिए आए एक मरीज ने ओपीडी इंचार्ज डॉ. राकेश मीणा पर चप्पल फेंककर हमला करने का प्रयास किया। घटना शुक्रवार की बताई जा रही है। राहत की बात यह रही कि डॉ. मीणा और वहां मौजूद नर्सिंग स्टाफ को कोई चोट नहीं पहुंची।

डॉ. मीणा के अनुसार मनोरोग ओपीडी में प्रतिदिन करीब 35 से 40 मरीज इलाज के लिए आते हैं। शुक्रवार को एक मरीज उपचार के लिए पहुंचा था। इसी दौरान उसने अचानक चप्पल फेंक दी और मौके से भाग गया। घटना के बाद ओपीडी में मौजूद स्टाफ और मरीजों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। घटना के संबंध में डॉ. मीणा ने सिविल सर्जन को लिखित शिकायत देकर अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। उनका कहना है कि मनोरोग ओपीडी में ऐसे मामलों की आशंका बनी रहती है, इसलिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक है। घटना के बाद से मनोरोग चिकित्सा ओपीडी के कर्मचारियों में भय का माहौल है। स्टाफ ने भी अस्पताल प्रशासन से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

परिवार की प्रताड़ना से तंग आकर लगाई थी फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मक्सीरोड पिलियाखाल रेलवे ब्रिज की रेलिंग से 23 अप्रैल को संतोष पिता दयाराम पाल 45 साल निवासी देसाईनगर की रस्सी के फंदे पर लटकी लाश मिली थी। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का सामने आया था। पंवासा थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया था। इस दौरान पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के बयान दर्ज किये गये। जिसमें सामने आया कि संतोष को पिता दयाराम, भाई राजकुमार और भाभी आरती पाल द्वारा पैतृक मकान को लकर प्रताड़ित किया जा रहा था। जिसके चलते वह परेशान रहने लगा था। घटना वाले दिन भी पारिवारिक विवाद हुआ था उसके बाद संतोष घर से उद्योगपुरी पॉवर लूम पर काम करने का बोलकर निकला था, लेकिन उसने पिलियाखाल रेलवे ब्रिज पर पहुंचकर फांसी लगा ली थी। विवेचना में आये तथ्यों और बयानों के आधार पर पंवासा पुलिस ने मृतक की पत्नी दीपमाला की शिकायत पर पिता, भाई और भाई के खिलाफ धारा 108, 3 (5) बीएनएस का प्रकरण दर्ज कर लिया। तीनों की गिरफ्तारी कर न्यायालय में पेश किया जायेगा।

नोटिस के बावजूद केवल 84 ने किया रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन

140 स्वास्थ्य केंद्रों की जांच में 112 बिना पंजीयन संचालित मिले थे - बाकी अब भी नियमों को दिखा रहे ठेंगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर और जिले में मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वाले अवैध क्लीनिकों और स्वास्थ्य केंद्रों का बड़ा नेटवर्क सामने आया है। स्वास्थ्य विभाग की एक महीने तक चली जांच में 140 स्वास्थ्य केंद्रों की पड़ताल की गई, जिनमें से चौंकाने वाले 112 केंद्र बिना वैध पंजीयन के संचालित होते मिले। विभाग की इस कार्रवाई ने जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

उज्जैन सहित जिले में पिछले दिनों की गई। जांच के दौरान कई ऐसे केंद्र भी मिले, जहां नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही थी। मरीजों का उपचार करने वाले कई संचालकों के पास आवश्यक अनुमति और पंजीयन तक नहीं था। स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 18 केंद्रों को सील कर दिया और सभी अवैध रूप से संचालित संस्थानों को नोटिस जारी किए। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार नोटिस जारी होने के बाद भी स्थिति पूरी तरह नहीं सुधरी है। अब तक केवल 84 केंद्रों ने पंजीयन के लिए आवेदन किया है, जबकि बड़ी संख्या में संचालक अभी भी नियमों का पालन करने को तैयार नहीं दिख रहे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पंजीयन की प्रक्रिया पूरी होने तक ऐसे केंद्रों को संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। नियमों के अनुसार कोई भी चिकित्सक केवल अपनी मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धति में ही उपचार कर सकता है। आयुर्वेद, होम्योपैथी या अन्य पद्धति के चिकित्सकों द्वारा एलोपैथी उपचार करना नियम विरुद्ध है। इसके बावजूद जिले में कई जगह इस तरह की अनियमितताएं सामने आई हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मरीजों के गलत उपचार और शिकायतों के बाद यह विशेष जांच अभियान शुरू किया गया था। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में नियमों के उल्लंघन के मामले सामने आए हैं। विभाग ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में जांच और सख्त होगी तथा अवैध रूप से संचालित केंद्रों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। इस बारे में सीएमएचओ डॉ. अशोक पटेल ने कहा कि निजी क्लीनिक और स्वास्थ्य संस्थानों की नियमित जांच की जा रही है। अवैध संचालन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। अब तक 84 केंद्रों से पंजीयन के आवेदन प्राप्त हुए हैं और अभियान आगे भी जारी रहेगा।

ताला तोड़कर बदमाशों ने उड़ाई लाखों की सिगरेट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक बार फिर माधव नगर थाना क्षेत्र में लाखों रुपए की सिगरेट चोरी होने का मामला सामने आया है। एजेंसी संचालित करने वाले की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू की है। क्षेत्र में लगे फुटेज देखे जा रहे हैं। संभावना है कि बदमाश जल्द हिरासत में होंगे।

फ्रीगंज क्षेत्र में रहने वाला सौरभ पिता सुरेश महेश्वरी दशहरा मैदान में महेश्वरी मार्केटिंग एजेंसी का संचालन करते है। शनिवार रात 8 बजे वह एजेंसी का ताला लगाकर घर लौट गया थे। रविवार का अवकाश होने पर वह देरी से एजेंसी पहुंचे इस दौरान में गेट से लेकर अंदर गोदाम तक का ताला टूटा हुआ था। अंदर देखने पर सामने आया कि चोरी की वारदात हुई है और बदमाश करीब 25 से 26 सिगरेट के बड़े बॉक्स चुरा कर ले गए हैं। गोदाम में लगे कैमरे देखने का प्रयास किया गया तो डीवीआर भी गायब मिला। चोरी की जानकारी लगते ही माधव नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। वही का प्रकरण दर्ज कर लिया गया सौरभ महेश्वरी के अनुसार चोरी हुई सिगरेट की कीमत 30 लाख रुपए के लगभग है। पुलिस द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखे जा रहे हैं। बदमाश चार पहिया वाहन कार से आना सामने आ रहा है। पुलिस उक्त कर का रूट ट्रेस कर रही है। मामले में माधव नगर थाना प्रभारी गजेंद्र पचौरिया का कहना था कि जल्द ही बदमाशों का सुराग लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एक टीम लगातार बदमाशों के भागने वाले रास्ते और उनकी पहचान में लगी है।

विदित की छह माह पहले भी माधव नगर थाना क्षेत्र में बदमाशों ने एक दुकान पर धावा बोलकर लाखों की सिगरेट और नंगी चोरी की थी उस दौरान भी बदमाश कार से आए थे।

जिन्हें पुलिस ने एक माह की तलाश के बाद गिरफ्तार किया था बदमाश मुंबई के रहने वाले थे पुलिस को आशंका है कि उसी गिरोह से जुड़े बदमाशों ने फिर से वारदात को अंजाम दिया है।

ग्राम उमरिया खालसा में तालाब गहरीकरण सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के अंतर्गत ग्राम पंचायत उमरिया खालसा में तालाब गहरीकरण का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। ग्राम वासियों की सामूहिक भागीदारी और अथक मेहनत से पुराने तालाब को पुनर्जीवित कर जल-आत्मनिर्भरता की एक प्रेरणादायक मिसाल स्थापित की गई है।

ग्राम पंचायत उमरिया खालसा की यह उपलब्धि शासन की योजनाओं को ग्रामीण स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने का उत्कृष्ट उदाहरण है। जब ग्राम पंचायत की पूरी टीम, सरपंच, स्टाफ तथा गांव के बच्चे-बूढ़े, किसान-मजदूर सबकी सामूहिक इच्छाशक्ति एकजुट होती है तो परिणाम चमत्कारिक होते हैं। तालाब गहरीकरण के अंतर्गत गाद निकालना, झाड़ी-झंखाड़ हटाना, सफाई एवं संबंधित कार्य किए गए। इस कार्य पर अनुमानित लागत 44 हजार रुपए रही।

लम्बी बीमारी के बाद प्रधान आरक्षक का निधन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चिंतामण गणेश थाना पर पदस्थ प्रधान आरक्षक का लम्बी बीमारी के बाद रविवार को निधन हो गया। खबर जैसे ही थाना स्टॉफ को मिली माहौल गमगीन हो गया। प्रधान आरक्षक के निधन पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी शौक प्रगट कर श्रद्धांजलि दी गई।

चिंतामण गणेश थाना एएसआई विक्रम वर्मा ने बताया कि प्रधान आरक्षक रूपेन्द्र यादव पिछले कई महिनों ने बीमार चल रहे थे। उन्हे किडनी में पथरी हो गई थी। बॉम्बे अस्पताल में भी उपचार चला। इस दौरान किडनी में इंफेक्शन फैल गया था। परिजन उज्जैन ले आये थे और निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था। रविवार सुबह खबर आई कि प्रधान आरक्षक रूपेन्द्र का निधन हो गया। थाना स्टॉफ अस्पताल पहुंचा और दिवंगत प्रधान आरक्षक का शव अंतिम संस्कार के लिये उनके निवास स्थान पर लाया गया। जहां से निकली अंमित यात्रा में पुलिस विभाग से जुड़े कई अधिकारी और जवान शामिल हुये। एएसआई वर्मा के अनुसार वर्ष 1995 में रूपेन्द्र को पिता के स्थान पर अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। सेवाकाल में उन्होने कई थानों पर अपनी ड्युटी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाई।

शहर में एलिवेटेड ब्रिज निर्माण से सिंहस्थ के दौरान यातायात प्रबंधन में सहायता मिलेगी

संभाग आयुक्त श्री सिंह और कलेक्टर श्री सिंह ने प्रस्तावित एलिवेटेड ब्रिज निर्माण स्थल का निरीक्षण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ महापर्व 2028 के विश्वव्यापी आयोजन को लेकर तैयारी की जा रही है। सिंहस्थ के समय करोड़ों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षा और सुविधा के साथ भीड़ प्रबंधन और यातायात प्रबंधन के लिए प्रस्तावित एलिवेटेड ब्रिज निर्माण के लिए स्थल का निरीक्षण संभाग आयुक्त श्री सिंह और कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों के साथ किया। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा भी मौजूद रहे।

सिंहस्थ महापर्व के लिए आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर मार्ग शहर में लगातार विकास कार्य प्रगतिरत है। सोमवार को प्रगतिरत विकास कार्यों का नियमित निरीक्षण के तहत संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह ने अन्य अधिकारियों के साथ प्रस्तावित एलिवेटेड ब्रिज निर्माण के लिए मकोडियाआम आगर रोड पर स्थल निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान संभाग आयुक्त श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को एलिवेटेड ब्रिज निर्माण के लिए पूरा प्लान तैयार करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि आगर रोड मकोडियाआम कृषि मंडी से चामुंडा माता चौराहा, रेलवे स्टेशन होते हुए हरिफाटक तक प्रस्तावित एलिवेटेड फोरलेन ब्रिज लगभग 4 किलोमीटर लंबा होगा। इसका एक छोर हरिफाटक ब्रिज तक आएगा।

इसके साथ ही संभाग आयुक्त श्री सिंह और कलेक्टर श्री सिंह ने ढाबा रोड से दानी गेट तक निर्माणाधीन मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। मौके पर मौजूद संबंधित विभाग के अधिकारियों को तेज गति से निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ करने के निर्देश दिए। सिंहस्थ महापर्व के दौरान भीड़ प्रबंधन और यातायात प्रबंधन के लिए सुविधा मिलेगी। सिंहस्थ 2028 महापर्व का आयोजन इस बार विश्व स्तरीय होगा। आयोजन के दौरान करोड़ों श्रद्धालु मोक्षदायिनी मां शिप्रा में स्नान के लिए पहुंचेंगे। महापर्व के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के साथ ही यातायात प्रबंधन के लिए एलिवेटेड ब्रिज उपयोगी सिद्ध होगा। प्रस्तावित ब्रिज निर्माण के बाद यातायात प्रबंधन भी किया जा सकेगा।